{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 11 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 49
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	~	83,535.35
निफ्टी	~	25,574.35
सोना	~	1,23,820
चांदी	~	1,57,000
डॉलर	~	88.73

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

लालकिले के पास कार में धमाका, 8 की मौत कई घायल, 4 गाड़ियां जलीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में जोरदार धमाका हो गया। यह घटना 10 नवंबर 2025 को शाम 6:55 बजे हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद कार में भीषण आग लग गई, जो पास की अन्य 3 गाड़ियों तक फैल गई। इस हादसे में अभी तक 8 लोगों की मौत, कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर- 1 पर धमाका

दिल्ली पुलिस ने तुरंत पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली। फायर डिपार्टमेंट की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। धमाके के बाद कार में भीषण आग लग गई और उसकी चपेट में 3 और गाड़ियां आ गई। दिल्ली पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। इस धमाके में 8-10 लोग घायल हुए हैं, हालांकि पुलिस ने अभी तक इस पर बयान नहीं दिया है।

मौके पर पहुंची दमकल की 7 गाड़ियां

दिल्ली फायर डिपार्टमेंट ने बताया, दमकल विभाग को लाल किले के पास धमाके जैसी आवाज की सूचना मिली है। दमकल की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचे गई है। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में विस्फोट हुआ, जिससे आस-पास के तीन वाहनों में आग लग गई। स्थिति की जांच और आग पर काबू पाने के लिए टीमें भेजी गई हैं।

पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट जारी

लाल किले के पास खड़ी एक कार में सोमवार शाम जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिससे आसपास मौजूद कई वाहनों में आग लग गई और कई की खिड़कियों के शीशे टूट गए। कई लोगों के घायल होने की आशंका है। विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

कई मीटर दूर खड़े वाहनों की खिड़कियां टूट

दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, दमकल की 7 गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कई मीटर दूर खड़े वाहनों की खिड़कियां टूट गई और भीड़भाड़ वाले इलाके के आसपास की इमारतों में भी इसकी आवाज सुनी गई।

प्रत्यक्षदर्शी ने सुनाया आँखो देखा हाल

एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि, मैं गुरुद्वारे में था, जब मैंने एक तेज आवाज सुनी। आवाज इतनी तेज थी कि हम समझ ही नहीं पाए कि यह किस चीज की थी। विस्फोट के कारण आसपास खड़े कई वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

पीएम मोदी ने जताया दुख, अमित शाह पहुंचे अस्पताल

विपक्ष ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किला कार ब्लास्ट पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि 'मैं दिल्ली धमाके में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' पीएम ने इस हादसे को दुखद बताते हुए जांच एजेंसियों को घटना की पूरी सच्चाई सामने लाने के निर्देश दिए हैं।

अमित शाह अस्पताल पहुंचे, घायलों का हाल जाना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह धमाके के तुरंत बाद लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और जांच में कोई ढिलाई न बरती जाए।

'हमले को हल्के में नहीं लिया जा सकता'

सांसद पप्पू यादव ने इस घटना को सुरक्षा चूक बताते हुए कहा कि 'आज सुबह फरीदाबाद में हथियार पकड़े गए थे, क्या सरकार किसी धमाके का इंतजार कर रही थी? इस हमले के लिए कौन जिम्मेदार है — प्रधानमंत्री या गृह मंत्री?' उन्होंने मांग की कि घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों को कड़ी सजा मिले।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी दुख जताते हुए कहा कि यह विस्फोट एक उच्च सुरक्षा और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में हुआ है। सरकार को इस घटना की गहन जांच कर जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना चाहिए।

खास खबर

15 लोगों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजस्थान के फलौदी में हुए दर्दनाक सड़क हादसे, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए, पर स्वतः संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय विश्नोई की पीठ ने राजमार्गों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के भीतर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसमें राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित ढाबों और अन्य स्थापनाओं की संख्या एवं स्थिति का ब्योरा दिया जाए। इसके साथ ही अदालत ने सड़क की स्थिति के संबंध में भी रिपोर्ट तलब की।

दिल्ली धमाके के बाद हाई अलर्ट पर बिहार

पटना। सोमवार शाम दिल्ली में हुए भीषण धमाके के बाद चुनाव के मद्देनजर बिहार में हाई अलर्ट पर है। दिल्ली में धमाका इतना भीषण था कि कई गाड़ियां चपेट में आ गईं। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास ये धमाका हुआ। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उधर बिहार के पुलिस महानिदेशक ने मतदाताओं से अपील की है कि सभी लोग निर्भय होकर मंगलवार को मतदान करें। दरअसल आज मंगलवार को बिहार में दूसरे और अंतिम चरण का मतदान है। झारखंड, बंगाल और उत्तरप्रदेश की सीमा पहले से ही सील कर दी गई है। साथ ही बिहार से लगता नेपाल बॉर्डर भी सील है।

अंडमान सागर में आया 5.4 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। अंडमान सागर में रविवार को मध्यम तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.4 दर्ज की गई। भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 6 मिनट पर महसूस किए गए। केंद्र ने बताया कि भूकंप का उपरिकेंद्र समुद्र की सतह से करीब 90 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कई इलाकों में महसूस किए गए। हालांकि, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान या बड़ी क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि झटकों के बाद सुरक्षा एहतियात के तौर पर कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। भूकंप विशेषज्ञों ने बताया कि अंडमान क्षेत्र सिस्मिक जोन-5 में आता है, जो भारत का सबसे संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्र है। इस वजह से यहां अक्सर हल्के और मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

आज 1,302 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में होगी कैद

पटना। आज मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण के लिए मतदान होगा और 14 तारीख को मतगणना होगी। इस चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान हो रहा है। 1,302 उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत वोटिंग मशीनों में कैद हो जाएगी। इनमें नौ मौजूदा मंत्री, 15 पूर्व मंत्री और कई राजनीतिक दलों के प्रदेश अध्यक्ष शामिल हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और आरएलएम नेता उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता, हम (सेक्युलर) पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी इस चरण में चुनावी मैदान में हैं। इस चरण में 37,013,556 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल 45,399 बूथ बनाए गए हैं, जिनमें से 40,073 ग्रामीण क्षेत्रों में और 5,326 शहरी क्षेत्रों में हैं। दूसरे चरण में 595 बूथ महिलाएं और 91 बूथ दिव्यांगजन संभालेंगे।

- ये है उम्मीदवारों की संख्या

दूसरे चरण में राजद के 72, कांग्रेस के 37, वीआईपी के 10, भाकपा-माले के 5, भाकपा के 4 और माकपा के 2 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में भाजपा के 52, जदयू के 45, लोजपा (रामविलास) के 15, हम के 6 और रालोसपा के 4 उम्मीदवार मैदान में हैं।

- महिलाओं के मतदान को लेकर उत्सुकता

पहले चरण में सबसे अधिक 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें से 69.04 प्रतिशत महिलाओं ने और 61.56 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया था। राजनीतिक क्षेत्र में इस बात को लेकर उत्सुकता है कि दूसरे चरण में महिलाओं के मतदान का यह प्रतिशत कैसा रहेगा।

दूसरे चरण में इन 20 जिलों में होगा मतदान

दूसरे चरण में जिन 20 जिलों में मतदान होगा उनमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल, कैमूर और रोहतास शामिल है।

- मुद्दों से ज्यादा जातीय गणित का असर

इस बार विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के बीच जातीय समीकरणों को साधने की जद्दोजहद चरण पर है। यानि चुनावी मैदान में मुद्दों से ज्यादा जातीय गणित का असर देखने को मिल रहा है। सियासत के जानकारों का मानना है कि दूसरे चरण का पूरा रण जातीय ध्रुवीकरण की दिशा में मुड़ गया है। इन 122 सीटों में से 32 सीटों पर मुकाबला एक ही जाति के प्रत्याशियों के बीच सिमट गया है। उदाहरण के तौर पर नरपतगंज, बेलहर, नवादा और बेलागंज की चार सीटों पर यादव उम्मीदवार आमने-सामने हैं- एक ओर एनडीए के तो दूसरी ओर महागठबंधन के उम्मीदवार। वहीं अररिया, जोकीहाट, बहादुरगंज और अमौर की सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी एक-दूसरे से सीधी टक्कर में हैं। तीन-तीन विधानसभा क्षेत्रों में धानुक, पासवान, राजपूत और मुसहर समुदाय के उम्मीदवारों के बीच भी आपसी मुकाबला देखने को मिल रहा है। फुलपरास, सिकटी, रुपौली में धानुक, कोढ़ा, पीरपैंती, बोधगया में पासवान, रामगढ़, औरंगाबाद, वजीरगंज में राजपूत, बाराचट्टी, सिकंदरा, रानीगंज में मुसहर जाति आमने सामने हैं। दो-दो सीटों पर ब्राह्मण, वैश्य और रविदास समुदाय के प्रत्याशी एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। वहीं, एक-एक सीट पर पातर, खरवार, संथाल, कुशवाहा और भूमिहार जाति के उम्मीदवार भी अपनी ही जाति के प्रतिद्वंद्वियों को हराने की कोशिश में जुटे हैं। राजद का एमवाई समीकरण भी आमने सामने है। करीब 4 विधानसभा सीटों पर महागठबंधन के मुस्लिम प्रत्याशियों को एनडीए के यादव प्रत्याशी टक्कर दे रहे हैं। सुरसंड विधानसभा सीट पर नागेंद्र राउत (जदयू) के प्रत्याशी हैं जो यादव समाज से आते हैं उनका मुकाबला राजद प्रत्याशी अबु दोजाना से है जो मुस्लिम प्रत्याशी हैं।

50 सीटें सत्ता की चाबी साबित हो सकती हैं

इस चरण में रोहतास और कैमूर समेत मगध की 26 तथा सीमांचल की 24 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इन दोनों इलाकों की कुल 50 सीटें सत्ता की चाबी साबित हो सकती हैं। इन दोनों इलाकों में बढ़त हासिल करने वाला गठबंधन सरकार गठन की दिशा तय करेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में सीमांचल की 24 सीटों में से भाजपा ने 8, जदयू ने 4, कांग्रेस ने 5, राजद और भाकपा (माले) ने 1-1, जबकि एआईएमआईएम ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी। बाद में एआईएमआईएम के चार विधायक राजद में शामिल हो चुके हैं। मगध की 26 सीटों में से 22 पर महागठबंधन के विधायक काबिज हैं।

एसआईआर के खिलाफ बंगाल कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची

एसआईआर के डर से राज्य में हई 15 मौतें

कोलकाता। बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन स्क्रूक को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में स्क्रूक के खिलाफ याचिका लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा।

इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि 27 अक्टूबर को एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। टीएमसी ने कहा कि एसआईआर के डर से कुछ ने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे 'राजनीतिक प्रचार' करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है।

कहा- टीएमसी जनता को गुमराह कर रही है। पश्चिम बंगाल में विरोध के बावजूद 80,000 से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी एसआईआर के फॉर्म बांट रहे हैं। 9 नवंबर रात 8 बजे तक 55.15 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बांट दिए हैं। 4 नवंबर से शुरू हुआ काम 4 दिसंबर तक चलेगा।

तृणमूल ने पीड़ितों के मदद के लिए लीगल टीम बनाई

तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एसआईआर के आतंक की वजह से मरने वालों के परिजनों की मदद के लिए हेल्प डेस्क और लीगल सेल बनाई। पांच लोगों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी भेजी। मृतकों के परिजनों की सहायता के लिए विशेष कमेटी बनाई है। इसके तहत सांसद और मंत्री परिजनों से मुलाकात कर मदद का आश्वासन दे रहे हैं।

केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में होगा। तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथनमथिट्टा, कोट्टायम, अलप्पुझा, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में मतदान नौ दिसंबर को होगा। त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, वायनाड, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के मतदाता 11 दिसंबर को होगा। मतों की गिनती 13 दिसंबर को होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 नवंबर है, पत्रों की जांच 22 नवंबर को होगी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ए. शाहजहां ने घोषणा की कि केरल के 1,200 स्थानीय निकायों में से 1,199 में चुनाव कराए जाएंगे, जिसमें मट्टनूर नगर पालिका को शामिल नहीं है, क्योंकि इसकी परिषद का कार्यकाल 2027 तक वैध है।

बिना रजिस्ट्री वाली फैमिली डील भी होगी मान्य - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि बिना रजिस्ट्री वाले पारिवारिक समझौते (फैमिली सेटलमेंट) को भी अदालत में साक्ष्य के रूप में मान्य माना जाएगा। हालांकि, ऐसे अनरजिस्टर्ड दस्तावेज़ों से संपत्ति का मालिकाना हक (टाइटल) स्थापित नहीं किया जा सकता।

जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने निचली अदालतों के फैसले को गलत बताते हुए कहा कि 1972 में हुए एक पारिवारिक समझौते और भाइयों के बीच हुए त्यागपत्र को मान्यता दी जानी चाहिए थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि पारिवारिक समझौते का पंजीकरण अनिवार्य नहीं है और यह अपने आप में वैध दस्तावेज़ है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पारिवारिक समझौते न केवल कानूनी दृष्टि से सही हैं, बल्कि वे परिवारों में विवादों को रोकने और एकता बनाए रखने में भी मददगार साबित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने लोवर कोर्ट्स द्वारा दिए गए आदेशों को निरस्त करते हुए कहा कि ऐसे समझौतों को अदालत में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है और उनका कानूनी महत्व बरकरार रहेगा।

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर, जीपीएस सिस्टम के सिग्नल से छेड़छाड़ की साजिश

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन पहले 800 से ज्यादा उड़ानें बाधित होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच और एक्सपर्ट्स से मिली जानकारी में सामने आया है कि जीपीएस यानी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के सिग्नल से छेड़छाड़ की साजिश की गई थी। जानकारी के अनुसार, 6 से 7 नवंबर शाम करीब 7 बजे के बीच पायलट्स को जीपीएस से फेक सिग्नल मिल रहे थे। इससे कॉकपिट स्क्रीन पर विमान की पोजिशन ही बदल गई और एक नकली तस्वीर सामने आने लगी। इस दौरान रनवे के बजाय खेत दिखने लगे और विमान की ऊंचाई को लेकर भी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। फिर विमानों के पायलट जीपीएस बेस्ड ऑटो मैसेजिंग की बजाय मैनुअल पोजिशन पर शिफ्ट हो गए। 7 नवंबर को आईजीआई पर एटीसी के ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम (एएमएसएस) में तकनीकी खराबी से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा।

कुछ ना कहना

बॉलीवुड का हीमैन वेंटिलेटर सपोर्ट पर

मुंबई। बॉलीवुड के चमकते सितारे धर्मेंद्र इन दिनों सेहत को लेकर चर्चा में हैं। वे खराब स्वास्थ्य के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती हैं। करीबी सूत्रों के मुताबिक उनकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। यह खबर सुनकर उनके प्रशंसक और फिल्म जगत के लोग चिंतित हो उठे हैं। सूत्रों की जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल गए थे, लेकिन कुछ जांचों और चिकित्सकों की सलाह के बाद उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। उनकी हालत गंभीर है और उन्हें लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर रखे हुए हैं और उनके इलाज के लिए सभी प्रयास हो रहे हैं।

धर्मेंद्र का नाम भारतीय सिनेमा में हमेशा एक चमकते सितारे के रूप में लिया जाता रहा है। छह दशक लंबे अपने फिल्मी करियर में उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्हें 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। धर्मेंद्र ने 1960 में दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दीं, जिनमें फूल और पत्थर, सीता और गीता, शोले, धर्मवीर, आंखें, राजा जानी, गुलामी, प्रतिज्ञा, नया जमाना, द बर्निंग ट्रेन, और यादों की बारात जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने उन्हें न केवल एक हीरो के रूप में स्थापित किया, बल्कि दर्शकों के दिल में भी अमिट छाप छोड़ी। 1990 के बाद उन्होंने लीड रोल के बजाय साइड रोल निभाए, जैसे प्यार किया तो डरना क्या, अपने, यमला पगला दीवाना, और 2024 में रिलीज हुई फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया इसके परफेक्ट उदाहरण हैं। वह अब मैडॉक फिल्म्स की फिल्म इक्कीस के जरिए एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। धर्मेंद्र न केवल फिल्मों बल्कि अपने सादगी भरे व्यक्तित्व और हंसमुख स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

सड़क हादसों पर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान-तेलंगाना सहित एनएचएआई से मांगी दो सप्ताह में रिपोर्ट

नई दिल्ली। राजस्थान के फलौदी और तेलंगाना के बीजापुर हाइवे पर हाल ही में हुए भीषण सड़क हादसों ने पूरे देश को हिला दिया। इन हादसों में कई मासूम लोगों की जानें गई, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सख्त रुख दिखाकर राजस्थान और तेलंगाना सरकार से दो हफ्ते के अंदर रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भी आदेश दिया है कि वे दोनों हाईवे का पूरा सर्वे करें और दो हफ्तों में अपनी रिपोर्ट जमा करें।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए खास तौर पर पूछा है कि इन हाइवे के किनारे कितने ढाबे बने हुए हैं और क्या इन ढाबों के पास ट्रक या अन्य वाहनों की अनियमित पार्किंग होती है। दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सड़कों की हालत काफी खराब है और इसकारण इसतरह के हादसे बार-बार हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर सड़क की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया, तब इसतरह के हादसे आगे भी हो सकते है।

गौरतलब है कि फलौदी वाला हादसा 2 नवंबर को हुआ था, जब जोधपुर से बीकानेर लौट रहे लोगों का टेंपो भरतमाला हाईवे पर एक ढाबे के सामने खड़े ट्रक से टकरा गया। दर्दनाक हादसे में करीब 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। टेंपो में महिलाएं और बच्चे भी सवार थे। वहीं, तेलंगाना के बीजापुर हाइवे पर 3 नवंबर को हुए हादसे में लगभग 20 लोगों की जान चली गई।

सपनों के आशियाने में मार्ग का अभाव

प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट तकं अधूरी सड़क ने बढ़ाई हितग्राहियों की मुश्किलें, फ्लैट तैयार पर पहुंचना मुश्किल, पीएम आवास कॉलोनी में अधूरा मार्ग बना बाधा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

नगर पालिका द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बूढ़ी फिल्टर प्लांट के पास फ्लैट बनाए गए हैं। यहां लगभग 30 से 40 परिवारों ने रहना भी शुरू कर दिया है, किंतु यहां तक पहुंचने वाला मार्ग अभी तक पूरी तरह से पक्का नहीं बनाया गया है। इस कारण यहां से आवागमन करने में हितग्राहियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ हितग्राहियों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि यदि किसी दिन बरसात हो जाती है तो लोग यहां पर ही कैद होकर रह जाते हैं। यहां की मिट्टी इतनी फिसलन भरी है कि थोड़ी सी बारिश में ही यह गीली होकर कीचड़ में बदल जाती है, जिससे आवागमन पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाता है। हितग्राहियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा जब उन्हें घर की चाबी सौंपी गई थी, तब बताया गया था कि यहां मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ पक्का मार्ग और अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर पालिका द्वारा जरूरतमंद हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बूढ़ी फिल्टर प्लांट के आगे फ्लैट सिस्टम के तहत फ्लैट बनाए गए हैं, जिसमें एलआईजी, एमआईजी और ईडब्ल्यूएस के तहत फ्लैट बनाए जा रहे हैं जिनका वितरण होना है। वहीं नगर पालिका द्वारा लगभग ईडब्ल्यूएस के तहत 100 से अधिक फ्लैट वितरित कर दिए गए हैं और इनमें 30 से 40 परिवार अब निवास कर रहे हैं। किंतु इन परिवारों के आवागमन के लिए कॉलोनी तक पहुंच मार्ग जो कि कुछ ही मीटर तक का मार्ग है, अभी तक पक्का नहीं बनाया गया है। इस कारण यहां से आवागमन करने में हितग्राहियों को काफी अधिक परेशानी हो रही है। रात्रि के समय यहां पूरा अंधेरा मार्ग पर पसरा रहता है, जबकि नगर पालिका द्वारा मूलभूत सुविधा दिए जाने की बात चाबी वितरण के समय हितग्राहियों से कही गई थी। किंतु कुछ ही मीटर का मार्ग अभी तक बनकर तैयार नहीं हुआ है। थोड़ी सी बारिश में यहां पहुंच मार्ग पूरी तरह से खराब हो जाता है और आवागमन रुक जाता है। हितग्राहियों की माने तो उन्होंने जैसे-तैसे बरसात में यहां से आवागमन कर लिया, किंतु अब उनकी निगाहें नगर पालिका पर मार्ग बनाए जाने को लेकर टिकी हुई हैं। नगर पालिका मार्ग बनाए जाने को लेकर कोई कार्य नहीं कर रही है, पक्का मार्ग नहीं होने के कारण यहां नगर पालिका स्वयं ही मूलभूत सुविधाएं नहीं दे पा रही है।

अधूरा मार्ग बना बड़ी परेशानी

फ्लैट परिसर तक पहुंचने के लिए जो सड़क बनाई जानी थी, वह अभी तक पूरी तरह से पक्की नहीं हो पाई है। कुछ ही मीटर की दूरी का यह मार्ग अधूरा पड़ा है, जिसके कारण यहां रहने वाले हितग्राहियों को रोजाना भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। दिन में तो किसी तरह रास्ता तय कर लिया जाता है, लेकिन रात्रि के समय यह मार्ग पूरी तरह अंधकार में डूबा रहता है। न तो स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था है और न ही पक्की सड़क की।

बारिश में घरों में कैद हो जाते हैं लोग

कइ हितग्राहियों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि जब बारिश होती है, तो यह मार्ग कीचड़ में बदल जाता है और आवागमन पूरी तरह से रुक जाता है। लोगों को घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो वाहन फिसलने या फंसने की स्थिति भी बन जाती है। जब हमें घर की चाबी सौंपी गई थी, तब कहा गया था कि यहां पक्का मार्ग, नाली, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लेकिन अब तक इन वादों में से कुछ भी पूरा नहीं हुआ। अगर थोड़ी सी बारिश हो जाए, तो घर से निकलना तक मुश्किल हो जाता है।

नगर पालिका बना कर देंगी मार्ग

फ्लैट निर्माण कार्य कर रही कंपनी के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी के अनुसार परिसर के अंदर तक का मार्ग पक्का बना दिया है। लेकिन जो रास्ता बीच में छूट गया है, वह नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है, और उसका निर्माण नगर पालिका को ही करना है। हमने अपनी सीमा तक का निर्माण कार्य पूरा कर दिया है। जो हिस्सा बाकी है, वह नगर पालिका का है। अगर वहां सड़क नहीं बनती, तो हमारी ओर से कुछ नहीं किया जा सकता।

मूलभूत सुविधाएं प्रभावित

अधूरे मार्ग की वजह से न केवल लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है, बल्कि नगर पालिका की सेवाएं भी प्रभावित हैं। यहां कचरा गाड़ी नियमित रूप से नहीं पहुंच पा रही, जिससे स्वच्छता व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। साथ ही अंधेरा होने की वजह से शाम के समय यहां सुरक्षा का भी संकट बना रहता है। फ्लैटों में रह रहे परिवारों ने नगर पालिका से मांग की है कि जल्द से जल्द कॉलोनी तक का मार्ग पक्का किया जाए। हितग्राहियों का कहना है कि कुछ ही मीटर के इस मार्ग को पक्का कर दिया जाए तो उनकी आधी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

कौलीवाड़ा की बिजली नंदी बैल जोडी रही प्रथम

बिठली में पट प्रतियोगिता का हुआ समापन, विधायक विवेक पटेल ने किया पुरुस्कृत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिठली में दो दिवसीय पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ की २० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था। जहां फाइनल कौलीवाड़ी की बिजली नंदी बैल जोड़ी प्रथम,द्वितीय राजा चमचम बरघाट व तृतीय स्थान पर ललित लिल्हारे

खैरी की काम्याभोला की जोडी रही। जिन्हें विधायक पटेल के हस्ते २१ हजार रुपए,१६ हजार रूपये और १४ हजार रुपयों की नगद राशि से सम्मानित किया गया। इस दौरान सरपंच फ ागुलाल मरठे,अंकित बिसेन,देवाजी भगत,सत्तू बिसेन,संदेश बिसेन,दमनसिंह राहंगडाले,क्रांति बिसेन, प्रतीक पटले, अभिषेक बिसेन, तेज प्रताप बिसेन,किशोर चौधरी, दीनदयाल भगत,भोजेंद्र बिसेन सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा की पट प्रतियोगिता हमारी संस्कृति को उजागर करती है। इसके लिए किसान अपने पशुओं की अच्छी देखभाल करते हैं ,बालाघाट सहित आसपास के जिलों में कृषि कार्य खत्म होने के बाद पट प्रतियोगिता का आयोजन का प्रचलन है। ऐसे में किसान पट प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं ,जिसमें दूर.दूर से शौकीन किसान अपने बैलों को पेश करते है। यह पट प्रतियोगिता बेहद पुरानी परम्परा है इसमें किसान अपनी खरीफ की फसल का काम करके मनोरंजन के तौर पर इस प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। इसमें किसान अपने बैलों को तैयार करते हैं इस तरह की प्रतियोगिता लगभग हर गांव में होती है, साथ में इसमें किसान भाई आपस में मिलते है और भाईचारा बना रहता है। पट में जोड़ी जीतती है तो सवार का बहुत बड़ा महत्व रहता है जो सवार अपना दान नहीं छोड़ता वो हमेशा जीतता है। पट हो या जीवन हो अपना स्थान नहीं छोडना चाहिए अनुशासन से लड़ना चाहिए। खेती के लिए टैक्टर आ गए है इसलिए खेती के लिए बैलो की कमी हो गई है। हम चाहते है कि किसान अपने पशुओं ना बचाए रखे हमारे गांव की शान पशु ही है।

चुमेश लिल्हारे जनपद पंचायत किरनापुर मे सांसद प्रतिनिधि नियुक्त

पद्मेश न्यूज।किरनापुर। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के द्वारा जनपद पंचायत किरनापुर में ग्राम पंचायत लवेरी निवासी चुमेश लिल्हारे पिता स्व.श्री तुकाराम लिल्हारे को बतौर अपना प्रतिनिधि मनोनित किया है। जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सांसद प्रतिनिधि के रूप में चुमेश लिल्हारे की नियुक्ति की गई है। चुमेश लिल्हारे अब किरनापुर जनपद पंचायत क्षेत्र में सांसद प्रतिनिधि के रूप में कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर किरनापुर के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है। बतादे कि सांसद प्रतिनिधि के रूप में वे जनता की समस्याओं को सीधे सांसद तक पहुँचाने, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनपद पंचायत के विकास कार्यों की निगरानी में अहम भूमिका निभाएंगे। चुमेश लिल्हारे ने अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता और सांसद श्रीमती भारती पारधी जी के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और सांसद के मार्गदर्शन में नगर के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे। चुमेश लिल्हारे के सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किए जाने पर लांजी किरनापुर विधायक राजकुमार करांहे, जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, जनपद उपाध्यक्ष भुवन भाऊ राहंगडाले, भाजपा मण्डल अध्यक्ष किरनापुर श्रीमती मीना नन्हे बहेकार, भाजपा मण्डल अध्यक्ष माटे भिकुराम मात्रे एवं समस्त वरिष्ठ कार्यकर्ताओं , जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए श्री चुमेश लिल्हारे को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर फसलक्षति की सूची लगाने के आदेश

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

10 नवम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, श्रीश प्यासी, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

फसल क्षति वाले किसानो की सूची ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर होगी चस्पा

बैठक में सर्वप्रथम अतिवृष्टि एवं कीट व्याधि के कारण धान फसल को हुई क्षति के सर्वे पर चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि फसल क्षति सर्वे की रिपोर्ट शीघ्र जिला कार्यालय को प्रस्तुत करें। आरबीसी 06-04 के नियमों के अनुसार जिन किसान को 25 प्रतिशत से अधिक क्षति पहुंची है उन्हें मुआवजा देने के प्रकरण तैयार किये जाए। 03 दिनों के भीतर फसल क्षति में मुआवजा के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिये गए। सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि फसल क्षति वाले किसानो की सूची ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर चस्पा की जाए और ग्रामीणो के समक्ष पढ़कर सुनाई जाए।

टेल एरिया वाले क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने कारगर उपाय किये जाए

बैठक में जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग एवं एमपीईबी के अधिकारियों को संयुक्त रूप से नहरों के टेल एरियॉ में पानी नही पहुंचने वाले ग्रामों की सूची शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। इन अधिकारियों से कहा गया कि टेल एरिया के क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने कारगर उपाय करें। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नहरों की सफाई का कार्य नहरों में पानी छोड़ने से पहले किया जाए। ढूटी नहर की बरबसपुर एवं चिल?लौद पुलियॉ की शीघ्रता से मरम्मत व सुधार करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बरबसपुर एवं चिल्लौद की नहर पुलियॉ से भारी वाहनों का आवागमन न होने दे।

फौती नामांकन के प्रकरणों में तत्परता के साथ कार्यवाही करे

बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। पोर्टल पर फौती नामांकन के प्रकरण बड़ी संख्या में निराकरण के लिए लंबित दिखाई दे रहे है। इन प्रकरणो का शीघ्रता से निराकरण कराए। गांव में बी-1 वाचन के बाद जिन लोगो के मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए है उनकी फौती नामांकन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया गया कि आहार अनुदान योजना के लाभ से वंचित रह गए पात्र लोगो को इस योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के आवास सहायता के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि आवास सहायता का कोई भी प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए।

मेडिकल स्टोर्स में फार्मासिस्ट न होने पर मेडिकल सील करने की होगी कार्यवाही

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि प्रसूति सहायता के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। प्रसूति सहायता का कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित नही रहना चाहिए। बैठक में निर्देशित किया गया कि ड्रग इंस्पेक्टर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं नायब तहसीलदार का दल मेडिकल स्टोर्स का नियमित रूप से निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि मेडिकल स्टोर्स से दवा का विक्रय फार्मासिस्ट द्वारा ही होना चाहिए। जिन मेडिकल स्टोर्स में फार्मासिस्ट न हो उन मेडिकल स्टोर्स को सील करने की कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ईट-राईट कैम्पेन के अंतर्गत खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं गुणवत्ता के मापदण्डो का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराए। जिन प्रतिष्ठानों में स्वच्छता न हो और गंदगी पायी जाए उनको सील करने की कार्यवाही करने कहा गया। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को उनके अधीन सभी छात्रावासो को फुड लायसेंस दिलाने के निर्देश दिये गए।

संबल योजना के लंबित प्रकरणो का शीघ्र निराकरण करें

बैठक में जिला श्रम पदाधिकारी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता के लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कराए। अनुग्रह सहायता के प्रकरण अनावश्यक लंबित नही रहना चाहिए अन्यथा जिम्मेदार व्यक्ति के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को निर्देशित किया गया कि जिले की सभी शालाओं में शिक्षको की शत प्रतिशत ई-अटेंडेंस लगाना सुनिश्चित करें। जिन शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस नही लगायी जा रही है उनका वेतन काटने की कार्यवाही की जाए। ई-अटेंडेंस नही लगाने वाले शिक्षको को अब नोटिस न देकर सीधे वेतन काटने की कार्यवाही करना है।

वन पट्टो के लंबित आवेदनो का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश

बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक वन पट्टे एवं व्यक्तिगत वन पट्टो के लंबित आवेदनो का शीघ्रता से निराकरण कराने के निर्देश दिये गए। वन अधिकार पट्टा के प्रकरणों में वन विभाग के अधिकारियों द्वारा संतोषजनक कार्य नही किये जाने पर नाराजगी जाहिर की गई। अपर कलेक्टर से कहा गया कि अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करें और पद उपलब्ध होने पर पात्र आवेदकों की नियुक्ति की कार्यवाही करें। शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नगरीय क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास के लक्ष्य के अनुरूप नये आवास स्वीकृत करें और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण वितरण के लक्ष्य को समय पर पूर्ण करें।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में संतुष्टि के साथ निराकरण होना अनिवार्य

बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करें। शिकायतकर्ता से चर्चा के बाद शिकायत का संतुष्टि के साथ निराकरण होना चाहिए। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि कोसमी से देवटोला सड़क का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करायें और इसके लिए देवटोला में नहर के पास सड़क निर्माण के लिए जल संसाधन विभाग के अधिकारी के साथ समन्वय करें।

जिला अस्पताल के वाहन पार्किंग स्थल से मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल परिसर स्थित पार्किंग स्थल से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। 8 एवं 10 दिसंबर की दरमियान चोरी गई,, मोटरसाइकिल होंडा एसपी 120 की कीमत 1 लाख 25 हजार रुपये बताई गई है। देवेंद्र मर्सकोले ने मोटरसाइकिल चोरी करने की रिपोर्ट कोतवाली में की है और उनके द्वारा नगर में मोटरसाइकिल की तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवेंद्र मर्सकोले 36 वर्ष सुभाष नगर बूढ़ी बालाघाट निवासी है। और वे महिला एवं बाल विकास विभाग लांजी में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ है और हाल ही में हुए जिला महिला बाल विकास विभाग बालाघाट में अटैच है। 8 नवंबर को 3:30 बजे करीब देवेंद्र मार्स को ले अपनी मोटरसाइकिल जिला अस्पताल परिसर स्थित पार्किंग स्थल के सेड के नीचे खड़ी करके बस में अपने ससुराल सिवनी चले गए थे। 10 नवंबर को 1:00 बजे करीब देवेंद्र मर्सकोले सिवनी से बस में बालाघाट पहुंचे और अपनी मोटरसाइकिल लेने के लिए जिला अस्पताल परिसर स्थित वाहन पार्किंग स्थल पहुंचे। देखे वहा पर उनकी मोटरसाइकिल खड़ी नहीं थी। जिला अस्पताल परिसर में काफी खोजबीन करने के बावजूद भी देवेंद्र मर्सकोले को उनकी मोटरसाइकिल नहीं मिली। मोटरसाइकिल होंडा एसपी 120-एमपी 50 एमबी 5780 की कीमत 1 लाख 25 हजार रुपये बताई गई है। देवेंद्र मर्सकोले ने जिला अस्पताल के पार्किंग स्थल से मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट कोतवाली में की है और उनके द्वारा मोटरसाइकिल की खोजबीन की जा रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

'पापा की परी को नैतिकता का भी पाठ पढ़ना चाहिये!!'

पूर्व मंत्री बिसेन को बताया मुख्य साजिशकर्ता, बीजेपी जिलाध्यक्ष कावरे पर भी साधा निशाना, कहा- मेरी छवि धूमिल हुई, डीएफओ नेहा श्रीवास्तव पर करूंगी मानहानि का दवा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

बाघ के शिकार वाले मामले में वन विभाग डीएफओ श्रीमती नेहा श्रीवास्तव द्वारा विधायक अनुभा मुंजारे पर लगाए गए लेनदेन के आरोप, विभाग की जांच में मिथ्या पाए गए हैं ।जिसके आधार पर हाल ही में विभागीय टीम द्वारा विधायक श्रीमती मुंजारे को क्लीन चिट दी गई है ।मामले में क्लीन चिट मिलने पर विधायक मुंजारे ने सोमवार की दोपहर अपने सरकारी आवास पर एक पत्रकारवार्ता का आयोजन कर, इस पूरे मुद्दे पर अपने विचार रखें। जिसमें उन्होंने, उन्हें मिली इस क्लीन चिट को सत्य की जीत बताया, तो वहीं उन्होंने इसे एक सोची समझी साजिश बताते हुए पूर्व मंत्री गौरी शंकर बसेन, उनकी सुपुत्री एवं अल्पसंख्यक आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखडे और भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर नानो कावरे पर भी शब्दों के कई बाण चलाएं है। इतना ही नहीं विधायक ने आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखडे को पापा की उड़ने वाली परी कहकर संबोधित करते हुए, उन्हें नैतिकता सीखने की भी सलाह दी है। इस दौरान विधायक श्रीमती मुंजारे बाघ की मौत वाले मामले में पर्दा डालने के लिए, साजिश रचने, और उनकी छवि को जनता के सामने धूमिल करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन को इसका मुख्य सूत्रधार व षड्यंत्रकर्ता बताया है। तो वहीं उन्होंने 3 से 4 पेटी रकम मांगने का आरोप लगाने वाली डीएफओ श्रीमती नेहा श्रीवास्तव पर मानहानि का मुकदमा किए जाने की बात कही है।

पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन ने लिखी थी साजिश की पटकथा

विधायक श्रीमती मुंजारे ने बताया कि डीएफओ नेहा श्रीवास्तव ने 18 अगस्त को उनपर आरोप लगाया था कि16 अगस्त को फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में उनसे मुलाकात के दौरान कुछ 3 से 4 पेटी रुपयों की मांग की थी ।इस झूठे आरोप को आधार बनाकर बीजेपी ने सड़क पर उतरकर खूब हो हल्ला मचाया था ।वही डीएफओ की शिकायत के बाद शासन ने वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराई थी ।जांच के दौरान आरोपों को आधारहीन पाया गया और मुझे क्लीन चिट मिल गई, इस तरह मुझे इस मामले में न्याय मिला है ।लेकिन मैं बता दु की इस पूरे झूठे आरोप और षड्यंत्र की पटकथा पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन ने लिखी थी। विभागीय टीम ने जांच के दौरान रसोईया, ड्राइवर, पीएसओ, सुरक्षाकर्मी यहां तक की मेरे साथ गए ठेकेदार अबु शाह तक के बयान लिए थे, एक एक बातों व मुद्दों पर गहन जांच कर क्लीन चिट दी गई है। इस मुद्दे पर स्थानीय बीजेपी के नेताओ ने मेरी छबी को गिराने का काम किया है ।उन्होंने बताया कि किसी भी जनप्रतिनिधि को क्षेत्र के विकास की चिंता लगी रहती है इसीलिए हम विभिन्न मुद्दों को लेकर डीएफओ नगर पालिका अधिकारी, डीईओ आदि अधिकारियों से मुलाकात करते रहते हैं, उन्हें समस्याओं से अवगत कराया जाता है, यह हर जनप्रतिनिधि का काम है लेकिन इसी मुलाकात को एक साजिश के तहत झूठे आरोपों में बदल दिया गया और इसकी पटकथा गौरी शंकर बिसेन ने स्वयं लिखी थी यह लोग मुझे 30-35 वर्षों से बदनाम करने में लगे हैं।

अनुभा मुंजारे आक्रोश में दिखीं

सड़क पर उतरकर मुझे टारगेट कर अभद्र भाषा का उपयोग किया गया

उन्होंने आगे बताया कि श्रीमती मौसम हरिनखडे सबसे पहले इस मुद्दे पर सामने आई, उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग कर उल्टा सीधा कहा, नेहा श्रीवास्तव ने मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया था उसकी स्क्रिप्ट पर्दे के पीछे गौरी शंकर बिसेन ने लिखी थी, वे चुनाव मुझसे बुरी तरह हारे थे ।उसी को लेकर मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे है ।यह इतिहास में पहली बार हुआ है कि भाजपा का अध्यक्ष सड़क पर उतरकर एक विधायक के खिलाफ प्रदर्शन किया है मुंजारे परिवार को टारगेट किया गया है अभद्र भाषा का उपयोग किया गया है और भ्रष्ट डीएफओ को बहन बताकर उसका माहिमामंडल किया गया है। लेकिन अब मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप झूठे और बे बुनियाद साबित हुए हैं ।तो क्या ये लोग उसी चौक में खड़े होकर मुंजारे परिवार से माफी मांगेंगे ।उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

पापा की परी को हवा में उड़ने के पहले नैतिकता सीखनी चाहिए

श्रीमती मुंजारे ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी सामाजिक अधिकार, नैतिकता की बात करती है जबकि यह लोग खुद नैतिकता पर नहीं चलते। इन लोगों ने इस मुद्दे पर सड़क पर उतरकर तमाशा बनाया ।मेरी छवि को तरह-तरह से धूमिल करने का काम उनके द्वारा किया जा रहा है। यह घटनाक्रम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है,उन्होंने मौसम हरिनखडे पर निशाना साधते हुए कहा कि मौसम बोल रही थी कि अनुभा के पैसे मांगने से जुड़े ऑडियो वीडियो भी उनके पास में है, तो दिखाई क्यों नहीं। मौसम अपने आप से मेरी तुलना नहीं ना करें, ना तो वह मेरी उम्र के समकक्ष है और ना ही चुनाव में मेरी बराबरी कर सकती है ।डीएफओ अधर गुप्ता के खिलाफ 170 पेज की चार सीट दर्ज हुई है उन्हें महान बताने की कोशिश मौसम ने की है। मौसम ने अपने दायरे में रहना चाहिए, वो बड़बोली है, उन्हें बड़ों का सम्मान करना नहीं आता, कुछ भी उटपटांग बोलती रहती हैं, मेरे और मेरे पति के बारे में भी उल्टी सीधी बातें मंच के माध्यम से कही गई है,मेरी सलाह है कि मौसम पापा की परी बनकर आसमान में ना उड़े, उन्हें नैतिकता का पाठ पढ़ना चाहिए, उन्हें लोगों का सम्मान करना, लोगों के आगे झुकना सीखना चाहिए, मौसम को मेरी सलाह है कि ऊंचा उड़ाना है तो लोगों से विनम्रता और तरीके से बात करना सीख ले।

डीएफओ पर करूंगी मानहानि का दवा

श्रीमती मुंजारे ने बताया कि उन्होंने भोपाल में विधि वक्ताओं से बात की है, क्लीन चिट मिलने के बाद अब इस मामले को लेकर मैं हाई कोर्ट जाऊंगी,डीएफओ नेहा श्रीवास्तव पर मानहानि का दावा करुंगी। क्योंकि मैं ईमानदार हूं ,बावजूद इसके भी मुझ पर झूठे आरोप लगाए गए, मुझे मानसिक रूप से परेशान किया गया। उन्होंने बताया कि अब तक क्लीन चिट मिलने के दस्तावेज हमारे पास नहीं आए हैं लेकिन यह साफ हो चुका है कि मुझ पर लगाए गए आरोप झूठे थे मैं इस मुद्दे को लेकर सदन में भी आवाज उठाऊंगी।

तंदूरी नाईट रेस्टारेंट का लायसेंस निलंबित कर बंद किया

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने होटलों एवं रेस्टारेंट पर की छापामार कार्यवाही

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । आम जनता को मिलावट रहित स्वच्छ एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर होटलों एवं रेस्टारेंट की जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे जा रहे है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में 10 नवंबर 2025 को बालाघाट नगर में स्थित विभिन्न होटलों एवं रेस्टोरेंटों पर छापामार कार्यवाही की गई।

नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया वाजिद मोहिब व योगेश डोंगरे तथा पटवारी श्री बिसेन के संयुक्त दल द्वारा की जांच की गई। इस कार्यवाही में पिंटू का ढाबा मे लाइसेंस पाया गया एवं साफ स्वच्छता ठीक पाई गई। गुरुद्वारे के सामने स्थित तंदूरी नाइट रेस्टोरेंट की जांच के दौरान किचन में गंदगी पायी गई, फर्श भी टूटा हुआ पाया गया, रेस्टारेंट में यहां वहां गंदगी फैली थी और सफाई का अभाव था। इस रेस्टारेंट में गंदे बर्तनों में भोजन निर्माण किया जाना पाया गया। जिस पर टीम द्वारा मौके पर ही रेस्टारेंट का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। और इस रेस्टारेंट को आगामी आदेश तक के लिए बंद कराया गया है। रेस्टारेंट के संचालक के विरूद्ध साफ स्वच्छता में कमी के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 56 के अंतर्गत प्रकरण तैयार किया गया है और कार्यवाही के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

अधिकारियों के दल द्वारा हनुमान चौक स्थित शेरे पंजाब रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया जिसमें लाइसेंस वैध पाया गया एवं किचन में भी साफ स्वच्छता उचित पायी गई। हनुमान चौक स्थित और सिप एंड बाइट रेस्टोरेंट के निरीक्षण के दौरान किचन की जांच की गई जिसमें आंशिक त्रुटि पाई गई जिसे मौके पर ही सुधार कराया गया। इसका लाइसेंस भी वैध पाया गया है। गोंदिया रोड स्थित रेड ऑक रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया जिसके पास खाद्य लाइसेंस पाया गया लेकिन किचन का फर्श टूटा हुआ पाया गया एवं टाइल्स की कमी पायी गई। जिस पर संचालक को सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिले के नगरीय क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी खाद्य सामग्री तैयार करने वाले एवं विक्रय करने वाले होटल रेस्टारेंट की निरंतर जांच की जा रही है। उन्होंने होटल एवं रेस्टारेंट संचालकों एवं किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री विक्रय करने वालो को निर्देशित किया है कि बिना लायसेंस के खाद्य सामग्री का विक्रय न करे और स्वच्छता का कड़ाई से पालन करें। होटल एवं रेस्टारेंट में किसी भी प्रकार की गंदगी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पत्नी के चरित्र पर शक कर घर में बंद कर बेरहमी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उसे घर के अंदर बंद कर हाथ बुक्के और डंडे से बेरहमीपूर्वक मारपीट कर घायल कर दिया। यह घटना जिले के बिरसा थाना क्षेत्र की है ।बिरसा पुलिस ने इस 25 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति वासुदेव उर्फ शुभम पिता बलवंत भाषत 28 वर्ष के विरुद्ध इस महिला को घर में बंद कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जान शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह महिला घरेलू काम करती है। 2019 में इस महिला की शादी वासुदेव उर्फ शुभम के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिनके पांच और चार वर्ष के दो बच्चे हैं। बताया गया की 6 माह पहले इस महिला के पति ने वासुदेव उर्फ शुभम ने ग्राम छाठा जिला डिंडोरी से एक लड़की को भगाकर अपने घर लेकर आया है। इसके बाद वासुदेव उसे शुभम अपनी पत्नी इस महिला के साथ लड़ाई झगड़ा करते रहता था। जिससे परेशान होकर के यह महिला माह अप्रैल में अपने मायके चली गई थी। दीपावली के समय यह महिला अपने बच्चों से मिलने अपने ससुराल आई थी और अपने पति बच्चों के साथ में रहने लगी थी। 3 नवंबर 2025 को बी एड में एडमिशन का फॉर्म भरने के लिए यह महिला अपने पति वासुदेव उर्स शुभम को बताकर रायपुर गई थी। इसके बाद इस महिला को ढूंढते हुए उसका पति वासुदेव उर्फ शुभम रायपुर आया और महिला को रायपुर से घर लेकर आया और बोलने लगा था कि वह किसी के साथ भाग गई थी यह कहकर वासुदेव उर्फ शुभम इस महिला के साथ लड़ाई झगड़ा करने लगा था।8 नवंबर की रात्रि 2 बजे इस महिला को उसका पति वासुदेव उर्फ शुभम ने खेत के घर में ले जाकर बंद कर दिया और उसे अश्लील गालियां देते हुए हाथ बुक्के डंडे से जमीन पर पटक कर बेरहमीपूर्वक मारपीट किया। मारपीट करने से इस महिला के हाथ पैर घुटने आंख सहित अन्य अंग और अंदरुनी चोटे आई खून निकलने लगा था। यह महिला घायल हो गई थी मारपीट करने के बाद वासुदेव उर्फ शुभम ने इस महिला को रिपोर्ट करने जाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। डर के कारण रात्रि में यह महिला गांव में ही अपने मामा ससुर के यहा रुकी और अपने मायके वालों को फोन करके घटना के संबंध में बताई। 10 नवंबर को यह महिला अपने मायके वालों के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंची। इस प्रकार वासुदेव उर्फ शुभम अपनी पत्नी को दूसरे लड़के के साथ अवैध संबंध होने का शक कर उसे शारीरिक एवं मासिक रूप से प्रताड़ित करते आ रहा था। बिरसा पुलिस ने इस 25 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति वासुदेव उर्फ शुभम भाषन्त के विरुद्ध महिला को शारिरिक एवं मानसिक प्रताड़ित कर उसे घर में बंद कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

कोदो कुटकी के समर्थन मूल्य पर उपार्जन पंजीयन की तिथि 15 नवम्बर तक बढ़ी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश राज्य में मोटे अनाज मिलेट के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार ने पहली बार 16 जिलों में समर्थन मूल्य पर कोदो एवं कुटकी की खरीदी करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए किसानो के पंजीयन की अंतिम तिथि 09 नवम्बर निर्धारित की गई थी, अब इस तिथि को बढ़ाकर 15 नवम्बर कर दिया गया है। बालाघाट जिले के कोदो एवं कुटकी लगाने वाले किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर विक्रय करने के लिए 15 नवंबर तक पंजीयन करा सकते हैं। शासन द्वारा कोदो एवं कुटकी की खरीदी के दौरान समर्थन पर प्रति क्विंटल एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।

स्कूली ऑटो और वाहनों पर हुई ताबड़तोड़ कार्यवाही

हादसे के बाद जागा प्रशासन ? यातायात पुलिस ने शुरू किया स्कूली वाहन चेकिंग अभियान

17 स्कूली ऑटो व वैन पर की चालानी कार्यवाही, 13,600 रु का वसूला जुर्माना

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। नगर में ज्यादातर ऐसे आटो चलाक है जिनके पास न तो फिटनेस है न बीमा है और न ही परमिट। जो वाहन के जर्जर होने के बाद भी क्षमता से अधिक सवारियों को ढोने का कार्य कर यात्रियों व स्कूली बच्चों की जान को जोखिम में डालकर वाहन चला रहे हैं ।नगर में ज्यादातर ऑटो चालक, ऑटो में क्षमता से अधिक सवारी बिठाकर लंबी दूरी तक यात्रियों व स्कूली बच्चों को पहुंचाने का कार्य करते है ।बावजूद इसके भी अब तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी। लेकिन पिछले दिनों शनिवार को नगर में हुए एक हादसे के बाद, हर बार की तरह इस बार भी शायद पुलिस प्रशासन जाग चुका है और उन्होंने ऐसे ऑटो चालकों व स्कूल बच्चों को लाने ले जाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है ।जिसका एक नजारा सोमवार को नगर के अंबेडकर चौक में देखने को मिला। जहां यातायात और कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए स्कूली बच्चों को बैठाकर स्कूल लाने ले जाने वाले ऑटो और स्कूल वैन सहित अन्य वाहनों को रोककर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने करीब 17 वहां चालकों पर जुर्माने की कार्यवाही कर, करीब 13,600 रु का राजस्व वसूल किया है। तो वही स्कूली बच्चों को ढोने वाले ऑटो चालकों और स्कूली वैन चालको के खिलाफ, आगे भी यहां कार्यवाही जारी रखने की बात कही गई है।

हादसा नही होता, तो क्या नही जागता विभाग ?

आपको बताएं कि शनिवार को नगर के अंबेडकर चौक में ही ऑटो पलटने से एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए थे ।इस हादसे के बाद ऐसे ऑटो चालकों व वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्यवाही शुरू कर दी है। या कहे कि हादसे के बाद अब प्रशासन जाग गया है और नियम विरुद्ध ऑटो व स्कूली वाहनों का संचालन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है ।सवाल ये है कि यदि शनिवार को ऑटो सड़क पर नही पलटता और उस सड़क हादसे में 1 दर्जन से अधिक स्कूली बच्चे घायल नही होते शायद आटो चालको पर कार्यवाही भी नही की जाती और नगर में ऑटो चालको और स्कूल वैन चालकों की मनमानी यूं ही चलते रहती।

हर बार हादसे के बाद ही होती है कार्यवाही

आपको बताए कि यहां पहली बार नही हुआ है कि हादसों के बाद प्रशासन जागा हो बल्कि हर बार हादसों के बाद ही प्रशासन जागता है और नियम विरुद्ध चलने वाले स्कुली ऑटो, वैन व सवारी वाहनो पर कार्यवाही की जाती है। इसके पूर्व सड़क हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुली थी ।जहा हादसे के बाद ही कुछ इसी तरह की कार्यवाही शुरू की गई थी जो चार दिन की चांदनी और फिर अंधेरी रात वाली कहावत बनकर रह गई थी ।अब देखना या दिलचस्प रहेगा की पुलिस द्वारा शुरू की गई यह कार्यवाही कितने दिनों तक चलती है।

चेकिंग अभियान में तरह-तहर की मिली खामियां

यातायात पुलिस ने ऐसे ऑटो या वैन चालकों के खिलाफ चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है जो अत्यधिक मात्रा में बच्चों को भरकर स्कूल लाने ले जाने का काम करते हैं। या उन वाहन चालकों के पास वाहनों का फिटनेस, बीमा, लाइसेंस ,परमिट सहित अन्य दस्तावेज नहीं है। जिन्हें पकड़कर यातायात पुलिस द्वारा उनके खिलाफ चालानी कार्यवाही की जा रही है ।बताया जा रहा है कि जिन स्कूली वाहनों में यह कार्रवाई की गई है उन वाहन चालकों में से किसी के पास बीमा, फिटनेस या वाहन चलाने का लाइसेंस नहीं था। तो कोई क्षमता से अधिक बच्चे भरकर उन बच्चों को स्कूल लाने ले जाने का कार्य कर रहा था। जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही कर उनसे करीब 17,600 रु का जुर्माना वसूल किया है। वही ओवरलोड वाहन ना चलाने ,कागजात कंप्लीट रखने ,बीमा ,फिटनेस लाइसेंस के साथ वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी है।

कार्यवाही से बचने तरह-तरह के बहाने बनाते नजर आए ऑटो व वाहन चालक

इस वाहन चेकिंग के दौरान वैन और ऑटो के चालकों ने यातायात पुलिस की इस कार्यवाही से बचने के लिए तरह-तरह के बहाने बताएं। वाहन चालकों ने पुलिस को बताया कि उनके पास जो दस्तावेज कम है ,वे दस्तावेज बनाने बनाने के लिए उन्होंने आरटीओ कार्यालय में आवेदन दिया है। लेकिन आरटीओ कार्यालय से दस्तावेज नहीं बन पा रहे हैं। जिसके चलते उनके पास उक्त दस्तावेज नहीं हैं। तो कोई कभी-कभी बच्चों को लाने ले जाने की बात कहते हुए कार्यवाही से बचने का बहाना बनाते नजर आया, तो कोई घर पर दस्तावेज रखे हैं या दस्तावेज बनाने दिए हैं कहकर अपने आप को बचाता हुआ नजर आया। लेकिन पुलिस ने किसी की एक न सुनी और सब पर चालानी कार्यवाही कर जुर्माना वसूल लिया।

उधर अन्य मार्गों में क्षमता से अधिक सवारी भरकर दौड़ते रहे ऑटो

एक ओर नगर के अंबेडकर चौक में यातायात और कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से स्कूल वैन और ऑटो में भरकर स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का काम करने वाले ऑटो चालकों के खिलाफ कार्यवाही कर जुर्माना वसूला जा रहा था, तो उधर बस स्टैंड, काली पुतली चौक, बैहर रोड़, और रेलवे स्टेशन मार्ग सहित अन्य जगहों पर ऑटो चालक क्षमता से अधिक सवारी भरकर विभिन्न मार्गों पर ऑटो दौड़ते हुए नजर आए। जिन पर पुलिस कर्मियों का ध्यान नहीं गया और वह पूर्व की भांति बेखौफ होकर नियम विरुद्ध ऑटो का संचालन करते हुए दिखाई दिए।

तो वाहन जप्त करने की कार्यवाही की जाएगी - रहांगडाले

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने बताया कि आज नियम विरुद्ध सड़को पर दौड़ रहे 17 स्कूली वैन और ऑटो चालको को पकड़कर 13600 रु का जुर्माना वसूला गया है। वहीं उन्हें निर्देशित किया गया है कि वहां कागज कंप्लीट रखें, ओवरलोडेड वाहन ना चलाएं ,यातायात नियमों का पालन करें। यदि वह दोबारा ऐसी गलती करते हैं तो उन्हें तो उनके वाहन जप्त कर न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी ।वहीं उन वाहन चालकों के लाइसेंस भी निरस्त किए जाएंगे।

मोटरसाइकिल-ऑटो आपस मे भिड़ी, एक युवक गंभीर

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। थाना हट्टा अंतर्गत ग्राम सालेटेका और पिपरझरी के बीच बीती रात मोटरसाइकिल और ऑटो आपस में टकरा गई। इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घायल युवक राकेश खंगरे पिता मोतीलाल खंगरे 22 वर्ष ग्राम पिपरझरी थाना हट्टा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 नवंबर की रात राकेश खंगरे मोटरसाइकिल में सालेटेका की ओर से अपने घर पिपरझरी जा रहा था और ऑटो पिपरझरी से सालेटेका की ओर आ रही थी। तभी पिपरझरी और सालेटेका के बीच मोटरसाइकिल और ऑटो आपस में टकरा गए इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक राकेश खंगरे मोटरसाइकिल सहित गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया ।जिसे सिर और पैर में गंभीर चोटें आई थी। दुर्घटना के बाद यह युवक घायल हालत में रोड किनारे पड़ा हुआ था ।सूचना मिलते ही डायल 112 की एफआरबी टीम तुरन्त मौके पर पहुंची और घायल युवक को प्राथमिक उपचार देने के बाद डायल 112 से। ही इस घायल युवक राकेश खंगरे को तुरंत जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल इस युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में ऑटो चालक को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। इस सड़क दुर्घटना की जांच हट्टा पुलिस द्वारा की जा रही है।

पीएमश्री हाई स्कूल के निर्माणाधीन भवन से गिरकर मजदूर की हुई मृत्यु

ठेकेदार की लापरवाही से हुआ हादसा, सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर ठेकेदार करवा रहा था कार्य

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बकोड़ा में करोड़ों रूपयों की लागत से पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल के नवीन भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन इस निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा सुरक्षा के मापदण्डों को दरकिनार कर कार्य करवाया जा रहा है। निर्माणाधीन भवन में काम करते समय स'जा से नीचे गिरने से एक मजदूर की सोमवार को मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं निर्माणाधीन भवन में काम करते समय मजदूर की मौत हो जाने के बाद परिजन एवं ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त था और ठेकेदार पर कार्यवाही एवं मुआवजा दिये जाने की मांग कर रहे थे, लेकिन ठेकेदार के द्वारा इस मामले को गंभीरता से नही लिया जा रहा था। जिसके बाद सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर सहित अन्य ग्रामीणजनों ने ठेकेदार से संपर्क किया कि भवन में निर्माण करते समय मजदूर की मौत हुई है और सुरक्षा के मापदण्डों को दरकिनार कर कार्य करवाया जा रहा था, ग्रामीणजन आक्रोशित है। वहीं शाम तक ठेकेदार के अस्पताल नही आने पर परिजन व ग्रामीण शव को लेकर थाना पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने वाले थे। जिसकी जानकारी लगते ही ठेकेदार अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर आश्वास्त किया है कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जायेगा, जिसके बाद ग्रामीणजन व परिजनों का आक्रोश शांत हुआ। वहीं लालबर्रा क्षेत्र में अन्य स्थानों पर शासकीय एवं अर्ध्द शासकीय निर्माणाधीन भवनों में भी सुरक्षा के मापदण्डों को दरकिनार कर कार्य करवाया जा रहा है। प्रशासन को संबंधित ठेकेदार को मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर कार्य करवाने निर्देशित किया जाना चाहिए ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनर्रावृत्ति न हो सके।

निर्माणाधीन भवन में पहली बार काम करने गया था मृतक

प्राप्त जानकारी के अनुसार बकोड़ा में करोड़ों रूपयों की लागत से पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल का नवीन भवन का निर्माण कार्य जारी है। इस निर्माणाधीन भवन में सोमवार को पहली बार बकोड़ा निवासी 30 वर्षीय लाकेश दांदरे मजदूरी कार्य करने गया था और मिस्त्री एवं अन्य मजदूरों के साथ काम कर रहा था। तभी दोपहर 12 बजे के बाद निर्माणाधीन भवन के सज्जा से अनियंत्रित होकर सीधे फर्श में नीचे गिर गया और सिर में अधिक चोट लगने से वह बेसुध हो गया। जिसके बाद भवन में काम करने वाले अन्य मजदूरों ने घायल मजदूर लाकेश को लेकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं पुलिस को बकोड़ा के पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल के निर्माणाधीन भवन में काम करते समय मजदूर के गिरने से मौत हो जाने की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक विजय बिसेन पुलिसबल के साथ अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। वहीं मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने ठेकेदार की लापरवाही के कारण उक्त हादसा घटित होने का आरोप लगाया है क्योंकि ठेकेदार के द्वारा सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर बिना सुरक्षा के मिस्त्री एवं मजदूरों से काम करवाया जा रहा था। जबकि भवन निर्माण में मजदूरों व मिस्त्री को सुरक्षा के सामग्री दिया जाना चाहिए। अगर मजदूर लाकेश सिर में हेड (टोपी) पहना होता तो उसके सिर में गंभीर चोटे नही आती और उसकी जान बच सकती थी किन्तु सिर की सुरक्षा के लिए उन्होने हेड नही पहना था इसलिए सिर में अधिक चोट लगने से उसकी मौत हुई है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। बताया जा रहा है कि मृतक लाकेश दांदरे परिवार का मुखिया था, जिसके परिवार में पत्नि एवं दो छोटे-छोटे ब%चें है, मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था, जिसकी मृत्यु हो जाने से परिवार को जीविकापार्जन करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह दुःखद घटना है - श्रीराम

बकोड़ा सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि दोपहर में सूचना मिली थी कि पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भवन के निर्माण कार्य में मजदूरी कार्य करने गये मजदूर के नीचे गिरने से मौत हो गई है। जिसके बाद अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली गई तो पता चला कि वह पहली बार भवन में काम करने गया था, जिसके परिवार में दो छोटे-छोटे बच्चें एवं पत्नि है। उक्त हादसा निर्माण कंपनी के ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुआ है। उन्हे भवन में काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा हेतु टोपी (सिर में हेड) पहनने के लिए दिया जाना चाहिए, अगर मृतक सिर में हेड पहना होता तो उसकी जान नही जाती। श्री नागेश्वर ने बताया कि यह दुःखद घटना है जिससे पूरे ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है और मृतक परिवार का मुखिया था। जिसकी मृत्यु हो जाने से परिवार को जीविकापार्जन करने में परेशानी होगी इसलिए ठेकेदार से मांग है कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दे एवं पंचायत के माध्यम से भी शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

इनका कहना है-

अस्पताल से जानकारी मिली थी कि बकोड़ा के पीएमश्री शासकीय हाई स्कूल के भवन में काम करते समय मजदूर के गिरने से मौत हो गई है। अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

विजय बिसेन
सहायक उपनिरीक्षक
थाना - लालबर्रा।

बघोली में 'सोनहा बादर' लोक कलामंच छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली के स्कूल ग्राउंड में मेला महोत्सव समिति के तत्वाधान में कार्तिक पूर्णिमा के सप्तमी के अवसर पर 11 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला महोत्सव समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के सप्तमी पर 11 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से लोक सांस्कृतिक संस्था 'सोनहा बादर' चिटौद (गुरूर) जिला बालोद छत्तीसगढ़ का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक- गायिकाओं के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी जायेगी। आपकों बता दे कि सोनहा बादर को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सांगितिक आयोजन 2023 शिमला में प्रथम पुरस्कार, 2024 नेपाल में प्रथम पुरस्कार, 2025 गुवाहाटी में प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। बघोली में 11 नवंबर को मेले के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ व भारत के अधिकांश स्थानों पर लोककला मंच की प्रस्तुतियां दे चुकी है। वहीं गत 1 नवंबर को संपन्न हुए रा'योत्सव के बाद विश्व की सबसे बड़ा संगीत विश्वविद्यालय संगीत की नगरी खैरागढ़ में भी आयोजित होगा। कार्यक्रम के

संचालक, निर्देशक, गीतकार, संगीतकार - जितेन्द्र साहू, गायक जितेन्द्र साहू, रमन जैन, इन्द्रकुमार गंजीर, लुकेश्वर साहू, पुनीत मौहाल, गायिका - भावना सेन, जागृति साहू, काजल साहू सहित 50 सदस्यीय कलाकारों के द्वारा सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, नाचा, गम्मत सहित देशभक्ति गीतों पर अपनी पारंपरिक और जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की भव्य प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, सर्वसमाज अध्यक्ष मनीष रहांगडाले, मंडई समिति अध्यक्ष पन्नालाल बनवाले, उपाध्यक्ष खालिक खान, सचिव चैनलाल चौधरी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर सहित समस्त सर्वसमाज बघोली के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मानपुर में दिन-रात का मेला 12 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित माँ सतबहनी चौक में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति के तत्वाधान में 12 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति मानपुर के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के अष्टमी के अवसर पर 12 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से लोक सांस्कृतिक कला मंच मोर मया के संगवारी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक-गायिकाओं के द्वारा अपने साथी कलाकरों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील सार्वजनिक मेला उत्सव समिति मानपुर के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

तीर्थ यात्रा में जो भी तन, मन, धन से सहयोग देता है वह भगवान बनता है - मुनि श्री भावसागर जी महाराज

मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज का हुआ नगरागमन, धर्म सभा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश में महा समाधि धारक परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित एवं परम पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज का 10 नवंबर को सुबह श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर लालबर्रा में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर मंदिर के पदाधिकारी एवं जैन धर्मालंबियों के द्वारा दो मुनि श्री का जगह-जगह पाद प्रक्षालन (स्वागत) किया एवं आरती उतारी गई और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं वारासिवनी जैन समाज ने नगर आयोजित कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रण भी दिया। साथ ही श्री सम्मेद शिखर जी यात्रा के संयोजक श्री चंद्रशेखर आजाद सिवनी का स्वागत भी श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर लालबर्रा के द्वारा किया गया तत्पश्चात धर्म सभा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। वहीं धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री भाव सागर जी महाराज ने कहा कि 14 वर्ष बाद इस नगर में आना हुआ है यहां का मंदिर विश्व का अद्वितीय मंदिर होगा, पाषाण के मंदिर में दान देने वाले अनंत गुना पुण्य का अर्जन करते हैं।

तीर्थ यात्रा में जो भी तन, मन ,धन से सहयोग देता है वह भगवान बनता है। चर्चा में श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर लालबर्रा के पदाधिकारी प्रशांत जैन ने बताया कि मध्यप्रदेश में महा समाधि धारक परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित एवं परम पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज का 10 नवंबर को लालबर्रा में मंगल प्रवेश हुआ। जिनका जगह-जगह पाद प्रक्षालन किया गया एवं आरती उतारी गई। इस अवसर पर वारासिवनी जैन समाज ने नगर आयोजित कार्यक्रम में आने के लिए दो मुनि श्री को आमंत्रण भी दिया है। साथ ही यह भी बताया कि धर्मसभा का आयोजन किया गया जिसमें मुनि श्री भाव सागर जी महाराज ने प्रवचन देते हुए सभी को भगवान महावीर के बताये मार्ग एवं सत्य पर चलकर आगे बढ़ने की बात कही है। श्री जैन ने बताया कि मुनि संघ के चंद्रगिरि डोंगरगढ़, राजनंदगांव, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, बिलासपुर होते हुए श्री सम्मेद शिखर जी पहुंचेंगे लगभग 1008 किमी दूरी की अधिक यात्रा करते हुए। इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद, प्रशांत जैन, अजीत जैन, विनीत जैन, नितिन जैन सहित अन्य जैन धर्मालंबी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण

अस्पताल परिसर एवं अन्य स्थानों पर गंदगी दिखाई देने पर जताई नाराजगी, व्यवस्थाओं में सुधार के दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री जायसवाल ने अस्पताल की व्यवस्थाओं, दवाइयों के स्टॉक, ओपीडी, लेब, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं तथा दस्तावेजों की जांच की। साथ ही वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके इलाज संबंधी जानकारी ली। इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर एवं शौचालय सहित अन्य स्थानों पर गंदगी पाई जाने एवं कुछ दवाईयों की एक्सपायरी डेट नही होने के बाद भी उन्हे बाहर कर दिया गया था। जिसे देखकर एसडीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई पर विशेष ध्यान देने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिये और कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें। इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कुछ खामियां भी सामने आने पर चिकित्सक से उसमें सुधार करने कहा गया ताकि अस्पताल में

आने वाले मरीजों को अ' छी सुविधा मिल सके। वहीं नवीन भवन निर्माण को लेकर एसडीएम श्री जायसवाल ने कहा कि पब्लिक हेल्थ यूनिट का भवन बनकर तैयार हो चुका है जहां विभिन्न प्रकार की जांच की जा रही है और शासन से जैसे निर्देश मिलेगें उसके अनुसार नवीन भवन निर्माण हेतु प्रारंभ किये जायेगें। अस्पताल के निरीक्षण के दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के साथ नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के चिकित्सक एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

कमियों को दुर करने किया गया है निर्देशित - कार्तिकेय

एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने बताया कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सोमवार को निरीक्षण किया गया। जिसमें ओपीडी, लेब सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया गया जिसमें पाया गया कि दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। कुछ स्थानों पर गंदगी पाई गई तो नियमित रूप से साफ-सफाई कर स्व' छता पर विशेष ध्यान देने कहा गया है और नायब तहसीलदार को समय-समय पर अस्पताल का मॉनिटरिंग करने और स्व' छता व्यवस्था की निगरानी करने के निर्देश दिये गये है ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था अस्पताल में न रहे। श्री जायसवाल ने बताया कि पब्लिक हेल्थ यूनिट का भवन बनकर तैयार हो चुका है जहां विभिन्न प्रकार की जांच की जा रही है, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का नया भवन निर्माण की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी। जिसके पूर्व पुराने भवन के कुछ हिस्सों को डिस्मेंटल किया जायेगा, उन हिस्सों में निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। साथ ही यह भी बताया कि चिकित्सकों को अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने निर्देशित किया गया है और हमारा उद्देश्य है कि सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिले।

खमरिया क्षेत्र में धान कटाई कार्य युध्द स्तर पर जारी

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में गत दिवस हुई बे-मौसम बारिश के चलते किसानों की धान कटाई कार्य प्रभावित हो गई थी। जिसके बाद मौसम साफ होने के बाद किसानों के द्वारा धान कटाई का कार्य युध्द स्तर पर किया जा रहा है। वहीं खमरिया क्षेत्र में धान कटाई के साथ ही कुछ किसान थ्रेसर मशीन एवं हारवेस्टर से धान की कटाई एवं चुराई का कार्य साथ में ही कर रहे है एवं जिन किसानों के द्वारा कटाई कर लिया गया है उनके द्वारा उससे एकत्रित करने का कार्य कर रहे है जिसमें समय भी अधिक लगता है। वहीं किसी भी समय मौसम परिवर्तन होने के कारण तुअर की फसल में भी बीमारी लगने की संभावना बनी हुई है। जिसकी रोकथाम के लिए किसान कीटनाशक दवाई का छिड़काव करेगें ताकि तुअर की फसल का उत्पादन ले सके। किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में लगाई गई धान की फसल की कटाई एवं चुरने के बाद उसे समर्थन मूल्य में विक्रय करने की तैयारी में जुट चुके है। यह कार्य किसानों के द्वारा युध्द स्तर पर किया जा रहा है और इसी तरह मौसम साफ रहा तो समय रहते किसान धान की फसल की कटाई व चुराई कर फसल को सुरक्षित कर लेगें।

घोर लापरवाही और अधूरे निर्माण का सबब चंदन नदी पुल

रामपायली-बिठली को जोड़ने वाला बहुप्रतीक्षित पुल दो साल में आधा बन सका!!

पद्मेश न्यूज। रामपायली।

रामपायली और बिठली के बीच बनने वाला पुल का कार्य प्रगति पर है का बोर्ड लगाकर पूल निर्माण कंपनी ने साबित कर दिया कि वह कितनी प्रगति से कार्य कर रहा है। १८ महीने की समय अवधि खत्म होने के बावजूद भी पुल निर्माण का कार्य नही किया जाना अधिकारियों की घोर लापरवाही को उजागर करता है। रामपायली और बिठली के बीच बनने वाले २७५ मीटर लंबे पुल निर्माण का है जिसकी समय अवधि समाप्त होने के बावजूद पुल का निर्माण कंपनी ने ३० महीने का लम्बा समय पार करते हुए लचर गति से कार्य किया जा रहा है। पुल निर्माण पूर्ण नहीं हो पाना प्रशासन की उदासीनता को उजागर करता है, इसके अलावा खेल मैदान एवं आसपास की उपयोगी भूमि पर पुल निर्माण कंपनी के अतिक्रमण से खिलाड़ियों को खेल से वंचित कर रखा है।तो आसपास की जमीन पर भी अतिक्रमण मुक्त कार्यवाही अधिकारियों ने अब तक नहीं किए जाने से आम जनों में भारी असंतोष व्याप्त है। दो साल का वक्त गुजर जाने के बाद भी महज २७५ मीटर लंबे पुल का निर्माण एजेंसी नहीं कर पाई है। पुल के अभाव में आसपास के आधा सैकड़ा से भी अधिक

गांवो के लोगों को आने जाने में बेहद ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में तो ग्रामीण जनों को मीलों का सफर तय कर गंतव्य स्थानों की ओर पहुंचना पड़ता है। सरकार गांवों में सडकों के साथ ही पुल.पुलियों के निर्माण के लिए करोड़ों की राशि स्वीकृत कर रही है। लेकिन निर्माण एजेंसी के द्वारा समय पर काम पूरा नहीं किया जा रहा है। विभागीय तौर पर भी अधूरे निर्माण को तय सीमा पर पूर्ण कराए जाने को लेकर किसी प्रकार के सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे है। रामपायली और बिठली मार्ग के चंदन नदी पर देखने को मिल रही है जहां पर १०४६.५६ लाख की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण किया जाना है। लेकिन निर्माण की रफ्तार बेहद ही धीमी देखने को मिल रही है। क्षेत्र के आधा सैकड़ा गांवों को जोडने् वाले चंदन नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण दो साल का वक्त गुजर जाने के बाद भी पूरा नहीं किया जा सका है। निर्माण की रफ्तार बेहद ही धीमी है। डेडलाइन खत्म होने के बाद भी काम पूर्ण कराए जाने को लेकर विभाग के अफसर सुध नहीं ले रहे है। जानकारी के अनुसार उच्च स्तरीय पुल निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति १६ दिसंबर २०२२ को मिली थी। जिसका कार्यादेश अनुबंध ३१ मई २०२३ को हुआ था। लेकिन अब तक काम पूर्ण नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि अभी भी करीब ४० फीसदी काम बाकी है। विभागीय तौर पर अधूरे पुल निर्माण को पूर्ण कराए जाने को लेकर निर्माण एजेंसी को निर्देशित नहीं किया गया है। यहीं वजह है कि यहां पर पुल का निर्माण बेहद ही धीमी गति से देखने को को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर ५ नवंबर से रामपायली के चंदन नदी तट पर सात दिन मेले का आयोजन किया जा रहा है। प्रभु श्रीराम की नगरी रामपायली में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मेले में हर साल पहुंचते है लेकिन वर्तमान में मेला आयोजन के बावजूद यहां पर अस्थाई मार्ग का निर्माण भी निर्माण एजेंसी के द्वारा नहीं किया गया है। जिससे श्रद्धालु जनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

म.प्र. पंचायत सचिव संयुक्त मोर्चा संगठन ने सौंपा ज्ञापन

समन्वय अधिकारी, सचिव और रोजगार सहायको ने १० सूत्रीय मांगो को लेकर दिए धरना

पद्मेश न्यूज।खैरलांजी। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत समस्त पंचायत समन्वय अधिकारी,सचिव,ग्राम

रोजगार सहायकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर अनिश्चित कालीन आंदोलन पर बैठ गए है। सभी ने तहसीलदार ,मुख्य कार्यपालन अधिकारी,कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और एसडीएम के नाम १० सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। आंदोलन के दौरान पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ने धरना स्थल पर पहुंचकर सचिव संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनकी समस्या को जाना और संबंधित विभाग के अधिकारी से चर्चा कर जायज समस्या का निराकरण करने की पहल की। जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत समनव्य अधिकारीं, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक सचिवों को नियमित प्रतिमाह की एक तारीख तक भुगतान की व्यवस्था की जावे। माह अक्टूबर २०२५ का वेतन भुगतान आज दिनाँक तक नही किया गया है। निरामय आयुष्मान योजना का क्रियान्वयन ग्राम रोजगार सहायको के द्वारा दिन रात एक कर किया गया ,किंतु कार्ड बनाये जाने का भुगतान आज दिनॉक तक नहीं किया गया है जो अतिशिघ्र किया जावे। पंचायत समन्वय अधिकारी एवं पंचायत सचिवों के वेतन वृध्दि के एरीयर्स राशि का भुगतान जिले की नौ जनपदों में दिपावली त्यौहार पूर्व हो चुका है ,किंतु जनपद पंचायत खैरलॉजी में आज दिनॉक तक अप्राप्त है भुगतान सीघ्र किये जाने का अनुरोध है। सीएम हेल्पलाईन नहीं हटाये जाने के कारण की गई वेतन कटौती का भुगतान संबधितों को त्वरित किया जावे। मांग आधारित शिकायतों एवं झुटी शिकायतों का परीक्षण कर फ ोर्स क्लोज किया जाये। पंचायत सचिवों की एनपीएस की राशि कटौति की गई है लेकिन प्राण नंबर के खातों में विगत आठ नाह से जमा नहीं की गई है जिसे शिघ्र किया जावे। अवकाश के दिनों में कार्यालयीन कार्यों से मुक्त किया जावे। जनपद जिला स्तर की वीसी कार्यालयीन समय पर ली जावे। एनएमएमएस एप्प तथा जेएसजेबी २.० साईड में आये दिन परेशानियों के चलते कार्य करने में काफी समस्या का सामना करना पड रहा है ,कार्य स्थल पर लगाये गये मजदूरों की ऑनलाईन हाजिरी नही होने के कारण भुगतान शेष होने के कारण शिकायत एवं विवाद की स्थिति निर्मित होती है। मनरेगा मॉग आधारित योजना है अत एव अनावश्यक दबाव नही बनाया जावे चूँकि बालाघाट जिला धान फसल में अग्रणि है ,जिसमें वर्तमान में बेमौसम बारिश के कारण किसान मजदूरो के साथ फसल को नुकसान से बचाने में लगे है ,जिसके फ लस्वरुप मजदूरों को लगाया जाना संभव नही है। लेबर बढ़ाने हेतू मानसिक रूप से दबाव ना बनाया जाय। पीएम अटल पेंशन योजना के शिवीर ग्राम पंचायतों में लगातार लग रहे है किंतु बैंक मित्र नही आने एवं ग्रामीण जन कृषि कार्य में व्यस्त होने के कारण योजना प्रभावित हो रही है। जिसका जिम्मेदार जबरन सचिव एंव रोजगार सहायको को नही बनाया जावे। रोजगार मेले की मुनादी एंव सुचना ग्राम पंचायतो में लगातार ग्रुपों के माध्यम से प्रसारित की जाती है किंतु रोजगार दुरस्थ मिलने के कारण युवा उत्साहित नही है जिसका जिम्मेदार जबरन सचिव एंव रोजगार सहायको को ना बनाया जाय। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा समस्याओं के निराकरण नहीं होने के कारण हम सभी अधिकारीध्कर्मचारी १० नवबंर से निराकरण होने तक हड़ताल पर रहेगें।

बकेरा, बघोली, बासी, उमरवाड़ा संपर्क मार्ग जर्जर हुआ!!

हीराटोला बघोली पहुंच मार्ग खस्ताहाल ग्रामीण त्रस्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बघोली के लिये झालीवाड़ा के राजघाट टोली से एक कच्चा मार्ग हीराटोला होते बघोली के लिये निकलता हैं। जहां से ग्रामीण राहगीरों एवं विद्यार्थियों को आवागमन करने में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान लोग मार्ग की दुर्दशा से दुर्घटना ग्रस्त भी हो रहे हैं क्योंकि पूरे मार्ग में मुरूम के दाने बिखरे पड़े हैं तो वहीं गिट्टी के बड़े बड़े पत्थर बाहर आ गए हैं बहुत ज्यादा गड्ढे भी मार्ग में हैं। ऐसी परिस्थिति में लोग मोटर साइकिल साइकिल व अन्य छोटे बड़े वाहनों से आना जाना कर रहे हैं। ऐसे में साइकिल और मोटरसाइकिल को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है जो मार्ग पर स्लिप हो रही है। यह मार्ग हीराटोला ,बघोली ,बकेरा, उमरवाड़ा सहित विभिन्न पंचायत को आगे जोड़ता है। यह मार्ग राजघाट टोली से बघोली तक कच्चा एवं खराब है। जिसका निर्माण पिछले कई वर्षों से नहीं किया गया है और ना ही किसी प्रकार की मरम्मत कराई गई है जिसके कारण मार्ग की स्थिति जर्जर बनी हुई है। जहां से आवागमन कर रहे लोगों को कम गति में सतर्क होकर मोटरसाइकिल से आना जाना करना पड़ता है। इस मार्ग से राहगीर और ग्रामीणों को भी दिक्कत बनी हुई है जिनके द्वारा मार्ग का डामरीकरण करने की मांग की जा रही है ताकि ग्रामीण लोग आसानी से आवागमन कर सके।

बाईपास के रूप में उपयोग होता है मार्ग

उक्त मार्ग सीधा ग्राम पंचायत बघोली के हीराटोला के लिए जाता है और वहां से आगे बघोली ,बकेरा ,उमरवाड़ा सहित अन्य ग्राम तक जाता है। जो बघोली से राजघाट टोली तक पूरा कच्चा मार्ग है जिसके बाद पक्का मार्ग बना हुआ है। यह मार्ग बाईपास के रूप में ग्रामीणों के द्वारा उपयोग किया जाता है। जहां से बकेरा,बांसी ,बघोली और उमरवाड़ा ग्राम पंचायत के लोग भी कम दूरी के लिए आना जाना करते हैं। तो वहीं सबसे अधिक विद्यार्थी इस मार्ग का उपयोग करते हैं जो शिक्षा अध्ययन करने के लिए ग्राम झालीवाड़ा या नगर के निजी एवं शासकीय विद्यालयों के लिए आना जाना करते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को सर्वाधिक समस्या मार्ग के कारण झेलना पड़ रहा है हालांकि उक्त मार्ग का डामरीकरण की बात कही जा रही है परंतु कब होगा इसका निश्चित नहीं है। ऐसे में हर किसी के द्वारा जल्द मार्ग का डामरीकरण करने की मांग शासन से की जा रही है ताकि सभी को सुविधा हो सके।

मार्ग ही हालत बहुत ज्यादा खराब है-गुलाब

ग्रामीण गुलाब पारधी ने बताया कि हम हीराटोला के रहने वाले हैं प्रतिदिन हमें नगर मुख्यालय और ग्राम पंचायत आना जाना पड़ता है। दोनों तरफ कच्चा मार्ग है जो बहुत ज्यादा खराब हो चुका है बारिश में यहां पर बहुत ज्यादा कीचड़ हो जाता है गाड़ियां नहीं निकल पाती है। अभी सुखा है तो भी गड्ढे और गिट्टी के पत्थर बहुत ज्यादा निकल गए हैं दुर्घटना होने की संभावनाएं बनी रहती है। यहां से सीधे बाईपास होने के कारण चार पांच ग्राम के ग्रामीण और स्कूली विद्यार्थी प्रतिदिन आना जाना करते हैं। क्योंकि मुख्य मार्ग से इन्हें फेरा पड़ता है इस मार्ग में पिछले दो वर्षों से बहुत ज्यादा समस्या हो गई है। क्योंकि इसे बनाया नहीं गया है इस मार्ग का नवीनीकरण होना चाहिए या पूरी पक्की सड़क बना देनी चाहिए। हम लोगों ने सुना था की पक्की सड़क यहां पर बनना है डामर बिछाया जाना है परंतु पता नहीं क्या हुआ अभी तक तो सड़क नहीं बनी है। शायद आगे बन जायें हम यही चाहेंगे कि जल्द सड़क बनाई जायें।

ग्रामीणजन और स्कुली विद्यार्थियों को हो रही भारी परेशानी-सुनीता

ग्रामीण सुनीता ठाकरे ने बताया कि मेन रोड़ से बघोली तक पूरा रोड़ खराब है सड़क में जगह.जगह गड्ढे हो गए हैं पत्थर बाहर निकल गए हैं बहुत ज्यादा धूल फैली हुई है। गाड़ियों के आने जाने से दिक्कत होती है यहां से जो स्कूल जाने वाले लड़के बच्चे हैं वह मार्ग में गिर जाते हैं उन्हें चोट लग जाती है कपड़े खराब हो जाते हैं पुरी रोड खराब हो गई है। गिट्टी के पत्थर निकलने से अधिकतर गाड़ियां स्लिप होती है हम लोग वारासिवनी के लिए झालीवाड़ा की तरफ जाते हैं। राशन लेने या पंचायत के काम से बघोली जाते हैं दोनों तरफ रोड खराब है। कई बार राशन लाते समय राशन जमीन में गिर जाता है कल ही एक व्यक्ति का राशन गिरा था यानी ठीक तरीके से साइकिल मोटरसाइकिल नहीं चल पाती है। दो.तीन वर्षों से काम नहीं करने से रोड बहुत ज्यादा खराब है यहां पर डामर रोड बनना चाहिए।

कृषि केन्द्र की वसूली के लिये निकले संचालक की सड़क हादसे में मौत!!

पुलिस ने शव बरामद कर कार्यवाही कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया से पटेलटोला कटंगझरी मेन रोड पर बोदलपाट के पास ९ नवंबर को सड़क हादसे में बोनकट्टा निवासी तेजेंद्र पटले की दुखद मौत हो गई। मामले में पुलिस के द्वारा घटना स्थल से मृतक का शव को बरामद कर सुरक्षित सिविल अस्पताल की मरचूरी में रखवा दिया गया। जिसमें पुलिस के द्वारा १० नवंबर को आवश्यक कार्यवाही कर मामले में मर्ग क्रमांक ८२/२०२५ धारा १९४ बी एन एस के तहत मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। घटना में परिजनों के द्वारा अज्ञात वाहन की जांच कर पुलिस प्रशासन से कार्यवाही करने की मांग की है।

कृषि केंद्र की वसूली के लिए आया था तेजेंद्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेजेन्द्र उर्फ बंटी पिता भूमेश्वर पटले उम्र ३४ वर्ष निवासी वार्ड नं.३ बैंक ऑफ महा.के पास बोनकट्टा थाना तिरोड़ी का रहने वाला है। कुछ वर्ष पूर्व ही उसका विवाह हुआ था जो बोनकट्टा में कृषि केंद्र संचालित कर होलसेल में सामान बेचता था। जिसकी वसूली करने के लिए वह घर से ९ नवंबर की सुबह निकाला था । इस दौरान वह ग्राम पिपरिया से पटेलटोला कटंगझरी मेन रोड़ बोदलपाट के पास से गुजर रहा था। तभी शाम करीबन ६.३० बजे किसी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई जिसमें मौके पर ही तेजेंद्र पटले की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को दी गई ।जिसमें मौके से शव को बरामद कर पुलिस के द्वारा सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह स्थित फ्रीजर में

सुरक्षित रखवा दिया गया। वहीं तेजेंद्र पटले के परिवार को घटना की सूचना दे दी गई जिसके बाद रात्रि में अस्पताल में लोगों की भीड़ लगी रही। मामले में पुलिस ने १० नवंबर को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं घटना में दर्ज मर्ग प्रकरण को विवेचना में लिया है। इस घटना में ग्रामीणों के द्वारा अचानक बैलगाडी खेत से सड़क पर आने पर बाइक चालक तेजेंद्र पटले की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने और दूसरे तरफ से चार पहियां वाहन आने से यह दुर्घटना होना बताया जा रहा है। किंतु किस प्रकार यह घटना हुई वह जांच के बाद ही स्पष्ट होने की बात कही जा रही है । वर्तमान में केवल सड़क दुर्घटना से मौत का कारण बताया जा रहा है।

ग्रामीण अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना में मौत होना बता रहे है-जैनेन्द्र

प्रार्थी जैनेन्द्र कटरे ने पुलिस को बताया कि मैं वार्ड नं .२ भटेराचौकी बालाघाट रहता हूँ कपड़े का व्यवसाय करता हूँ। ९ नवंबर की शाम करीबन ७ बजे मैं बालाघाट में था उसी समय मुझे मोबाईल से सूचना मिली की ग्राम पिपरिया से पटेलटोला कटंगझरी बोदलपाट के पास मेन रोड़ पर मेरे साले तेजेन्द्र उर्फ बंटी पिता भूमेश्वर पटले का एक्सीडेन्ट हो गया है। तो मैं प्रमेश बोपचे एवं प्रवीण अग्रवाल के साथ रवाना होकर वारासिवनी सिविल अस्पताल पहुँचा। तब तक डायल ११२ से मेरे साले तेजेन्द्र उर्फ बंटी के शव को लाया जा चुका था। अस्पताल में देखा मेरे साले तेजेन्द्र उर्फ बंटी की मौत हो चुकी थी। घटना स्थल पर पिपरिया के सरपंच प्रतिनिधि गंगाराम पटले एवं अन्य लोगो ने घटना के बारे में जानकारी दिये थे कि कोई अज्ञात वाहन के द्वारा तेजेन्द्र उर्फ बंटी की मोटरसायकल को टक्कर मारने से तेजेन्द्र उर्फ बंटी की घटना स्थल पर मौत हुई है। मेरा साला तेजेन्द्र उर्फ बंटी कृषि सेवा केन्द्र की दुकान बोनकट्टा में चलाता है। जो आज सुबह घर से वसूली के लिये अपनी मोटर सायकिल से निकला था। हमारी मांग हैं की कार्यवाही की जायें।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि थाने में सूचना मिलते ही शव को घटनास्थल से लाकर सुरक्षित फ्रीजर में रखवा दिया गया था। जिसका पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को दे दिया गया है, मामले में दर्ज मर्ग कायमी को विवेचना में लिया गया है अभी सड़क दुर्घटना बताई जा रही है।

राजकपूर रंगारे
प्रधान आरक्षक थाना वारासिवनी

समन्वय संघ के प्रांत मंत्री प्रदीप श्रीवास्तव और संजय अग्रवाल को प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत तिब्बत समन्वय संघ की राष्ट्रीय नियुक्ति समिति के द्वारा महाकौशल प्रांत

के लिए प्रदीप श्रीवास्तव को प्रांत मंत्री एवं संजय अग्रवाल को प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य हेतु नियुक्ति प्रदान की हैं। इनकी नियुक्ति पर महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष डॉ. नीरज अरोरा ,महासचिव पंडित दीपेश उपाध्याय जबलपुर, लोक चंद ठाकरे , राकेश सोनी, मधु अग्रवाल, प्रहलाद सोनी, राकेश जुझार, जयदीप जोशी, रितेश जैन, प्रदीप जैन, अनिल रुसिया, राजेन्द्र अरोरा, पराग तिवारी, भेजेन्द्र चौधरी , शरद आड़े ने बधाई दी है। भारत तिब्बत समन्वय संघ तिब्बत की आजादी एवं कैलाश मानसरोवर जो कि भगवान शिव की जन्म स्थली हैं। चीन के अवैध कब्जे से मुक्त कराने हेतु पूरे भारत में सक्रिय रुप से कार्य कर रहा है। इस संगठन के संस्थापक प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह रज्ज सरसंघचालक है। जिन्हें संगठन आद्य प्रणेता के रूप में स्वीकार करता है।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था में वाहन

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के आंकड़े बताते हैं कि अक्तूबर महीने में घरेलू यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, जो त्योहारी मौसम के लिए एक बड़ी प्राप्ति तो खैर है ही, बेहद अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं के लौटते भरोसे का भी प्रतीक है। आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 11.35 और दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 51.76 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो अर्थव्यवस्था की अंदरूनी लहर को ही दर्शाती है। ग्रामीण भारत की रीढ़ कहे जाने वाले स्कूटर-मोटर साइकिल की बिक्री में आई छलांग काफी कुछ कहती है। हीरो, होंडा, बजाज और टीवीएस जैसी कंपनियों के शोरूम फिर से गुलजार हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि गांव-कस्बों में लोग फिर से कर्ज लेकर या बचत खर्च कर नए वाहन खरीद रहे हैं। जाहिर है कि कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार, अच्छा मानसून और एमएसपी में बढ़ोतरी का असर साफ दिख रहा है। गौरतलब है कि दिवाली से ऐन पहले केंद्र सरकार ने रबी फसलों का एमएसपी बढ़ाने के लिए भारी-भरकम पैकेज की घोषणा की थी। अक्तूबर में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें माल ढुलाई और बुनियादी ढांचे की गतिविधियों में वृद्धि शामिल है, जबकि तिपहिया और ट्रैक्टरों की बिक्री में क्रमश: पांच और 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दरअसल, ट्रक, बस और हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री बताती है कि माल ढुलाई बढ़ रही है, ई-कॉमर्स कंपनियां फिर से विस्तार कर रही हैं और आधारभूत संरचना संबंधी परियोजनाओं ने रफ्तार पकड़ी है, जो अर्थव्यवस्था के लिए आश्वस्त करने वाली खबरें हैं। त्योहारी ऑफर, जीएसटी सुधार और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता ने मध्यम वर्ग को कार खरीदने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि यह उत्साह हमें सतर्क भी करता है, कि क्या बिक्री में आया यह उछाल सिर्फ त्योहारी समय का असर है या स्थायी रिकवरी। हालांकि इस सवाल का जवाब तीन महीनों के बाद ही मिल सकेगा, क्योंकि माना जा रहा है कि जीएसटी सुधार और स्थिर ग्रामीण आय के अलावा शादियों व फसलों से होने वाली मौसमी मांग से भी खुदरा बिक्री को बढ़ावा मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त, वर्ष के अंत के ऑफर, नए मॉडलों के लॉन्च और स्टॉक की बेहतर स्थिति से भी ऑटो क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है। फिलहाल, सरकार को चाहिए कि वह इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी को आकर्षक बनाए, बुनियादी चार्जिंग ढांचे को तेजी से बढ़ाए और पुराने वाहनों की स्क्रैप नीति को सख्ती से लागू करे। तभी वाहनों की चमक से पटरी पर दिख रही अर्थव्यवस्था और रफ्तार पकड़ सकेगी।

> एफएडीए के आंकड़े बताते हैं कि अक्तूबर महीने में घरेलू यात्री वाहनों व ग्रामीण भारत की रीढ़ कहे जाने वाले दोपहिया वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। यह अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत होने के साथ ही अनिश्चित वैश्विक आर्थिक हालात में उपभोक्ताओं के लौटते भरोसे का भी प्रतीक है।

जीवन धारा

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

आध्यात्मिक पथ पर होने का मतलब अपने जीवन को तेजी से आगे बढ़ाना है। इस मार्ग में जितना आपने कभी सोचा था, उससे कहीं अधिक उतार-चढ़ाव घटित हो सकते हैं।

आंतरिक स्थिरता जीवन को पटरी पर रखती है

एक बार जब आप आध्यात्मिक पथ पर चल पड़ते हैं, तो कुछ लोग आपसे कह सकते हैं, 'सब कुछ ठीक हो जाएगा।' आध्यात्मिक पथ पर होने का मतलब सब कुछ ठीक कर देना नहीं है। यदि आप चाहते हैं कि चीजें ठीक हों, तो आपको उन्हें ठीक करना होगा। फिर भी केवल कुछ ही चीजें ठीक होंगी, सब कुछ नहीं। आध्यात्मिक पथ पर होने का मतलब आराम तलाशना नहीं है, बल्कि अपने जीवन को तेजी से आगे बढ़ाना है। इसलिए जितना आपने कभी सोचा था, उससे कहीं अधिक उतार-चढ़ाव आपके जीवन में घटित हो सकते हैं। जो चीजें दस साल में होतीं, वे दो महीने में हो सकती हैं। सवाल यह है कि आपमें इससे गुजरने का साहस, क्षमता और स्थिरता है या नहीं? एक बार जब आप गति चाहते हैं और स्थिरता के बिना गति की मांग करते हैं, तो आप परेशानी को न्योता दे रहे हैं। साधना को नपे-तुले तरीके से इसलिए बनाया जाता है, ताकि एक ओर यह स्थिरता पैदा करती है, दूसरी ओर गति पैदा करती है। यदि आपमें कोई गति नहीं है, तो आप एक कब्र के पत्थर की तरह महसूस करेंगे, जो कहीं नहीं जाता। यदि आप बहुत तेज हैं, तो यह एक रोलरकोस्टर सवारी जैसा महसूस होता है। रोलरकोस्टर आपको नियंत्रण से बाहर होने का एहसास देता है, लेकिन वास्तव में यह पूरी तरह से सुरक्षित है, क्योंकि यह अपने ट्रैक पर बंधा होता है। आध्यात्मिक प्रक्रिया ऐसी ही है। यदि आपने आंतरिक रेलिंग को ठीक से पकड़ रखा है, तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि आपके अंदर एक स्थान है, जो स्थिर है। यदि आपने अपने आप को अंदर से स्थिर कर लिया है, तो बाहरी परिस्थितियां अजीब होने पर भी जीवन पटरी पर ही रहेगा। किसी को लग सकता है कि ये चीजें अजीब हैं, लेकिन आप यह भी सोच सकते हैं कि ये रोमांचक हैं। यदि आपको रोमांच पसंद नहीं है, यदि आप रोमांच को संभाल नहीं सकते, तो यह परेशानी की बात हो सकती है। लेकिन अगर आप रोमांच का आनंद लेते हैं, तो रोलरकोस्टर एक अच्छी जगह है। भले ही कुछ भी ठीक नहीं हो और सब कुछ बावलेपन जैसा लग रहा हो, लेकिन %मैं ठीक हूं, तो मेरे साथ सब कुछ ठीक है% इतनी ही बात है। यदि आप रेल और रोलरकोस्टर को ठीक नहीं करते, तो यह पहली कलाबाजी में ही पटरी से उतर जाएगी। इसी तरह यदि आंतरिक पटरी ठीक कर दी जाए, तो वह जहां चाहे वहां जा सकती है, वह आपको पूरा रोमांच देती है, लेकिन फिर भी यह पटरी पर ही रहेगी। सारा रोमांच बाहर रहेगा-उतार-चढ़ाव, उड़ना-गिरना। आप हर स्थिति में ठीक रहेंगे। अध्यात्म का मतलब जीवन को ठीक करना नहीं है, बल्कि इसका मतलब है कि 'मैं ठीक हो गया हूं।' फिर हम शेष जीवन को यथासंभव ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमें भीतर से ठीक होना ही चाहिए। यही महत्वपूर्ण बात है।

अध्यात्म मार्ग पर बढ़ें

सूत्र = जीवन को अध्यात्म मार्ग की ओर अग्रसर करें। यह मार्ग मात्र विचारों के फलस्वरूप उपजने वाली कोई निराधार कल्पना नहीं, अपितु विज्ञानों का भी विज्ञान है। जिस प्रकार एक आविष्कार तक पहुंचने के लिए विज्ञान क्रमबद्ध चरणों में आगे बढ़ता है, उसी प्रकार अध्यात्म मार्ग भी इन्हीं चरणों से गुजरता हुआ, अपने चरम लक्ष्य तक पहुंचता है।

डोनाल्ड ट्रंप भले आपको जल्दी में दिखते हों, पर क्या उनका यह कहना अतार्किक है कि जब उनके पूर्ववर्ती को नोबेल मिल सकता है, तो उन्हें क्यों नहीं? ट्रंप के तौर-तरीके निर्विवाद नहीं हैं, लेकिन वह जो कर रहे हैं, आने वाली पीढ़ियां उनकी ऋणी होंगी। वह सबकुछ जीत सकते हैं, पर विरोधियों का दिल नहीं।

जो युद्ध ट्रंप नहीं जीत सकते

अब जबकि सड़कें शांत हो गई हैं, नदी से समुद्र तक फलस्तीन स्वतंत्र होगा का नारा थम गया है, और लंदन से पेरिस तक प्रतिस्पर्धी राजनेता को फलस्तीनी राज्य के लिए खड़े होने के साथ अपने घरेलू नेतृत्व को मजबूत करने का मौका नहीं दिया गया है; युद्ध के मैदान से उभरने वाली तस्वीरें शून्य में ताकते भूख से तड़पते बच्चों की नहीं, बल्कि मुक्त हुए इस्राइली बंधक की है, जो घर लौट रहा है; और यह कि पश्चिम एशिया में शांति वास्तव में गाजा के खंडहरों से शुरू हो सकती है; मुझे इस तरह के लेख पढ़ना अच्छा लगता, भले ही कुछ संपादकीय पृष्ठों में इसे कम उत्साहवर्धक दिखाने के लिए चेतावनियां दी गई हों, या उदारवादियों के खेमे में इसी तरह की बातें सुनी जा रही हों।

संपादक, ओपन मैगजीन और उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्वे की नोबेल समिति दुश्मनों को शांति वार्ता की मेज पर लाने और गुप्त परमाणु हथियार रखने वालों को निरस्त्र करने में उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं करेगी। कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार के बाद पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई बंद करने का श्रेय लेने पर भारत ने उन्हें वास्तव में झिड़क दिया था, लेकिन उसके बावजूद वह भारतीय प्रधानमंत्री को अपना अच्छा मित्र कहने से नहीं चूके। उन्हें इस बात से चिढ़ हुई होगी कि नई दिल्ली की सराहना से नोबेल के लिए उनके अभियान को बल मिलेगा। और फिर नोबेल समिति ने इसे गाजा समझौते की पूर्व संध्या पर वेनेजुएला में ट्रंप-समर्थक योद्धा को दे दिया, जो छिपकर मादुरो तानाशाही के खिलाफ लड़ रही थी, और जिसने पुरस्कार जीतने पर ट्रंप से कथित तौर पर यह कहकर %अच्छा काम% किया कि %मैं इसे आपके डोनाल्ड ट्रंप चार वर्षों की सीमित अवधि में अधिक से अधिक सौदे करने की जल्दी में हैं, मानो उनकी प्रसिद्ध व्यावसायिक ताकत भू-राजनीति की पारंपरिक बाधाओं को पार कर सकती है और अपनी भयानक कल्पना के आधार पर वह इतिहास को नया रूप दे सकते हैं।

सम्मान में इसे स्वीकार कर रही हूं, क्योंकि आप वास्तव में इसके हकदार थे।

यह उनके रिसते हुए अहंकार पर मिर्ची छिड़कने जैसा था: शुक्रिया, मुझे याद दिलाने के लिए कि मुझे लगातार वह नहीं मिल रहा, जिसका मैं हकदार हूं, और क्या मुझे एक ऐसी दुनिया चलाने के लिए अभिशप्त किया गया है, जिसने कुछ समय पहले ही मेरे एक पूर्ववर्ती को जॉर्ज डब्ल्यू बुश न होने के बावजूद पुरस्कार जीतते देखा था।

बहरहाल शिकायती राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अगले बारह महीनों तक अपने जख्म सहलाने दीजिए, जब तक फिर से नॉर्वे की नोबेल समिति का फैसला न आ जाए। वैसे भी, अभी यूक्रेन बचा हुआ है। लेकिन हम उन्हें इसलिए खारिज नहीं कर सकते, क्योंकि वह उस दुनिया

से संबंधित नहीं हैं, जिसे महानता के मोह से ग्रस्त लोगों ने हमसे छीन लिया है।

इस व्यक्ति की शैली को, उसकी उपलब्धि के सार को स्वीकार करने में हमें अपनी दृष्टि को धुंधला नहीं करना चाहिए, चाहे उस ताकतवर व्यक्ति को कितना भी दबाव क्यों न बनाना पड़ा हो। उनकी 20 सूत्री योजना, जिसकी देखरेख स्वयं शांतिदूत की अध्यक्षता वाले बोर्ड द्वारा की जाएगी, ने पहले ही काम करना शुरू कर दिया है, बंधक घर लौट रहे हैं और इस्राइली सैनिक वापस जा रहे हैं। योजना के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में हमास को गाजा के राजनीतिक और प्रशासनिक भविष्य से बाहर रखना और एक नवीनीकृत फलस्तीनी प्राधिकरण को सत्ता में वापस लाना शामिल है, जो उतना ही बदनाम है, जितना कि हमास बर्बर है।

फिलहाल, जनजातीय रक्तपिपासा के स्थान पर खंडहरों से पुनर्निर्माण के लिए तकनीकी तंत्र को अपनाना, विवादित इतिहास और मृत्यु के पंथ में डूबे इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी छलांग है। पुनर्स्थापना की सफलता शांति के अंतिम चरण का निर्धारण करेगी, जहां फलस्तीन के विचार को इस्लामवाद और राष्ट्रवाद के बीच चयन करना होगा, और जहां यहूदी राज्य को यह विश्वास दिलाना होगा कि उसके अस्तित्व का अधिकार उसके पड़ोसियों द्वारा प्रदत्त है। गाजा में युद्ध का अंत एक मजबूरी भरा विराम नहीं है, बल्कि एक नए पश्चिम की प्रस्तावना है, यह एक साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए, जिसमें याह्या सिनवार के भूत को पूरी तरह से शामिल न किया जाए।

हम सभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऋणी हैं, और हममें से कुछ लोगों के लिए इसे स्वीकार करना बहुत कष्टदायक है। यह ऋण उस राष्ट्रपति के प्रति है, जिसने अपने उग्र व्यक्तित्व के बावजूद, शास्त्रीय अमेरिकीवाद को, नैतिक हस्तक्षेप की विल्सनवादी भावना को पुनर्स्थापित किया है, जिसे नवरूढ़िवादियों ने इराक में बिगाड़ दिया था।

अगर हम यह सोचते हैं कि पश्चिमी दुनिया के आंदोलनकारी इस्राइल को हरा सकते हैं, कि सात अक्तूबर 2023 का नरसंहार अवश्यंभावी है, कि सजा अपराध से कहीं अधिक है, तो क्या हम अपनी उदार अंतरात्मा को हमास के नेतृत्व वाले फलस्तीनी संघर्ष के पीड़ित को खोजने के नैतिक रूप से संतोषजनक खेल में बदलने की अनुमति नहीं दे रहे थे? क्या हम गाजा में युद्ध की समाप्ति के लिए मार्च कर रहे थे? या फिर इस्राइल को सजा देने के लिए एक प्रतीकात्मक सात अक्तूबर को कूटनीतिक वैधता दे रहे थे?

अंततः, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम कराने में सफलता मिली, जिसके सहयोगी भिन्न-भिन्न नैतिकतावादी थे, जबकि यहूदी-विरोधी भावना ने अपनी सारी बाधाएं त्याग दी थीं।

शांति शक्ति का प्रदर्शन है, और यहीं पर ट्रंप ने एक बार फिर बिना किसी सांस्कृतिक दिखावे के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की भावना के अनुरूप काम किया है। क्या हम अब भी चाहते हैं कि शांति बोर्ड का अध्यक्ष ओबामा हो, ताकि हम जश्न मना सकें? सभी को यह समझ लेना चाहिए कि डोनाल्ड ट्रंप केवल शांति को जीत सकते हैं, उदारवादियों का दिल नहीं।

- एस प्रसन्नराजन

मुस्लिम वोट की दोहरी धार

महागठबंधन के पक्ष में मुस्लिम मतदाताओं का एकतरफा झुकाव तो सीमांचल में ओवैसी का अपमान फैक्टर भी दिखा रहा रंग बिहार में ऐतिहासिक मतदान प्रतिशत अपने साथ राजनीतिक विरोधाभास भी सामने लाया है। एक तरफ, यह मुस्लिम मतदाताओं साइलेंट के बि कंसोलिडेशन का संकेत है। दशकों में पहली बार संगठित और रणनीतिक वोटिंग का पैटर्न दिखा, जो सीधे महागठबंधन के पक्ष में इतिहास रचने की क्षमता रखता है। दूसरी तरफ, यही एकजुटता उत्तरी बिहार और सीमांचल के रण में असदुद्दीन ओवैसी के दमदार फैक्टर से टकरा रही है।

2020 में पांच सीटें जीतकर सीमांचल की सियासत में नई लकीर खींच चुके ओवैसी इस बार भावनात्मक उभार के साथ लौटे हैं। हमें जलील किया गया, उनकी यह लाइन अब उनके हर भाषण की रीढ़ बन गई है। नतीजा यह कि मुस्लिम वोटर का एक वर्ग, खासकर युवा, अपमान के प्रतिकार में ओवैसी के पीछे खड़ा दिख रहा है। यह स्थिति इस चुनाव के सबसे निर्णायक वोट बैंक को दो हिस्सों में बंटने का संकेत कर रही है। मुस्लिम महिला मतदाता का सुरक्षा बनाम डर का फैसला और ओवैसी का भावनात्मक उभार पूरे बिहार के चुनावी समीकरण को जटिल बना रहा है। पटना से लेकर अररिया तक मुस्लिमों के बीच इस बार मतदान

मुसलमान महिला, नीतीश व भाजपा

इस बार मुस्लिम महिलाओं की भागीदारी रिकॉर्ड स्तर पर रही है। बूथों पर कतारें सिर्फ वोट की नहीं, बल्कि सुरक्षा और सुविधा की भावना का प्रतीक थीं। नीतीश कुमार के शासन में कानून-व्यवस्था और कल्याण योजनाओं का अनुभव सकारात्मक होने के बावजूद यह समर्थन पहले की तरह वोट में नहीं बदला। वजह यह डर कि भाजपा के रहते नीतीश फिर मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। ज्यादा वोट की वजह यह थी कि महिलाओं के मन में यह सवाल बैठ गया कि अगर सरकार बदली तो 10 हजार रुपये और छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं कौन देगा? यह उनके लिए राजनीतिक अधिकार से अधिक पारिवारिक सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। मतदाता सूची से नाम कटने की आशंका और सरकारी सुविधाओं (गैस, राशन, छात्रवृत्ति) को खोने का डर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित कर रहा है। यही डर, यही असुरक्षा उनमें से ज्यादातर को महागठबंधन के खेमे की तरफ खींचता दिखता है। की चुप्पी के भीतर संगठन की गूंज है। वोट बंट जाने की पिछले चुनाव की गलती से सबक लेते हुए मुस्लिम समाज ने इस बार एकतरफा रुख अपनाया है। महागठबंधन खासतौर से राजद की रणनीति कुछ हद तक पूरे बिहार में असर दिखा रही है। यह रणनीति है कि बिना किसी शोर के, बिना किसी दिखावे के चुपचाप ज्यादा से ज्यादा मतदान करना है, भाजपा को रोकने के लिए। अररिया के परवेज आलम कहते हैं कि मुसलमान बंट कर वोट करते हैं, इसलिए हारते हैं। इस बार हम एक हैं। यह लाइन बताती है कि समुदाय के भीतर यह समझ

गहरी हो चुकी है कि राजनीतिक बिखराव, एनडीए की मजबूती का सबसे बड़ा कारण रहा है। महिला वोटरों के डर व व सुरक्षा की भावना के बीच भावनात्मक उभार ने जटिल बना दिए समीकरण

ओवैसी का अपमान कार्ड व युवा

तस्लीमुद्दीन के बाद बिहार में मुस्लिम राजनीति नेतृत्वहीन रही है। ओवैसी ने इसी खालीपन को अपनी जमीन बनाया। किशनगंज, अमौर और बहादुरगंज में उनकी सभाओं में युवाओं की भारी भीड़ इस बात का सबूत है कि उनका नैरेटिव सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सम्मान आधारित पहचान का है। पूर्णिया के अमीर हसन कहते हैं, हमारा कोई नेता नहीं है, ओवैसी ही बोलते हैं हमारी बात। हालांकि उनके पुराने विधायक राजद में चले गए, फिर भी एक वर्ग में यह भावना है कि भले वह जीतें या हारें, लेकिन झुकते नहीं। यह जिद, यह अपमान से प्रतिरोध का भाव, सीमांचल में उनकी प्रासंगिकता बनाए हुए है।

ओवैसी की रैलियों का केंद्रीय मुद्दा महागठबंधन द्वारा उन्हें दरकिनार किया जाना और अपमानित किया जाना है। वह साफ कह रहे हैं कि उन्हें जलील किया गया। उन्हें चरमपंथी बताए जाने का भी नकारात्मक असर युवाओं के बीच सहानुभूति पैदा कर रहा है। यह अपमान का नैरेटिव बहादुरगंज और अमौर जैसी सीटों पर युवाओं को भावनात्मक वोट देने के लिए प्रेरित कर रहा है, जहां ओवैसी मजबूती से लड़ रहे हैं। भले ही 2020 में जीते उनके विधायक उन्हें छोड़कर राजद में चले गए, फिर भी किशनगंज के मतदाता जिया उल हक कहते हैं, उसका विधायक हम लोगों को बेवकूफ बनाकर भाग गया। लेकिन हमें सिर्फ ओवैसी से उम्मीद है। यह दिखाता है कि व्यक्तिगत नाकामी से अधिक ओवैसी की विचारधारा युवाओं के एक धड़े को अब भी अपील करता है, जिससे महागठबंधन की संगठित वोट की रणनीति सीमांचल में भंग हो सकती है।

संगठित ताकत बनाम भावनात्मक बिखराव

पहले चरण का सबसे बड़ा सबक यही है कि मुस्लिम मतदाता अब एक संगठित राजनीतिक शक्ति है। उनकी प्राथमिकता मजहबी पहचान के साथ सुरक्षा, योजनाओं की निरंतरता और सामाजिक सम्मान है। तेजस्वी यादव के सीमांचल डेवलपमेंट काउंसिल जैसे वादों ने भी उन्हें नया भरोसा दिया है। इसके बाद भी ओवैसी का अपमान नैरेटिव सीमांचल में असरदार हुआ, तो यही इलाका महागठबंधन के लिए डैमेज-जोन भी बन सकता है। समझना जरूरी है कि पहले चरण की 40 में से लगभग 35 सीटों पर मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका में हैं। अगर यह साइलेंट कंसोलिडेशन दूसरे चरण में भी कायम रहा, तो बिहार के समीकरण पलट सकते हैं। लेकिन ओवैसी की भावनात्मक सेंध अगर और गहरी गई तो संगठित रणनीति फिर उसी जगह टूटेगी, जहां 2020 में टूटी थी।

साझा जिम्मेदारियों से बदलेगी हवा

वायु प्रदूषण सिर्फ नीति या तकनीक से नहीं घटेगा, स्थायी सुधार के लिए हम सभी को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी।

हमारे देश में वायु प्रदूषण की समस्या न केवल पर्यावरणीय, बल्कि स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्या भी बन चुकी है। बरसात का मौसम खत्म होने के साथ ही देश के बड़े हिस्से में, विशेषकर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में हवा जहरीली होने लगती है। त्योहारों, पटाखों, पराली जलाने और ठंडी हवाओं की कमी जैसे कारण इसके लिए जिम्मेदार हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में आबादी के हिसाब से हवा में पार्टिकुलेट मैटर्स 2.5 की औसत उपस्थिति विश्व में सर्वाधिक है। ये कण फेफड़ों में पहुंच कर हृदय और सांस संबंधी रोगों का कारण बनते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता राजधानियों में सबसे खराब है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 21.8 लाख लोगों की मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण होती है, जो चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। शिकागो विश्वविद्यालय के एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स ने चेताया है कि उत्तर भारत में रहने वाले लगभग 51 करोड़ लोग अपनी आयु का औसतन 7.6 वर्ष खो सकते हैं। बड़े शहरों में यह औसत और अधिक है। लंबे समय तक प्रदूषित वायु के संपर्क में रहने से फेफड़ों का कैंसर,

स्ट्रोक और हृदय रोग जैसी जानलेवा बीमारियां उत्पन्न होती हैं। जहरीली हवा से आंखों में जलन, खांसी, और सांस फूलने जैसी तात्कालिक समस्याएं तो होती ही हैं, बाद में यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को भी कमजोर करती है, जिससे दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह एक बड़ी समस्या है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वायु प्रदूषण से लगभग तीन प्रतिशत यानी करीब सात लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है। हर वर्ष अक्तूबर-नवंबर के दौरान उत्तर भारत में पराली जलाने का सिलसिला दोहराया जाता है। संसाधनों और समय की कमी के कारण किसान फसल कटाई के बाद खेत जल्दी साफ करने के लिए पराली जलाने को मजबूर होते हैं। पंजाब में 2009 का एक कानून किसानों को जून से पहले धान बोने से रोकता है, जिससे कटाई और अगली बुआई के बीच केवल 10 दिन का अंतर रह जाता है। हालांकि सरकारी प्रयास और जागरूकता अभियानों ने पंजाब में कुछ सकारात्मक असर डाला है। चिंताजनक बात यह है कि जहां पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं कम हो रही हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। इस साल 15 सितंबर से 21 अक्तूबर के बीच उत्तर प्रदेश में सभी राज्यों से अधिक पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गईं। उपग्रह के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के 58 जिलों में पराली जलाने के मामले मिले हैं। वर्ष 2025 तक उत्तर प्रदेश को फसल अवशेष प्रबंधन कायक्रम के तहत मात्र 500 करोड़ रुपये की सहायता मिली है, जबकि पंजाब को 1,531 और हरियाणा को 1,006 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। कम वित्तीय सहायता और वैकिल्पक तकनीकों की कमी उत्तर प्रदेश में समस्या को बढ़ा रही है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में वायु प्रदूषण से मुकाबले के लिए कई नीतिगत कदम उठाए हैं। साल 2021 में स्थापित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में सक्रिय है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि पराली जलाना नागरिकों के स्वच्छ हवा के अधिकार का उल्लंघन है, लेकिन राजनीतिक दबाव और किसानों के असंतोष के चलते प्रदूषण नियंत्रण की कोशिशें कमजोर हुई हैं। भारत की वायु प्रदूषण की समस्या मौसम, औद्योगिकीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या और कृषि पद्धतियों के मिश्रण से उपजी जटिल चुनौती है। इसलिए समाधान भी बहुआयामी होने चाहिए। हमें दीर्घकालिक नीतिगत ढांचा, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन, किसानों को तकनीकी सहायता और वैकल्पिक तकनीक के लिए वित्तीय मदद जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

रितेश पांडेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। सुस्त आवकों के चलते सोमवार को अनाज मंडी में सोयाबीन सुधार पर रहा। चने में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। खजूर व खारक में लेवाली रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में लेवाली है, किन्तु आवकें अटकने से बाजार तेजी के रहे। सोयाबीन में बाजार 4400-4500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। चना 5850-5900 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खाद्य तेलों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। किराना जिंसों में सामान्य व्यापार के बीच खारक व खजूर में पूछपरख देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे =-

किराना- शक्कर 4210-4270, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 525-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 3600-3650, (200) 4000-4100, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1400-1410, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2220, सोया साल्वेंट 1165-1170, सोया रिफाइंड 1230-1235, कपास्या 1235, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1385, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1255,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7900-8200, रायडा 6200-6250, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5750-5800, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार सुधार के रहे। भाव इस प्रकार रहे =-

चॉंदी (9999) 152600, चॉंदी (99) 152000, टंच 151800, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 122800,

रुपया सपाट बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 88.69 पर सपाट बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को भी रुपया 88.69 पर ही बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे गिरकर 88.69 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.64 पर खुला था, लेकिन जल्द ही पिछले बंद स्तर 88.65 की तुलना में नीचे फिसल गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और विदेशी निवेश की सीमित धारणा के कारण रुपये पर दबाव बना हुआ है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 99.68 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.07 अंक बढ़कर 83,535.35 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82.05 अंक ऊपर आकर 25,574.35 पर बंद हुआ। बाजार में आईटी शेयरों में उछाल से उत्साह का माहौल रहा। निफ्टी आईटी भी 1.63 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.45 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.95फीसदी , निफ्टी मेटल 0.55फीसदी उछलकर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.14 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.19 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.24 फीसदी टूटकर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टीसीएस, भारती एयरटेल, एलएंडटी, टाइटन, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, बीईएल के शेयर लाभ में रहे। वहीं ट्रेंट, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, एसबीआई के शेयर नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 281.10 अंक बढ़कर 60,124.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 62.65 अंक बढ़कर 18,138.60 पर बंद हुआ। माना जा रहा है कि अमेरिका में शटडाउन खत्म होने की संभावना और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से दोबारा से खरीदारी शुरू करने के कारण बाजार में सकारात्मक माहौल है। । इसके अलावा दूसरी तिमाही के अच्छे परिणामों के कारण घरेलू बाजारों को समर्थन मिला। इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ शुरुआत की। वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित संकेतों के बावजूद आईटी, मेटल और फार्मा सेक्टर में हुई खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स मामूली गिरावट के साथ 83,198 अंकों पर खुला था, लेकिन जल्दी ही इसमें मजबूती देखने को मिली। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 165 अंक की बढ़त के साथ 83,382 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 सूचकांक भी बढ़त के साथ खुला। यह 25,503 अंकों पर खुलने के बाद 58.80 अंक बढ़कर 25,554 पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख देखा गया।

ट्रंप ने टैरिफ नीति का बचाव किया, विरोधियों को बताया मूर्ख

नई दिल्ली ।एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर लगाए गए टैरिफ का बचाव करते हुए इसे अमेरिका की सफलता का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि जो लोग टैरिफ के खिलाफ हैं, वे मूर्ख हैं। उनका दावा है कि इस नीति की वजह से अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर और सम्मानित देश बन गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में महंगाई लगभग नहीं है और स्टॉक मार्केट के मूल्य रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। 401(के) निवेशक भी अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि टैरिफ से अमेरिका ट्रिलियन डॉलर कमा रहा है, जिससे देश जल्द ही अपने 37 ट्रिलियन डॉलर कर्ज को चुकाना शुरू कर देगा। इसके अलावा उन्होंने हर नागरिक को कम से कम 2,000 डालर का लाभांश देने की घोषणा की, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह भुगतान कैसे किया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि टैरिफ के कारण अमेरिका में रिकॉर्ड निवेश हो रहा है और हर जगह नए प्लांट और कारखाने खुल रहे हैं। उनका दावा है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि टैरिफ से आयातित सामान महंगे हो सकते हैं और महंगाई पर असर पड़ सकता है। स्टॉक मार्केट और निवेश कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करते हैं। वहीं, 37 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को केवल टैरिफ से चुकाना व्यवहार में चुनौतीपूर्ण होगा। ट्रंप की यह पोस्ट टैरिफ नीति पर बहस को और तेज कर सकती है, क्योंकि इसके दावे और वास्तविक प्रभाव पर अभी भी विवाद जारी है।

सोने-चांदी की चमक फिर लौटी, कीमतों में जोरदार उछाल

नई दिल्ली ।एजेंसी। हफ्ते के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले सकारात्मक संकेतों और अमेरिका में दिसंबर महीने में एक और रेट कट की उम्मीद के चलते निवेशकों का रुझान फिर से कीमती धातुओं की ओर बढ़ा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 दिसंबर डिलीवरी वाला सोना सोमवार का शुरुआत में 1,427 रुपये की बढ़त के साथ 1,22,494 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में यह 1,21,067 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और सोमवार को 1,21,768 रुपए पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 1,21,768 के न्यूनतम स्तर से चढ़कर 1,22,498 रुपए तक पहुंच गया। चांदी की कीमतों में भी बड़ी तेजी दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 2,942 रुपए की उछाल के साथ 1,50,660 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही थी। पिछले सत्र में यह 1,47,728 रुपए पर बंद हुई थी और सोमवार को 1,49,540 रुपए पर खुली। शुरुआती कारोबार में चांदी का उच्चतम स्तर 1,50,799 रुपए प्रति किलोग्राम तक गया। अक्टूबर में सोने की कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंचने के बाद गिरावट आई थी, लेकिन अब फिर तेजी लौटी है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में कमजोरी, जॉब मार्केट में गिरावट और लंबे शटडाउन के कारण उपभोक्ता भावनापर असर पड़ा है। इससे बाजार में यह उम्मीद बढ़ी है कि फेडरल रिज़र्व दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। यही वजह है कि निवेशक एक बार फिर सुरक्षित निवेश विकल्पों में सोना और चांदी की ओर लौट रहे हैं।

मेष- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। जमीन जायदाद से जुड़ा कोई मामला दूर होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा, नहीं तो साथी से उनकी खटपट चलती रहेगी। आपकी प्रमोशन आदि मिलने की संभावना है, लेकिन इसके साथ-साथ आपको कहीं बाहर भी जाना पड़ सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। मित्रों के साथ आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। जीवनसाथी को कामों में कुछ मुश्किल आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। आपको अपने खर्चों को काबू में करना होगा, तभी आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बहुत ही सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप बिजनेस में फायदे को लेकर ज्यादा धन जुटा पाएंगे। घूमने फिरने के दौरान आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपको कोई फैसला बहुत ही समझदारी से लेना होगा। आज आपका मन इधर-उधर के कामों में लगेगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोग किसी एक्सपर्ट की राय के बिना आगे ना बढ़ें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। आपको कामों से एक नई पहचान बनेगी। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी, क्योंकि वह आपको कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। आपको वाणी और व्यवहार पर थोड़ा संयम रखना होगा। आपके मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा।

सिंह- आज आप अपने रुके हुए कामों को करने में तेजी लाएंगे, जिस कारण आप काफी व्यस्त रहेंगे। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपकी किसी से खटपट होने की संभावना है। सामाजिक कार्यक्रमों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। दान-धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको बिजनेस में उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन परेशान रहेगा।

कन्या- आज आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा। भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। संतान से आपकी किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती हैं। आप उनके मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको पिछले चली आ रही समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलेगी, जिसमें आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। विद्यार्थियों की कुछ नया करने की इच्छा जागृति हो सकती है। आपको घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। पार्टनरशिप में आप थोड़ा सोच समझकर करें और ऑफिस में आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है, जिसमें आप अपने कामों पर पूरा ध्यान दें। आपके घर किसी इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं। आप साफ सफाई और रखरखाव पर पूरा ध्यान देंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपके किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचना होगा। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपके कामों की गति भी तेज रहेगी।

मकर- आज आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं पर पूरी निगरानी बनाकर रखे। कार्यक्षेत्र में आपको मनपसंद काम मिल सकता है और आप अपने किसी मित्र की मदद के लिए भी आगे आएंगे। किसी सरकारी मामले को लेकर आप लापरवाही ना दिखाएं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको किसी प्रॉपर्टी की डील को थोड़ा सोच समझकर फाइनल करना होगा और उसके जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी मेहनत अधिक होगी और आपके कुछ मित्रों भी साथ देंगे, जिससे आपको एक नई पहचान मिलेगी। आप किसी दूसरे से वाद-विवाद में ना पड़ें। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए अच्छा रहेगा। भाई- बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। परिवार में भी आज माहौल खुशनुमा रहेगा, क्योंकि सभी सदस्यों में एकजुटता बनी रहेगी। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। यदि कोई कानूनी मामला आपको परेशान कर रहा था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। आप अपने पिताजी के मार्गदर्शन में काम करेंगे, तो इससे आपको अच्छे बेनिफिट मिलेंगे।

शब्दजाल - 8076

शब्द जाल में 10 खिलाड़ियों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर एवं तिरछे भी हैं.

सानिया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्लै, सचिन, बाइचुंग भूटिया,गोपीचंद फुलेला, विश्वनाथ आनंद, श्रीनाथ, जहीर खान, महेश भूपति.

सा	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ग	झ	पी
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्दा	नं	घ	चं
ज	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द
क	ही	ग	र	मे	ग	क	फ	या	श	फु
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या

शब्दजाल - 8075 का हल

त	स	आ	त्म	ली	न	षा	गु	बा	प	दे
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्य	त	अ	ला	छा	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ब्ब	फा	प	स	श	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7020

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7019

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श्र	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.39 ब.से
चंद्र	कर्क में	धनु	08.55 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.00 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.47 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.20 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.50 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.30 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.28 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.42 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		सिंह	23.58 बजे से
		कन्या	02.10 बजे से
		तुला	04.21 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 315 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि सप्तमी 23.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 18.18 बजे को समाप्त।
योग शुभ 09.45 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.33 बजे तदनन्तर बव 23.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872525
जूलियन दिन 2460990.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः प्रार्थना का अर्थ

यहूदी गुरु रब्बी बार्डिक्टेव हर व्यक्ति की समस्या का समाधान करते और उन्हें सुख-शांति के उपाय बताया करते थे। एक बार उनके पास एक व्यक्ति आया और हाथ जोड़कर बोला, 'महाराज, मैं एक गरीब गाड़ीवान हूं। गाड़ी चलाकर अपना व परिवार का भरण-पोषण करता हूं। मेरा सारा दिन काम करने में ही बीत जाता है और प्रभु का स्मरण करने का जरा भी वक्त नहीं मिलता। कुछ दिनों से यही सोच-सोचकर मैं परेशान हूं। ऐसे में मेरा कल्याण कैसे हो पाएगा? कृपया आप मुझे कोई रास्ता बताएं।' उस गरीब गाड़ीवान की बात सुनकर बार्डिक्टेव बोले, 'क्या तुम अपनी गाड़ी से ऐसे लोगों को भी गंतव्य तक पहुंचाते हो जो अक्षम व विकलांग हैं और जो तुम्हारा किराया देने में असमर्थ हैं?' गाड़ीवान ने कहा, 'हां, मैं विकलांगों व गरीब लोगों से किराया नहीं लेता और उन्हें सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाता हूं। इसके अतिरिक्त मैं अपनी कमाई के कुछ हिस्से से बेजुबान पशु-पक्षियों को भी खिलाता हूं।' गाड़ीवान की बातें ध्यान से सुनकर गुरु बार्डिक्टेव बोले, 'भइया, तुम्हारे मन में विकलांगों, असहायों, गरीबों व बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दया भावना है और यह भावना किसी प्रार्थना से कम नहीं है। प्रार्थना का उद्देश्य भी अपने जीवन को सार्थक करना है और यह सार्थकता दूसरे रास्तों से भी पाई जा सकती है। ऐसे लोग जो झूठ बोलते हैं, बेईमानी करते हैं, दुराचारी हैं, वे चाहे दिन भर प्रभु का स्मरण करते रहें किंतु प्रभु ऐसे दुराचारी लोगों की प्रार्थना कभी स्वीकार नहीं करते। वे ऐसे लोगों की प्रार्थना स्वीकार करते हैं जो मन, वचन व कर्म से नेक होते हैं और मानवीय गुणों की रक्षा करते हैं। तुम भी प्रभु के ऐसे ही बंदों में से एक हो। इसलिए तुम चिंतामुक्त होकर ऐसे ही अपने कार्य में लगे रहो जैसे अभी लगे हुए हो। तुम्हारा कल्याण स्वतः हो जाएगा।' गुरु बार्डिक्टेव की बातें सुनकर गाड़ीवान संतुष्ट हुआ और अपने काम पर निकल गया ।

सूडोकु नवताल- 7329

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7328 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 8544

बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण,घोड़े की रास-3
3. ध्वज,झंडा-3
5. माहिर,होशियार-2
6. बेल,लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार,धिक्कार-3
14. अधर,होठ-2
15. सलाह,सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान,अंदाज-3
20. आलता,माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा,लाइनू-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख,सौ हजार-2
2. बारीक,सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय,वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल,जोर,दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण,शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान,सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी,निशा-2

शब्द पहेली -8543 का हल

	आ	र	ति		अ	ना	मि	का
आ	ना		ल	जी	ज			र
ले		श	मि		र	न		तू
ख	ल	ब	ला	ना		र	ई	स
	ग		ना		म		मा	
ख	न	न		म	नो	न	न	य
लि		ल	क		रं	ग		ती
हा			हा	फि	ज		का	म
न	स	वा	र		न	ज	ला	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सड़क चौड़ीकरण कार्य में फंसे बिजली के खंभे, दुर्घटनाओं की आशंका!!

लांजी नगर परिषद की लापरवाही

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर परिषद लांजी के अंतर्गत बालाघाट मार्ग और आमगांव मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण कार्य की शुरुआत छह माह पूर्व जोर-शोर से हुई थी। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में यह उम्मीद जगी थी कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना बारिश से पहले पूरी हो जाएगी, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार आएगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। किंतु नगर परिषद के अधिकारियों की उदासीनता के चलते कार्य बीच में ही ठप हो गया, और अब छह माह बाद पुनः शुरू हुए कार्य में भी पुरानी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि सड़क के बीच में खड़े बिजली के खंभे अभी तक नहीं हटाए गए हैं, जबकि डामरीकरण का कार्य जल्द ही पूरा होने वाला है। यदि डामरीकरण के बाद इन खंभों के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो जिम्मेदारी का बोझ किस पर होगा—ठेकेदार पर, नगर परिषद पर या बिजली विभाग पर कार्य की शुरुआत मार्च महीने में हुई थी, जब ठेकेदार ने उत्साहपूर्वक मशीनरी और मजदूरों की तैनाती की। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले माह में अच्छी प्रगति हुई, लेकिन अचानक ठेकेदार ने कार्य रोक दिया। ठेकेदार का तर्क था कि सड़क के बीच में खड़े विद्युत पोलों को हटाए बिना आगे का काम संभव नहीं है। यह खुलासा उस समय हुआ जब गर्मी का मौसम चरम पर था और कोई प्रगति नहीं हो रही थी। जांच में पता चला कि परियोजना के मूल प्रस्ताव में पोल शिफ्टिंग (खंभों को हटाने या स्थानांतरित करने) का कोई प्रावधान ही नहीं था। यह नगर परिषद की गंभीर चूक थी, जिसके कारण ठेकेदार ने काम बंद कर दिया।

इसके बाद नगर परिषद ने हड़बड़ी में पोल शिफ्टिंग का प्रस्ताव तैयार कर बिजली विभाग को भेजा। लेकिन प्रस्ताव की स्वीकृति और कार्यान्वयन में महीनों लग गए। पूरी गर्मी बीत गई, मानसून आ गया और गया, लेकिन सड़क पर कोई हलचल नहीं हुई। स्थानीयजन व्यापारी और वाहन चालक परेशान रहे, क्योंकि अधर में लटका कार्य धूल गिट्टी और कीचड़ का कारण बन रहा था। अब नवंबर में ठेकेदार ने पुनः कार्य शुरू किया है। डिवाइडर निर्माण और सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है, और सूत्रों के अनुसार डामरीकरण का अंतिम चरण जल्द ही पूरा हो जाएगा। किंतु चौंकाने वाली बात यह है कि बिजली के खंभे अभी भी सड़क के ठीक बीच में ज्यों के त्यों खड़े हैं। पोल शिफ्टिंग का प्रस्ताव भले ही भेजा गया हो, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

नगर परिषद के लोग सिर्फ कागजों पर काम करते हैं। अब डामर बिछने के बाद अगर कोई गाड़ी इन खंभों से टकरा गई, तो कौन जिम्मेदार होगा? यह तो दुर्घटना को न्योता देना है। इसी तरह, आमगांव मार्ग नगर परिषद के सामने बने पुलिया पर दोनों ओर स्लेब का निर्माण किये बिना वहां चौड़ीकरण का कार्य नहीं हो पायेगा, जिसका भी जारी कार्य के स्टीमेट में उल्लेख नहीं होना बताया जा रहा है, अर्थात वहां मार्ग चौड़ीकरण नहीं हो सकता, ऐसे में यातायात पहले से ही अव्यवस्थित है। चौड़ीकरण का मतलब था सुगमता, लेकिन खंभे बीच में रह गए तो खतरा बढ़ जाएगा।

नगर परिषद के उपयंत्री की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, उपयंत्री ने परियोजना की निगरानी में लापरवाही बरती। पोल शिफ्टिंग का मुद्दा शुरू से ही अनदेखा किया गया, जिससे ठेकेदार को काम रोकने का बहाना मिला। नगर परिषद उपयंत्री अमित नगपुरे से जब इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि स्टीमेट के लिए प्रस्ताव बिजली विभाग के पास भेजा गया था किन्तु उनके द्वारा भारी भरकम स्टीमेट (सभी पोल हटाने का) बनाकर भेजा था। उन्हें पुनः सिर्फ जो पोल मार्ग के बीच में आ रहें हटाने का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है किन्तु अब तक विद्युत विभाग द्वारा स्टीमेट बनाकर नहीं दिया गया है। स्टीमेट प्राप्त होते ही ठेकेदार से जल्द ही खंभे हटा लिए जाएंगे।

जानकारों का मानना है कि डामरीकरण से पहले पोल शिफ्टिंग अनिवार्य है। यदि ऐसा नहीं हुआ और दुर्घटना हुई, तो ठेकेदार पर अनुबंध उल्लंघन का आरोप लगेगा, नगर परिषद पर प्रशासनिक लापरवाही का और बिजली विभाग पर सहयोग न करने का। कानूनी रूप से, सार्वजनिक सुरक्षा की जिम्मेदारी नगर परिषद की है, इसलिए किसी भी हादसे में वे मुख्य रूप से जवाबदेह होंगे।

यह मामला लांजी नगर परिषद की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। शहरवासी मांग कर रहे हैं कि तत्काल पोल शिफ्टिंग हो और कार्य समयबद्ध पूरा किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो यह परियोजना न केवल व्यर्थ साबित होगी, बल्कि जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ भी बनेगी। नगर परिषद को चाहिए कि उपयंत्री की जवाबदेही तय करे और पारदर्शी जांच कराए।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में छात्रों को किया नि:शुल्क साइकिल वितरित

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल की अध्यक्षता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 18 छात्रों को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत बहेला की सरपंच श्रीमती सुनीता चौरागड़े उपस्थित रहीं। इसके अलावा पंच एवं पालक शिक्षक संघ की सदस्य श्रीमती आशा वानखेड़े, उज्मा खान, गणपत राउत तथा विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। संस्था के प्राचार्य गणेश फरदे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्रीमती अर्चना खोंगल ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की योजना के अनुसार कक्षा 9वीं एवं 6वीं में अन्य गांवों से बहेला में अध्ययन करने वाले सभी छात्रों को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे प्रतिदिन विद्यालय आएं और शिक्षकों के निर्देशों का विधिवत पालन करें।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य गणेश फरदे ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। यह योजना छात्रों की शिक्षा को सुगम बनाने और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले बच्चों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

पुलिस थाना लांजी के जागरूकता शिविर में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण एवं न्यायाधीश/सचिव सतीश शर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के कुशल मार्गदर्शन में 9 नवंबर, 2025 को विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत 卐न्याय की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ卐 न्याय उत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी में किया गया।

प्रीतम शाह, न्यायाधीश/अध्यक्ष व्यवहार न्यायालय लांजी के निर्देशन में आदिवासी वैगा समुदाय बाहुल्य क्षेत्र ग्राम नल्लेझरी में 09 नवंबर 2025 को कानूनी विधिक जागरूकता कार्यक्रम में न्यायालयीन कर्मचारी विजय कुमार भोंडेकर, पीएलव्ही धीरज वाहने द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को विधिक सेवा दिवस का महत्व अपने अधिकारों को जाने और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की योजनाओं की जानकारी दी गई।

इसी तारतम्य में 10 नवंबर को पुलिस थाना लांजी में उपस्थित पक्षकारों हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे न्यायाधीश प्रीतम शाह द्वारा निशुल्क विधिक सहायता मोटर व्हीकल एक्ट नागरिकों के अपने अधिकार एवं पुलिस के अधिकार के संबंध में चर्चा की गई साथ ही किशोर न्याय बोर्ड, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, नेशनल लोक अदालत, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिला एवं बाल अपराध के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के हाल ही में हुए आदेश जिसमें किसी व्यक्ति को यदि पुलिस गिरफ्तार करती है तो पुलिस का कर्तव्य है कि उस व्यक्ति को गिरफ्तार करने का कारण पीड़ित एवं पीड़ित के परिवार को सूचना अवश्य दें। साथ ही न्यायिक रिमांड एवं पुलिस रिमांड के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आईपीसी, सीआरपीसी एवं बीएनएस के धाराओं की जानकारी दी गई। साथ ही पुलिस थाने के बंदीगृह का निरीक्षण भी किया गया।

उक्त कार्यक्रम में थाना प्रभारी दीपसिंह परमार उप निरीक्षक थाना-लांजी, पुलिस स्टॉफ, पक्षकार, पी.एल.व्ही. धीरज वाहने, श्रीमती बिन्देश्वरी मुरकुटे, श्रीमती हेमलता दशहरे उपस्थित रहें।

हेलमेट अभियान के तहत लांजी पुलिस ने की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में लगातार मोटर सायकल दुर्घटनाऐं बढती जा रही है। वहीं मोटर सायकल चालक अब तक सजग नजर नही आ रहे है वाहन चलाते समय हमे हेलमेट का प्रयोग करना चाहिये। जिले में नो हेलमेट नो राईड अभियान भी चलाया जा रहा है कि जनता इस महत्वपूर्ण उद्देश्य को समये और मोटर सायकल चलाते समय आवश्यक रूप से हेलमेट का प्रयोग करे। लेकिन वर्तमान में देखने मे आ रहा है कि बहुत ही कम लोग या कुछ प्रतिशत जनता ही हेलमेट का प्रयोग करते दिखाई दे रही है। दुसरी ओर लगातार सड़क दुर्घटनाऐं सामने आ रही है जिसमें वाहन चालको को सर में गंभीर चोट लगने के चलते अनेको अनहोनी घटनाऐं घटित होती है लोगो की जान तक पर बन आती है। इसलिये पुलिस प्रशासन के द्वारा रोजाना समझाईश दी जा रही है कि हेलमेट का प्रयोग करे और इसी निमित्त चालानी कार्यवाही भी पुलिस करते नजर आ रही है। 10 नवंबर को भी लांजी पुलिस के द्वारा थाना परिसर के सामने सुभाष चौक में अस्थाई जांच नाका बनाकर मोटर सायकल सवारों को रोका गया तथा उनसे हेलमेट नही पहने जाने को लेकर चालानी कार्यवाही कि गई जिसमें लगभग 21 वाहन चालकों से 6300 रूपये समंस शुल्क वसुला जाकर समझाईश दी गई कि रोजना हेलमेट का प्रयोग करे जिसमें आपकी ही सुरक्षा है। स्वयं भी नियमों का पालन करें तथा आस पडोसियों को भी जागरूक करे कि बिना हेलमेट वाहन ना चलाये। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी दीपसिंह परमार के मार्गदर्शन में पुलिस थाना लांजी के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा की गई।

मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत 08 विद्यार्थियों को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। महर्षि वाल्मिकी योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र छात्राओं को नीट परीक्षा में सफल होकर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने पर 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत जिले के 08 छात्र छात्राओ को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि मंजूर की गई है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि महर्षि वाल्मिकी योजना के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर में प्रवेश लेने वाले वार्ड नं.09 कटंगी के छात्र आर्यन बिंझोड़े, सुखसागर मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल जबलपुर में प्रवेश लेने वाले संचेती नगर लालबर्रा के शिखर डोंगरे, एलएन मेडिकल एंड रिसर्च सेंटर कॉलेज भोपाल में प्रवेश लेने वाले वारासिवनी के छात्र शशांक मेश्राम व लालबर्रा तहसील के ग्राम मोहगांव (जाम) के सिद्धांत, शासकीय श्याम साह मेडिकल कॉलेज रीवा में प्रवेश लेने वाले किरनापुर तहसील के ग्राम मौदा के ओम नागेश्वर, श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर में प्रवेश लेने वाले चांदनी चौक तिरोडी के हर्षल मेश्राम, शासकीय मेडिकल कॉलेज रतलाम में प्रवेश लेने वाले लांजी तहसील के ग्राम अंधियाटोला की मनीषा डोंगरवार एवं आरडी मेडिकल कॉलेज उज्जैन में प्रवेश लेने वाली लांजी तहसील के ग्राम कुल्पा की अदिती रामटेके को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि मंजूर की गई है। सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के इन विद्यार्थियों ने वर्ष 2025 में नीट परीक्षा में सफल होने के बाद एमबीबीएस में प्रवेश लिया है और अध्ययन कर रहे है। प्रत्येक छात्र को 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है।

जीर्ण-शीर्ण यात्री प्रतिक्षालय किया जाये जमींदोज

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत पालडोंगरी के बस स्टैण्ड स्थित यात्री प्रतिक्षालय की हालत जीर्ण शीर्ण हो चूकी है जिसको लेकर ग्रामीण जनों के द्वारा ग्राम पंचायत में 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभा में उक्त यात्री प्रतिक्षालय को जमींदोज या नष्ट किये जाने को लेकर पंचायत को तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा गया था। इसी कड़ी ग्राम पंचायत के द्वारा भी विगत 10 अक्टूबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को उक्त यात्री प्रतिक्षालय नष्ट करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। पत्र में उल्लेख है कि उक्त प्रतिक्षालय बस स्टैण्ड पालडोंगरी में वर्ष 1997 - 98 में निर्मित किया गया था। जिसको लगभग 27 वर्ष पूर्ण हो चुके जो कि अब अत्यंत जीर्ण शीर्ण जर्जर अवस्था में पंहुच चुका है तथा ग्रामीण जनों एवं अन्यत्र स्थानो से आने जाने वाले लोगो के द्वारा इस यात्री प्रतिक्षालय का दुरूपयोग किया जा रहा है यहां तक की इसे शौचालय बना दिया गया है रोजाना बेहद दुर्गंध इस प्रतिक्षालय से आती है। वहीं यह प्रतिक्षालय मार्ग के किनारे होने के चलते दुर्घटनाऐं भी सामने आई है। इसलिये हम चाहते है कि उक्त यात्री प्रतिक्षालय जमींदोज कर दिया जाये एवं बस स्टैण्ड में दुसरा यात्री प्रतिक्षालय भी है। ग्रामीण जनों ने कहा कि अतिशिघ्र उक्त प्रतिक्षालय नष्ट किया जाये जो कि विगत 1 माह से पत्र प्रेषित करने के बावजूद आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नही की गई है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन कैबिनेट की महिलाओं और किसानों को सौगात

कल लाड़ली बहनों के खातों में आएंगे 1500 रूपये

-भावांतर योजना से 1300 प्रति क्विंटल सोयाबीन के दाम देगी सरकार

भोपाल। मप्र में एक करोड़ 26 लाख लाड़ली बहनों के खातों में 12 नवंबर को 1500 रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लाडली बहनों को 250 रुपए प्रतिमाह बढ़ाकर देने को मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को केवडिया में रहेंगे, इसलिए बैठक सोमवार को की गई। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री ने भाई दूज के दिन घोषणा की थी कि लाड़ली बहनों को 250 रुपए बढ़ाकर 1250 रुपए की जगह 1500 रुपए दिए जाएंगे। 1 करोड़ 26 लाख लाड़ली बहनों को मार्च 2023 से अब तक करीब 44 हजार करोड़ रुपए दिया जा चुके हैं। इस साल करीब 20,450 करोड़ खर्च होंगे। मुख्यमंत्री यह राशि सिवनी से सिंगल क्लिक के जरिए ट्रांसफर करेंगे।

मंत्री काश्यप ने बताया कि 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती के मौके पर जबलपुर और आलीराजपुर में दो बड़े कार्यक्रम होंगे। जबलपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे। इसी दिन सभी जिलों में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम होंगे। इनमें शिक्षा, खेल के क्षेत्र में जनजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

1.60 लाख किसानों ने बेचा सोयाबीन

एक लाख 60 हजार किसानों ने करीब 2 लाख 70 हजार सोयाबीन बेचा है। अब प्रतिदिन का रेट जारी होगा। इस पारदर्शी योजना के जरिए किसानों को बड़ा फायदा मिलेगा। सिंगल क्लिक पेमेंट के माध्यम से फसल के नुकसान का मुआवजा दे दिया गया है।

भावांतर से सोयाबीन के 1300 रुपए देगी सरकार

भावांतर योजना में 14 दिन में पहला मॉडल रेट निकाला जाएगा। सोयाबीन के मामले में यह योजना देश में सबसे सफल रूप से एमपी में ही लागू हो पाई है। एमपी में सोयाबीन का मॉडल रेट 4036 रुपए प्रति क्विंटल निकला है। अब हर रोज भाव निकाल रहे हैं। 13 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देवास से करीब 1 लाख 32 हजार किसानों को 300 करोड़ रुपए भावांतर राशि का भुगतान बैंक खातों में करेंगे। प्रति क्विंटल करीब 1300 रुपए का भुगतान किसानों के खातों में किया जाएगा।

दिलीप बिल्डकॉन कंपनी का 4 करोड़ 5 लाख का फर्जी चैक बनाने वाले को 3 साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने साल 2019 में दिलीप बिल्डकॉन कंपनी भोपाल का फर्जी चैक बनाकर 4 करोड़ 5 लाख रुपए निकालने की नाकाम कोशिश करने वाले आरोपी जमील अहमद को सुनवाई पूरी होने के बाद 3 साल की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। फैसला अपर सत्र न्यायाधीश अतुल सक्सेना की कोर्ट ने दिया है। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक आकिल अहमद और सुधा विजय सिंह भदौरिया ने पैरवी की है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले का रहने वाले आरोपी जमील ने मौलाना अबुल कलाम आजाद मायनोरिटी एजुकेशनल अकादमी के बैंक खाते में चैक से पैसे लेने की कोशिश की थी। मामला 4 फरवरी 2020 का है। जानकारी लगने पर दिलीप बिल्डकॉन कंपनी भोपाल के अध्यक्ष भरत सिंह ने एसटीएफ में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया की आरोपी जमील ने 11 नवंबर 2019 को रामपुर उत्तर प्रदेश में एक्सिस बैंक शाखा मौलाना अबुल कलाम आजाद मायनोरिटी एजुकेशनल अकादमी बैंक खाते में चैक लगाकर पैसे निकालने का प्रयास किया था। यह भी पता चला की आरोपी जमील ने जिस फर्जी चैक को भुगतान के लिए लगाया था। उससे पहले भुगतान हो चुका था। जमील ने फर्जी चैक के जरिए 4 करोड़ 5 लाख 55 हजार रुपए निकालने की कोशिश की थी। लेकिन, असली चेक केवल 1 हजार 300 रुपए का था। जिसे 7 अक्टूबर 2019 को सुनील रानू पवार जारी कर उसका 12 दिसंबर को आहरण किया जा चुका है। जांच में आरोपी की पहचान जुटाने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा कोर्ट में पेश किये गये कागजी दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

10 डिग्री ठंड में सोए 400 किसान, तिरपाल ओढ़कर बिताई रात

धान की नीलामी के लिए 30 घंटे का इंतजार

भोपाल। रायसेन में 10 डिग्री की कड़ाके की ठंड के बीच रविवार को पहुंचे करीब 400 किसानों को खुले आसमान के नीचे रात बितानी पड़ी। अपनी धान की उपज बेचने आए इन किसानों को मंडी समिति की ओर से कोई सुविधा नहीं मिली, जिससे उन्हें ठंड और ओस का सामना करना पड़ा। यह किसान दशहरा मैदान में अपनी उपज लेकर पहुंचे थे और नीलामी के इंतजार में रात भर जागने को मजबूर हुए।

दशहरा मैदान में पहुंचे किसानों ने बताया कि ओस गिरने से उनके कंबल और कपड़े गीले हो गए थे। उन्हें अपनी धान की उपज को तिरपाल से बचाने के साथ-साथ खुद को भी उसी तिरपाल से ढकना पड़ा। इस कारण उन्हें पूरी रात जागकर बितानी पड़ी। बीते तीन दिनों से रायसेन में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। किसान अपनी धान की उपज लेकर एक दिन पहले ही पहुंच गए थे और उन्हें नीलामी के लिए 25 से 30 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसका मुख्य कारण धान की बंपर

आवक है। प्रतिदिन 25 से 30 हजार क्विंटल धान मंडी में पहुंच रही है, जिससे करीब एक हजार ट्रॉलियां दशहरा मैदान में जमा हो जाती हैं।

नीलामी में देरी से भी परेशानी

व्यापारियों द्वारा सुबह 11 बजे से नीलामी शुरू की जाती है, जो दोपहर के भोजन के बाद ढाई से तीन बजे के बीच फिर से शुरू होती है। अधिक आवक के कारण किसान नीलामी से पहले ही अपनी उपज लेकर दशहरा मैदान पहुंचने लगते हैं, जिससे उन्हें खुले में रात बितानी पड़ती है। बैरसिया तहसील के किसान महेश कुमार भार्गव ने भास्कर से बातचीत में बताया कि वे रविवार को ही अपनी धान लेकर दशहरा मैदान पहुंच गए थे। उन्हें तेज सर्दी के बीच रात गुजारनी पड़ी क्योंकि मंडी समिति की ओर से अलाव की कोई व्यवस्था नहीं थी। ओस और कड़ाके की ठंड के कारण उन्हें नींद नहीं आई।

अव्यवस्था से लगता है जाम

किसानों ने यह भी बताया कि यहां किसान अपने हिसाब से ट्रॉलियां खड़ी करते हैं, जिससे कई बार जाम की स्थिति बन जाती है और ट्रॉलियां फंस जाती हैं। हालांकि, मंडी समिति ने इस साल बोर्ड लगाकर उन पर नंबर लिखे थे, जिनके आधार पर किसानों को अपनी धान की ट्रॉलियां खड़ी करनी थीं, लेकिन व्यवस्था अभी भी सुचारु नहीं है। रायसेन जिले में करीब 3 लाख हेक्टेयर में धान की फसल की गई है। इस हिसाब से अधिक आवक होने के कारण बीते कई सालों से मंडी के पास ही स्थित दशहरा मैदान को अस्थाई धान नीलामी के लिए मंडी बनाया जाता है। मंडी की क्षमता 200 ट्रॉलियों की है, जबकि आवक हजार ट्रॉलियों की हो रही है। जिस कारण दूर-दूर से किसान अपनी धान की उपज लेकर दशहरे मैदान पहुंचते हैं, पर यहां खुले आसमान के नीचे किसानों को रात बिताना पड़ती है।

पचमढ़ी-मढ़ई हेलिकॉप्टर यात्रा 20 नवंबर से शुरू होगी

भोपाल से डेढ़ घंटे में पचमढ़ी पहुंचेंगे; आसमान से दिखेंगी सतपुड़ा की वादियां

भोपाल । मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का प्रवेशद्वार मढ़ई अब हवाई मार्ग से भी जुडऩे जा रहे हैं। पर्यटकों के लिए 20 नवंबर से पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो रही है। इसमें भोपाल से पचमढ़ी और पचमढ़ी से मढ़ई तक हेलिकॉप्टर से तेज और सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिलेगी।

वर्तमान में 200 किमी दूर पचमढ़ी पहुंचने में सडक़ मार्ग से 4.5 से 5 घंटे लगते हैं। हेलिकॉप्टर सेवा के शुरू होने के बाद पर्यटक भोपाल-पचमढ़ी सिर्फ 45 मिनट में और पचमढ़ी-मढ़ई मात्र 30 मिनट में पहुंच सकेंगे। पर्यटक अब सडक़ के साथ हवाई यात्रा से भी पचमढ़ी और मढ़ई पहुंच सकेंगे। अनुमानित 2500 रुपए से यात्री हवाई यात्रा का आनंद ले सकेंगे (आधिकारिक किराया अभी जारी नहीं)। राज्य के 70वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यटन और विमानन क्षेत्र की कई नवाचारी सेवाओं का शुभारंभ किया, जिनमें शामिल हैं। इनमें पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा, डिजी यात्रा सुविधा, फ्लाईब्रेरी, किड्स प्ले जोन, राजा भोज एयरपोर्ट के उन्नयन कार्य, सप्ताह में 5 दिन मिलेगी सेवा, दो दिन रहेगी छुट्टी,हेलिकॉप्टर सेवा सप्ताह में 5 दिन चलेगी। बुधवार और गुरुवार को सेवा बंद रहेगी। पीपीपी मॉडल के तहत यह सेवा संचालित होगी। सेक्टरों के लिए तीन साल का अनुबंध किया गया है। सेक्टर-1= ट्रांस भारत एविएशन। सेक्टर-2 और 3= जेट सर्व एविएशन प्रा. लि.।

एक हेलिकॉप्टर में 6 यात्री बैठ पाएंगे

सफर एक साथ 6 यात्रियों के साथ पूरा किया जाएगा।इससे परिवार और छोटे ग्रुप आसानी से यात्रा कर सकेंगे।आसमान से सतपुड़ा की हरी-भरी वादियों, पहाड़ों और टाइगर रिजर्व के घने जंगलों का दृश्य पर्यटक लाइव देख पाएंगे। कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि यह सेवा पर्यटन को नई ऊंचाई देगी। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक तेज, सुरक्षित और रोमांचक यात्रा कर सकेंगे। हवाई सफर से सतपुड़ा की वादियां और टाइगर रिजर्व की खूबसूरती आसमान से और भी मनमोहक दिखेगी।

पचमढ़ी में हेलीपैड तैयार, पर्यटकों की सुविधा पर जोर

पचमढ़ी में हेलीपैड का निर्माण पूरा हो चुका है।यात्रियों के लिए बैठने, सुरक्षा, गाइडेंस और टिकटिंग जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रदेश में पहले चरण में तीन प्रमुख सेक्टरों में सेवा शुरू होगी। इनमें भोपाल, पचमढ़ी, मढ़ई। इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर और जबलपुर, कान्हा, बांधवगढ़ तक होगी।

ओंकारेश्वर परियोजना की लागत बढ़ाकर की गई 2424 करोड़

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कश्यप ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट ने आदि शंकराचार्य को समर्पित ओंकारेश्वर एकात्म धाम परियोजना की पुनरीक्षित लागत को मंजूरी दी है। पहले इस परियोजना की लागत 2195 करोड़ रुपये थी, जिसे बढ़ाकर अब 2424.369 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसमें 228 करोड़ की लागत बढ़ गई है। साथ ही सभी शासकीय भवनों पर सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। अभी जिला स्तर पर शुरुआत होगी। जिला मुख्यालयों पर 20 किलोवाट के प्लांट लगेंगे। मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी क्रांति गौड़ को सरकार की तरफ से एक करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

कैबिनेट ने किसानों के हित में भावांतर योजना को और मजबूत करते हुए 4036 रेट को लागू किया है। इसे प्रदेश में 'रोल मॉडल योजना' के रूप में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री 13 नवंबर को देवास से किसानों के खातों में भावांतर की राशि ट्रांसफर करेंगे। जनहित में एक और अहम निर्णय लेते हुए कैबिनेट ने खंडवा जिले के मांधाता में जिला न्यायालय खोलने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इसके लिए सात नये पद सृजित किए गए हैं। कैबिनेट ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राज्य स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम जबलपुर और आलीराजपुर में आयोजित होंगे, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आज से रीवा-दिल्ली हवाई सेवा शुरू

सीएम बोले- पहले रीवा के लिए रेल तक नहीं थी, अब विमान जा रहे

भोपाल। रीवा और दिल्ली के बीच सोमवार को विमान सेवा की शुरुआत हो गई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने 72 सीटर विमान सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्रालय से दिल्ली-रीवा हवाई सेवा के वर्चुअल शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, रीवा-दिल्ली हवाई सेवा के शुभारंभ के अवसर पर मुझे प्रसन्नता हो रही है। 24 घंटे के हवाई यातायात से रीवा जुड़ रहा है। पूरा विंध्य के क्षेत्र में पुराने जमाने में मुख्यमंत्री भी रहे, बड़े-बड़े लोग रहे। लेकिन, कैसी स्थिति थी मैं अपनी बात बताता हूं कि मुझे तो रेल भी नहीं मिलती थी। रीवा तक जाने के लिए सतना तक रेल से जाते थे। रीवा तक आने के लिए रेल भी नहीं थी और अब रीवा को हवाई जहाज इंदौर से भी मिलेगा और दिल्ली से मिल रहा है। रीवा से दिल्ली के बीच विमान सेवा सप्ताह में तीन दिन चलेगी। अलाइंस एयर एविएशन कंपनी की 72 सीटर फ्लाइट मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को चलेगी।

सीएम ने कहा कि मैहर की शारदा माता हों, चित्रकूट के राम हों हमारे तीर्थ स्थलों के लिए हवाई सेवा मिलेगी। प्रधानमंत्री जी ने उडान योजना से हवाई अड्?डों को जोडऩे का प्रयास किया है। रीवा सीधी सिंगरौली सतना इस पूरे माइनिंग के सेक्टर में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। हवाई पट्?टी को बड़ा करने और 24 घंटे हवाई यातायात शुरू करने के लिए बिजली की गति से काम हुआ है। सीएम ने कहा, स्थापना दिवस के मौके पर सारी औपचारिकता पूरी हुई थी और आज हवाई जहाज दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार है। इस हवाई यातायात की कई कारणों से आवश्यकता है। राज्य के अंदर वित्तीय संचालन के लिए जबरदस्त लाभ मिलेगा। रीवा से दिल्ली जाने में 15 घंटे लगते हैं अब 120 मिनट लगेंगे। अब मात्र तीन घंटे में दिल्ली से रीवा पहुंचेंगे। रीवा में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा से भोपाल जो फ्लाइट चलती है वो केन्द्र सरकार की स्कीम से चलती है।

6 करोड़ देने के बाद भी नहीं हटी आरा मशीने

भोपाल। शहर के बीचोंबीच स्थित लकड़ी बाजार जहां मेट्रो के अंडरग्राउंड राह में रोड़ा है। वहीं दूसरी ओर यह बारूद के ढेर से कम नहीं है। रविवार रात आगजनी की घटना के बाद प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े किये जाने लगे हैं। इसलिये भी कि वह 18 एकड़ जमीन और 5.85 करोड़ रुपए देने के बाद भी बीते ड़ेढ़ साल में इनकी शिफ्टिंग नहीं करा पाया है।

दरअसल पातरा पुल इलाके में स्थित 108 आरा मशीनों वाला लकड़ी बाजार रविवार रात आग की चपेट में फंस गया था। यहां 6 आरा मशीनें पूरी तरह से जल गईं। जिससे करीब ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान जहां अनुमान है। वहीं इसके बाद इलाके में दहशत पसर गई है। इसके नजदीक ही रेलवे ट्रैक भी है। जिसके चलते आगजनी की दुर्घटनाओं के मामले में जानमाल के नुकसान की संभावना अधिक बढ़ जाती है।

अब जल्दी शिफ्टिंग का दावा

इस मामले में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आरा मशीनों की शिफ्टिंग जल्द करने का दावा किया है। रविवार रात आग लगने की घटना के बाद वे भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया- छोटा रातीबड़ में जमीन डेवलप की जा रही है। जल्द ही काम पूरा करेंगे और फिर वहां टिंबर मार्केट को शिफ्ट कर देंगे।

आरा मशीनों की वजह से ही अटका मेट्रो का दूसरा फेज

भोपाल में मेट्रो की ऑरेंज लाइन, एम्स से करोंद के बीच 14.99 किमी में बन रही है। एम्स से सुभाषनगर (6.22 किमी) के बीच प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है और मेट्रो के कमर्शियल रन की तैयारी है। इसी लाइन के दूसरे फेज सुभाषनगर से करोंद (8.77 किमी) तक का काम आरा मशीनों की वजह से अटका हुआ है। दरअसल, मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के लिए कुल 108 में से 46 मशीनें पहले शिफ्ट होंगी, लेकिन ऐसा नहीं होने से अंडरग्राउंड रूट का काम प्रभावित हो रहा है।

सबसे पहले 2007 में उठी थी शिफ्टिंग की बात

इन आरा मशीनों को छोटा रातीबड़ से पहले कबाडख़ाना, ऐशबाग स्टेडियम के पास, गोविंदपुरा से लेकर ट्रांसपोर्ट नगर और चांदपुर में शिफ्ट करने के प्रयास हुए थे, लेकिन बात नहीं बन सकी। करीब दो साल पहले पहली बार आरा मशीन संचालकों को नोटिस जारी कर छोटा रातीबड़ में शिफ्ट होने का ऑप्शन दिया गया। कहा गया कि वे शिफ्ट नहीं होंगे तो हटा दिया जाएगा। इसके बाद सभी संचालकों ने लिखित में दिया था कि वे शिफ्ट होने के लिए तैयार हैं। जमीन जिला उद्योग केंद्र को दी गई थी। फिर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने टेंडर कॉल किए थे। बता दें कि आरा मशीनों में हर साल आग की बड़ी घटनाओं को देखते हुए करीब 30 किलोमीटर दूर परवलिया के छोटा रातीबड़ में शिफ्ट करने की योजना प्रशासन ने बनाई है।

ट्राइबल बेल्ट में फिर बढ़ाएगी पहुंच, आज से निकाली जाएगी जनजातीय गौरव यात्रा

पार्टी का जनाधार मजबूत करने में जुटी भाजपा

भोपाल । मध्यप्रदेश में भाजपा ने एक बार फिर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। पार्टी ने जनाधार दोबारा बढ़ाने और 'किंगमेकर' माने जाने वाले ट्राइबल वोटर्स से जुड़ाव बढ़ाने के लिए विशेष अभियान की शुरुआत की है। बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर होने वाली गौरव यात्रा का आयोजन कर रही है। 11 नवंबर से 15 नवंबर तक यह यात्राएं आदिवासी बाहुल्य जिलों की विधानसभा सीटों पर निकाली जाएगी। बिरसा मुंडा जयंती (15 नवंबर) को जबलपुर और आलीराजपुर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली संबोधित करेंगे। प्रदेश की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इनमें से फिलहाल भाजपा के पास 25 सीटें हैं। हालांकि 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को इस क्षेत्र में नुकसान उठाना पड़ा था।

जिन ट्राइबल इलाकों में भाजपा का फोकस है उनमें झाबुआ, अलीराजपुर, खरगोन, बड़वानी, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा, सीधी और सागर समेत अन्य जिलों में यह 47 सीटें शामिल हैं। भाजपा ने इन इलाकों में बूथ स्तर

तक संगठन को सक्रिय करने और आदिवासी युवाओं व महिलाओं से सीधे संवाद की योजना बनाई है। इन यात्राओं में जनजातीय स्वाभिमान सम्मेलन, विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान, देवस्थानों की साफ-सफाई, दीपोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक यात्रा का रात्रि विश्राम गांवों में होगा ताकि कार्यकर्ता सीधे जनजातीय समाज से संवाद कर सकें।

2023 में बढ़ा जनाधार, अब लक्ष्य 2028 पर

पार्टी रणनीतिकारों के अनुसार, आदिवासी वर्ग ने पिछले कुछ वर्षों में भाजपा की योजनाओं से जुड़ाव बढ़ाया है। 2018 में भाजपा को ट्राइबल क्षेत्रों में सिर्फ 16 सीटें मिली थीं, जबकि 2023 में यह संख्या बढक़र 25 तक पहुंच गई। अब पार्टी का प्रयास इन इलाकों में फिर से अपनी पुरानी बढ़त कायम करने का है। 2023 के चुनावों में इस वर्ग के वोटों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब लक्ष्य 2028 के चुनाव तक इन सीटों पर बहुमत हासिल करने का है। वहीं, जुलाई 2024 में हुए अमरवाड़ा उपचुनाव में भाजपा को एक और सीट मिलने से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है। पार्टी मानती है कि यह नतीजा आदिवासी क्षेत्रों में उसके बढ़ते प्रभाव का संकेत है।

अब घर बैठे किसान ले सकेंगे खाद

मोबाइल से मिलेगा टोकन, नहीं लगानी पड़ेगी लाइन

भोपाल ।मध्य प्रदेश में खेती करने वाले किसान सबसे ज्यादा परेशानी खाद खरीदने में उठा रहे हैं। खाद खरीदने के लिए लंबी लाइन लगानी पड़ती हैं इसमें कालाबाजारी भी बहुत है लेकिन जबलपुर विदिशा और रायसेन में चलने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट में इस समस्या का समाधान निकाल लिया गया है। यहां ई-टोकन की एक नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके जरिए अब किसानों को लाइन लगाने की जरूरत नहीं है और कोई खाद कारोबारी इसकी कालाबाजारी भी नहीं कर पाएगा।

मध्य प्रदेश में रोजगार का सबसे बड़ा साधन कृषि है और लोग बड़े पैमाने पर खेती करते हैं। खेती में रासायनिक खाद की जरूरत पड़ती है। रासायनिक खाद सरकार सहकारी समितियां के माध्यम से बेचती है या फिर निजी दुकानदारों के माध्यम से किसान खरीद सकता है। लेकिन खाद की किल्लत के बीच इसमें कालाबाजारी के भी मामले सामने आने लगे, जिसके बाद ई-टोकन की व्यवस्था की जा रही है।

बीते कुछ सालों से रासायनिक खाद की कमी की वजह से किसानों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है किसानों को सरकारी डबल लॉक सिस्टम की गोदाम से खाद उपलब्ध करवाई जाती है। यहां लंबी लाइन लगती हैं, कई दिनों तक किसान इंतजार करता है। पिछले साल रबी और खरीफ दोनों ही सीजन में किसानों को खाद की कमी की वजह से परेशानियां उठानी पड़ी।

जब बाजार में उपलब्धता कम होती है तब इसी समस्या को अवसर मानते हुए खाद के प्राइवेट डीलर खाद के दाम बढ़ा देते हैं। और बड़े पैमाने पर कालाबाजारी होती है।इसी समस्या से निपटने के लिए सरकार ने सबसे पहले आधार कार्ड आधारित खाद्य वितरण प्रणाली शुरू की थी, जो अभी भी मध्य प्रदेश में लागू है।

बाबर आजम सबसे तेजी से 15000 रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज बने

पाक ने तीसरे एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका को हराया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 15000 रन पूरे कर लिए हैं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में ये उपलब्धि हासिल की है। अब वह 15000 रन बनाने वाले पाक के पांचवें बल्लेबाज बने हैं हालांकि उन्होंने यह आंकड़ा 370 पारियों में ही हासिल कर लिया। अब वह सबसे तेजी से 15000 रन बनाने वाले पहले पाक क्रिकेटर बन गये हैं। इससे पहले इंजमाम-उल-हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद ने भी ये आंकड़ा हासिल किया था।

बाबर से पहले पाक ही अन्य बल्लेबाजों को इतने रनों तक पहुंचने के लिए 400 से 550 पारियां खेलनी पड़ी थीं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 32 गेंद में 27 रन बनाये। अब तक 329 मैचों में बाबर ने 45.46 की औसत से 15004 रन बनाए हैं, जिसमें 31 शतक और 104 अर्धशतक शामिल हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 196 है।

इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.5 ओवर में ही 143 रन पर आउट हो गयी। पाक की ओर से अबरार अहमद ने 27 रन देकर चार विकेट लिये जबकि शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद नवाज और आगा सलमान ने दो-दो विकेट लिए।

इसके बाद पाकिस्तान ने 25.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 144 रन बनाकर ये मैच जीत लिया है। वहीं इससे पहले पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फखर जमान को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने सैम अयूब के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन बनाये। इसके बाद बाबर 27 रनों पर बदकिस्मती से रन आउट हो गये। ऐसे में मोहम्मद रिजवान ने सैम अयूब के साथ 65 रनों बनकार अपनी टीम को जीत दिलायी। अयूब ने 70 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए 77 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से नांद्रे बर्गर और ब्योर्न फोर्टेन ने एक-एक विकेट लिया। अबरार अहमद प्लेयर ऑफ द मैच और क्विंटन डी कॉक प्लेयर ऑफ द सीरीज बने।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक और लुआन-द्रे प्रेटोरियस ने पहले विकेट के लिए 72 रन बनाये। डी कॉक 53 रन के अलावा उसे शुरआती बल्लेबाज विफल रहे। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 37.5 ओवर में ही 143 रनों पर आउट हो गयी। कप्तान मैथ्यू ब्रीत्जके ने 16 और एन पीटर 16 रन बनाये।

युवराज ने अभिषेक की प्रशंसा करने के साथ ही किया एक अहम खुलासा

किसी भी हालात में अपना बल्ला नहीं देता

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। युवराज अभिषेक के गुरु हैं और ऐसे में उन्होंने अपने चेले को लेकर एक अहम खुलासा भी किया है। युवी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अभिषेक से कुछ भी मांग लो पर उसका बल्ला नहीं मांगो क्योंकि वह किसी भी हालत में उसे नहीं देगा। उसके पास दस बल्ले है पर वह कहेगा कि उसके पास दो ही बल्ले हैं। अभिषेक ने पदार्पण के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है। एशिया कप के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी पांच टी20 मैचों की सीरीज में सबसे अधिक कुल 163 रन बनाए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला। उनकी इस बल्लेबाजी के कारण ही भारतीय टीम ने 2-1 से सीरीज जीती जबकि दो मैच बारिश के कारण नहीं हो पाये। ऑस्ट्रेलिया सीरीज समाप्त होने के बाद युवराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा, जिसमें उन्होंने अभिषेक का सबसे बड़ा सीक्रेट बताया है। उन्होंने वीडियो में कहा, आप इस आदमी से कुछ भी ले सकते हो पर बल्ला नहीं ले सकते। कोई भी इससे बल्ला नहीं ले सकता। यह किसी भी हालात में अपना बल्ला किसी को भी नहीं देता। इसके पास 10 बल्ले होंगे तो भी कहेगा कि मेरा पास दो ही हैं। फिर किट बैग से दो बल्ले और निकलते हैं। वहीं चार बल्ले घर में पड़े होते हैं। यह मेरे सारे बल्ले ले गया पर मैंने कभी मना किया। इसके बाद भी अपना बल्ला किसी को नहीं देता। युवराज जब यह खुलासा कर रहे थे, उस वक्त अभिषेक मुस्कुरा रहे थे। अभिषेक ने पिछले साल जुलाई 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इस क्रिकेटर ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 29 टी20 मैचों में 1012 रन बनाये हैं। उन्होंने गाबा में रद्द हुए मैच में 13 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 528 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की और सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्या ने 573 गेंदों में 1000 रन बनाए थे।

अमला के तीन पसंदीदा क्रिकेटरों में रोहित पहले नंबर पर शामिल

जोहांबग। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला ने टी20 क्रिकेट के तीन शीर्ष खिलाड़ियों के नामों का खुलासा किया है। अमला के अनुसार ये उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं। इसमें पहला नाम भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का है। अमला ने बताया कि रोहित के शॉट खेलने की सहज अंदज और क्लास उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग बनाती है।अमला ने कहा, रोहित अब भी मेरे पसंदीदा बल्लेबाजों में से एक हैं। उनके शॉट्स में जो सहजता है, वो टी20 क्रिकेट में काफी कम देखने को मिलती है। उन्हें खेलते हुए देखकर हमेशा खुशी मिलती है। रोहित ने साल 2024 में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप जिताने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था पर वह अभी भी एकदिवसीय और आईपीएल में खेलते हैं।

वीनस को ऑकलैंड क्लासिक के लिए मिला वाइल्ड कार्ड

वॉशिंगटन। अमेरिका की दिग्गज टेनिस स्टार ~ वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में अगले साल की शुरुआत में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में खेलेंगी। वीनस को इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। ऑकलैंड क्लासिक 5 से 11 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा। इससे 18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए अभ्यास का अभी अच्छा अवसरा मिलेगा।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस लंबे ब्रेक के बाद इसी साल में प्रतियोगिता में लौटीं थी। उन्होंने वाशिंगटन में विश्व नंबर 35 पेटन स्टर्न्स को हराकर शानदार वापसी की थी। इससे वह महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे अधिक उम्र की खिलाड़ी बनी थी। इसके बाद भी उन्हें एकल और युगल में अमेरिकी ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला है। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से मुकाबला किया और कनाडा की लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं थी।

धोनी ने प्रशंसक की मोटरसाइकिल के टैंक पर दिया ऑटोग्राफ

रांची । भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को संन्यास लिए काफी समय हो गया है पर अभी भी वह प्रशंसकों के दिलों में छाये हुए हैं। हाल ही में एक प्रशंसक की रॉयल एनफील्ड इंटरसेप्टर 650 पर धोनी ने ऑटोग्राफ दे दिया। इससे उत्साहित ये प्रशंसक बोला की अब मेरी तीन लाख की बाइक तीन करोड़ की हो गयी है।

वीडियो में धोनी इस प्रशंसक की लाल रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की प्रशंसा करते हैं। इसके बाद वह पेट्रोल टैंक पर अपने ऑटोग्राफ देते हैं। वहीं जाने से पहले उन्होंने प्रशंसक से कहा, चला के रिपोर्ट देना। प्रशंसक की मोटरसाइकिल पर धोनी के ऑटोग्राफ वाला वीडियो तत्काल ही हिट हो गया। इसे कई हजारों बार देखा गया। धोनी ने भी इस क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, राइड विद माही? धोनी के हस्ताक्षर की कीमत के बारे में बात करते हुए, एक व्यक्ति ने कहा, 卐बाइक की कीमत 3 लाख से बढ़कर 30 करोड़ पहुंच गयी है। धोनी खेल के साथ ही कारों और विशेषकर बाइक्स के खासे शौकीन है। उन्हें आम तौर पर कूल और विंटेज वाहनों की सवारी करते देखा गया है। उनके रांची स्थित घर का गैराज एक से बढ़कर एक वाहनो से भरा पड़ा है। धोनी अपने करियर के शुरुआती दिनों से ही बाइक्स का कलेक्शन करते रहे हैं। उनके फार्महाउस में एक गैराज आइकॉनिक बाइक्स से भरा पड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2011 विश्व कप विजेता टीम कप्तान के सुपरबाइक्स के कलेक्शन में कावासाकी निंजा एच2, कॉन्फेडरेट एक्स132 हेलकैट, कावासाकी निंजा जेडएक्स-14आर, हार्ले डेविडसन फैटबॉय, डुकाटी 1098, यामाहा आरडी350, यामाहा राजदूत, सुजुकी शोगुन, यामाहा थंडरकैट, बीएसए गोल्डस्टार, नॉर्टन जुबली 250 और टीवीएस अपाचे आरआर 310 शामिल हैं। वहीं धोनी को हाल ही में रांची में एक विंटेज रोल्स-रॉयस में घूमते हुए देखा गया था. धोनी खेल से संन्यास के बाद भी आईपीएल खेलते हैं और माना जा रहा है कि वह 2026 सत्र में भी खेलेंगे।

ओलंपिक में प्रत्येक क्षेत्र या महाद्वीप से एक ही टीम को प्रवेश मिलेगा -आईसीसी

भारत को अवसर मिलना तय, पाक बाहर होगा

दुबई। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक से एक बार फिर खेलों के इस महाकुंभ में क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले अंतिम बार क्रिकेट मुकाबले 1900 में पेरिस ओलंपिक में खेले गये थे। इस बार 6-6 पुरुष और इतनी ही महिला टीमें ओलंपिक में खेलेंगी औ इनमें 28 मैचा होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार इस इवेंट के लिए प्रत्येक क्षेत्र या महाद्वीप से एक ही टीम को प्रवेश मिलेगा। वहीं छठी टीम का फैसला।एक ग्लोबल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिए किया जाएगा.

हाल ही में दुबई में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने ये फैसा किया। एशिया से एक ही टीम भेजे जाने की स्थिति में भारत और पाकिस्तान में से एक ही टीम को अवसर मिलेगा। जिसमें प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम को जगह मिलना तय है। ऐसे में पाक को अवसर नहीं मिलेगा।

पहले आईसीसी केवल आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग की शीर्ष छह टीमों को शामिल करने जा रही थी पर बाद में नई क्वालीफिकेशन प्रणाली को तैयार किया गया है जिससे विश्व के सभी हिस्सों की टीमों को इसमें वापसी के लिए अवसर मिल सकेगा। छह टीमें प्रत्येक क्षेत्र/महाद्वीप की शीर्ष टीमें रहेगी। वहीं छठी टीम ग्लोबल क्वालीफायर से आएगी। 卐

मौजूदा रैंकिंग के आधार पर एशिया से भारत, ओशिनिया से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप से इंग्लैंड और अफ्रीका से दक्षिण अफ्रीका क्वालीफाई करते हैं। वहीं अमेरिका को मेजबान के रूप में अवसर मिल सकता है। आईसीसी ने एक मीडिया रिलीज में कहा, 卐बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के साथ आईसीसी की चल रही भागीदारी की समीक्षा की है।. क्रिकेट वैश्विक मल्टीस्पोर्ट परिदृश्य में अपनी पहचान गहरी कर रहा है. 2028 ओलंपिक में पुरुषों और महिलाओं के टी20 इवेंट में प्रत्येक में छह टीमें होंगी, जिसमें कुल 28 मैच शामिल होंगे।卐 क्रिकेट वैश्विक मल्टीस्पोर्ट परिदृश्य में अपनी पहचान गहरी कर रहा है। ओलंपिक में शामिल होने से उसका फैलाव दुनिया भर में होगा। क्रिकेट के विकास से सभी खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा।

ज्वेरेव ने एटीपी फाइनल्स में जीत से शुरुआत की

ट्यूरिन। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एटीपी टेनिस फाइनल्स में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले ही मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(6) से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ज्वेरेव ने बेन शेल्टन के साथ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में पांचची जीत दर्ज की है। ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में शेल्टन के 6/4 से आगे होने के बाद दो सेट अंक हासिल किये। ज्वेरेव इस मुकाबले में उत्साहित दिखे और उन्होंने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में 2-2 के स्कोर पर दो ब्रेक अंक बचाने के बाद भी शेल्टन ने ज्वेरेव को टाई-ब्रेक पर रोक दिया। बाद में उन्होंने 6/4 पर दो सेट अंक हासिल किये। 6/5 पर एक आसान फोरहैंड नेट पर लगाया, और ज्वेरेव ने 7-6(6) से यह सेट जीत लिया। इस जीत के बाद ज्वेरेव ने शेल्टन की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने शेल्टन को विश्व के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बताते हुए टाई-ब्रेक में अच्छी शुरुआत की।

आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए अब प्रयोग बंद करे टीम प्रबंधन - आकाश चोपड़ा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अगले साल 2026 में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट को देखते हुए अब टीम प्रबंधन को और अधिक प्रयोग बंद करते हुए उन्हीं खिलाड़ियों को अवसर देने चाहिये जो टीम में शामिल हैं। आकाश के अनुसार लगातार बदलाव से नुकसान होगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने ये बात ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज समाप्त होने के बाद कह। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की पर इस दौरान बल्लेबाजों और गेंदबाजों को लेकर कई प्रकार के संयोजन आजमाए। इसी को देखते हुए उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन को अब अंतिम ग्यारह में बदलाव न करते हुए एक ही टीम उतारनी चाहिये। आकाश ने कहा कि प्रयोग का काम पूरा हो चुका है क्योंकि टी20 विश्व में अधिक समय नहीं है। उससे पहले टीम को घर पर केवल दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है।

आकाश ने कहा, अभी प्रयोग का दौर चल रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि ये अब बंद होना चाहिये। अभी तक कहा गया कि बल्लेबाजी क्रम में किसी को भी ऊपर या फिर नीचे भेजा जा सकता है। किसी को भी खिला सकते हैं और किसी को भी बाहर कर सकते हैं। वे प्रयोग का चरण अब नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की सीरीज बारिश के कारण तीन मैचों में समाप्त हो गयी। अब आपको घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच-पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। मुझे लगता है कि प्रयोग का समय समापत हो गया है। मुझे लगता है कि हमने काम पूरा कर लिया है। इसके बाद आप ज्यादा प्रयोग नहीं कर सकते और आपको करना भी नहीं चाहिए।

मामूल हो कि टी20 विश्व कप अगले साल फरवरी-मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होगा। भारतीय टीम ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हारकर टी20 विश्व कप जीता था। आकाश ने कहा कि घर पर टूर्नामेंट खेलने का काफी दबाव होता है। पूर्व बल्लेबाज ने कहा, हम मौजूदा विश्व कप चैंपियन हैं। हम 2024 वर्ल्ड कप के बाद से जहां भी गए हैं, हमने जीत हासिल की है पर हमें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और किसी भी चीज को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि घरेलू विश्व कप जीतना बहुत मुश्किल होता है। ऐसा लगता है कि घरेलू विश्व कप होने के कारण आपको बढ़त हासिल है लेकिन इसके साथ ही प्रशंसकों का दबाव भी रहता है। इसलिए प्रयोग बंद कर एक ही टीम उतारें।

कॉनवे, जैमीसन की शानदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

नेलसन। डेवोन कॉनवे की शानदार बल्लेबाजी के बाद अंतिम ओवर में काइल जैमीसन की कसी हुई गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने यहां तीसरे टी20 मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज को नौ रन से हरा दिया। इसी के साथ ही मेजबान न्यूजीलैंड को पांच मैचों की इस सीरीज में 2-1 से बढ़त मिल गयी है। इस सीरीज का पहला मैच वेस्टइंडीज जबकि दूसरा वह तीसरा मैच मेजबान कीवी टीम ने जीता है। वेस्टइंडीज ने पहला मैच 7रन से जीता था जबकि कीवी टीम ने दूसरे मैच 2 रनों से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया था।

न्यूजीलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 168 रनों पर ही आउट हो गयी और उसे 9 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच मे एक समय वेस्टइंडीज ने 13वें ओवर में ही 88 रनों पर आठ विकेट गंवा दिये पर उसके बाद रोमारियो शेफर्ड ने 34 गेंद में 49 और शमर स्प्रिंगर ने 20 गेंद में 39 रन बनाकर अपनी टीम को करारी हार से बचाया। वेस्टइंडीज को अंतिम ओवर में जीत के लिए 14 रनों की जरुरत थी और शेफर्ड व अकील होसेन क्रीज पर थे। वहीं अंतिम ओवर जैमीसन मिला। उन्होंने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए पहली चार गेंद में केवल दो रन दिए और पांचवीं गेंद पर शेफर्ड को पेवेलियन भेजकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

मेहमान टीम ने पारी के दूसरे ओवर में कीवी बेंदबाज जैकब डफी की गेंदों पर दो विकेट गंवा दिए। इससे पावरप्ले में ही कैरिबियाई टीम ने 47 रन पर दो विकेट खो दिये। बीच के ओवरों में टीम ने 35 रन पर छह विकेट गंवा दिए। स्पिनर ईश सोढ़ी ने 34 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं कॉनवे ने 34 गेंद में 56 रन बनाये। कीवी टीम की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। सलामी बल्लेबजा टिम रॉबिन्सन 23 और रचिन रविंद्र 26 रनों पर ही आउट हो गये। टीम ने पांच ओवरों में 31 रन पर छह विकेट खो दिये थे। उसके तीन खिलाड़ी रन आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर और मैट फोर्ड ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। फोर्ड ने 20 रन देकर दो जबकि होल्डर ने भी 31 रन देकर इतने ही विकेट लिए।

हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने से बचें अभिषेक - इरफान पठान

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मैच बदल देते हैं पर उन्हें अपनी हर गेंद पर शॉट लगाने की आदत पर नियंत्रण रखना चाहिये। पठान के अनुसार उन्हें सावधानी के साथ खेलने की जरुरत है ताकि वह लंबी पारी खेल सकें। पठान के अनुसार अगर अभिषेक हर गेंद पर क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश जारी रखते हैं, तो टी20 विश्व कप 2026 में टीमें उनकी रणनीति को पकड़ सकती हैं। वह अगर सस्ते में आउट होते हैं तो टीम के लिए नुकसानदे होगा। वह इस समय टी20 टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में सबसे अधिक रन बनाकर भारत को खिताबी जीत दिलाई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी 163 रन बनाते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता।ऐसे में उनको लंबी पारी खेलने की जरुरत है। इरफान ने कहा, अभिषेक जबरदस्त बल्लेबाज हैं पर उन्हें समझदारी दिखानी होगी। विश्व कप में टीमें पहले से उनके खिलाफ योजना बनाये रहेंगी। हर गेंद पर क्रीज छोड़कर शॉट खेलने का मतलब नहीं बनता, उन्हें तय गेंदों को ही निशाना बनाना चाहिये। पठान ने यह भी कहा कि ब्रिसबेन में हुए आखिरी टी20 में अभिषेक नाथन एलिस और बेन ड्वार्शुइस की गेंदों पर सहज नहीं दिखे थे।

जुरेल को टेस्ट में नंबर तीन पर मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भारत ए की ओर से जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की है। उससे उन्हें कोच गौतम गंभीर नंबर तीन पर अवसर दे सकते हैं। भारतीय टीम पिछले काफी समय से तीसरे नंबर पर एक ऐसे बल्लेबाज की तलाश कर रही है जो लंबी पारी खेल सके। इस जगह पर साई सुदर्शन सहित कई खिलाड़ियों को आजमाया गया पर अब तक कोई भी सफल नहीं रहा है। अनुभवी चेतेश्वर पुजारा के बाद से ही इस नंबर पर भारतीय टीम को कोई भी भरोसेमंद बल्लेबाज नहीं मिला है। अब जिस प्रकार से जुरेल ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। उससे अंदाजा होता है कि वह बड़ी पारी खेलने में सक्षम हैं। दोनों पारियों में दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज़ों का समझदारी से सामना किया।

पहली पारी में जब भारत ए टीम मुश्किल में आई तो जुरेल ने उसे संभाला। उसके बाद दूसरी पारी में भी शानदार शतक लगाया। शुरुआत से ही जुरेल बेहद संयमित नजर आये।

ईडन गार्डन्स टेस्ट से पहले इस तरह की पारी खेलकर जुरेल ने खुद को नंबर 3 के लिए एक गंभीर दावेदार के रूप में पेश किया है। इंग्लैंड दौरे के बाद से भारत ने इस स्थान पर करुण नायर और साई सुदर्शन को आज़माया, लेकिन करुण अब टीम में नहीं हैं और सुदर्शन अभी तक उस स्थान को अपना नहीं बना पाए है। जुरेल के पास तकनीक भी है, मानसिक मजबूती भी, और टेस्ट स्तर पर सीमित मौकों में उन्होंने निराश नहीं किया है। उनकी मौजूदगी का मतलब यह भी हो सकता है कि जरूरत पड़ने पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को आराम दिया जा सकता है।

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज चौथा टी20 रद्द हुआ

नेलसन। बारिश की बाधा के कारण न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी-20 क्रिकेट रद्द हो गया है। इससे अब इस सीरीज में न्यूजीलैंड टीम की 2-1 की बढ़त बनी हुई है। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए वेस्टइंडीज ने 6.3 ओवर में ही एक विकेट पर 38 रन बनाये। इसी बीच बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा जो फिर शुरु नहीं हो पाया। अंपायरों ने ऐसे में मैच रद्द घोषित कर दिया। अब इस सीरीज में एक ही मैच बचा हुआ है।

अब वेस्टइंडीज अगर डुनेडिन में होने वाले पांचवें और आखिरी मैच में जीत दर्ज नहं करती तो सीरीज हार जाएगी।

वेस्टइंडीज ने पहला टी-20 जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में जीत के साथ ही सीरीज में बराबरी की और फिर तीसरा टी-20 जीतकर 2-1 की लीड बना ली।

इस मैच में टॉस और खेल तय समय पर शुरु हुआ पर पांचवे ओवर में बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इसके आधे घंटे के बाद ही मैच में फिर रुकावट आई और पूरा मैच रद्द करना पड़ा!

रणजी मैच में विरोध टीम के खिलाड़ियों से बहस करते दिखे थे वैभव

नई दिल्ली। 14 साल के उभरते हुए क्रिकेट वैभव सूर्यवंशी अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही आक्रामक व्यवहार के कारण भी विवादों में घिर गये हैं। पटना में हाल ही में हुए रणजी ट्रॉफी 2025-26 के मैच में वैभव अपनी बल्लेबाजी की जगह पर विकेटकीपर से झगड़े के कारण निशाने पर आ गये हैं। ये मैच बिहार और मेघालय के बीच हुआ था।

सीबीआई जांच में सामने आई तिरुपति मंदिर लड्डू घोटाले की हकीकत

पांच साल तक नकली घी से चढ़ा प्रसाद!

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में चढ़ाए जाने वाले लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी से जुड़ा बड़ा घोटाला सामने आया है। सीबीआई जांच में खुलासा हुआ है कि उत्तराखंड की एक डेयरी ने 5 साल तक तिरुपति मंदिर को 68 लाख किलो नकली घी की सप्लाई की, जिसकी कीमत करीब 250 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

सीबीआई की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि 'भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी', जो 2019 से 2024 तक घी की आपूर्ति कर रही थी, उसने कभी दूध या मक्खन की असली खरीदारी नहीं की, बल्कि रासायनिक पदार्थों जैसे मोनोडाईग्लिसराइड्स और एसिटिक एसिड एस्टर का इस्तेमाल कर कृत्रिम घी तैयार किया। जांच एजेंसी ने यह जानकारी आरोपी अजय कुमार सुगंध की गिरफ्तारी के बाद दी, जिसने इन केमिकल्स की सप्लाई डेयरी को की थी।

जाली रिकॉर्ड और फर्जी सप्लाई का खेल

सीबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड के भगवानपुर में स्थित इस डेयरी के संचालक पोमिल जैन और विपिन जैन ने नकली देशी घी यूनिट बनाई और दूध खरीद के झूठे रिकॉर्ड तैयार किए। जब 2022 में भोले बाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट किया गया, तब भी इन लोगों ने अन्य कंपनियों के नाम पर जैसे वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और एआर डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) के जरिये नकली घी की सप्लाई जारी रखी।

रिजेक्ट घी को फिर मंदिर में भेजा गया

जांच में यह भी सामने आया कि जुलाई 2023 में टीटीडी द्वारा रिजेक्ट किए गए चार टैंकर घी (जिनमें पशु वसा की मिलावट थी) को भोले बाबा डेयरी ने लेबल बदलकर फिर से मंदिर को भेज दिया। एफएसएसएआई और सीबीआई टीम जब तमिलनाडु के डींडिगुल स्थित एआर डेयरी प्लांट पहुंची, तो पता चला कि रिजेक्ट घी वापस नहीं गया, बल्कि स्थानीय स्टोन क्रशिंग यूनिट में भेजा गया, जो वैष्णवी डेयरी के पास स्थित थी। अगस्त 2024 में वैष्णवी डेयरी ने उसी घी को प्रोसेस कर लेबल बदल दिए और फिर से तिरुपति मंदिर को सप्लाई कर दिया, जिसके बाद वही घी भगवान वेंकटेश्वर के लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल हुआ। सीबीआई ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में बताया कि यह मामला केवल धोखाधड़ी नहीं बल्कि धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर अपराध है। एजेंसी अब यह जांच रही है कि ञ्ञ्ञष्ठ के किन अधिकारियों की मिलीभगत इस पूरे घोटाले में रही।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जांच कर रही है एसआईटी

बता दें कि आंध्र प्रदेश में तिरुमला पहाड़ी पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दिए जाने वाले प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू में कथित मिलावट का मामला पिछले साल सामने आया था। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रभावित पक्ष इस प्रकरण को सुप्रीम कोर्ट तक ले गया। लोकआस्था से जुड़े इस मुद्दे पर शीर्ष अदालत ने बीते साल अक्तूबर में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस मामले में राजनीतिक ड्रामा नहीं होना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ एसआईटी जांच के निर्देश दिए थे।

सीजेआई गवई बोले- हां, हमें पता है सोशल मीडिया पर क्या चल रहा

-फर्जी 'जूता कांड' वीडियो पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सोशल मीडिया पर चल रहे एक फर्जी वीडियो को लेकर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हां-हां, हमें पता हैज् हमारे खिलाफ क्या चल रहा है। यह वीडियो अदालत में जूता फेंके जाने की झूठी घटना दिखाता है, जिसे एआई के जरिए छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर फैलाया गया था।

सीजेआई गवई ने साफ कहा कि जज और कोर्ट के खिलाफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य डिजिटल तकनीकों के दुरुपयोग से वे पूरी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रसारित यह मॉर्फ्ड वीडियो न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास है। सीजेआई गवई ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई करते हुए की जिसमें भारतीय न्यायपालिका में एआई के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए नीति बनाने की मांग की गई है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील कार्तिकेय रावल ने कहा कि अदालतों में एआई टूल्स का तेजी से इस्तेमाल बढ़ रहा है, लेकिन इनके दुरुपयोग के खतरे भी उतने ही गंभीर हैं। इस पर सीजेआई गवई ने बीच में ही कहा, हमें जानकारी है, हमने भी वह मॉर्फ्ड वीडियो देखा है। उन्होंने संकेत दिया कि इस तरह के एआई-जनित कंटेंट न्याय व्यवस्था में भ्रम और अविश्वास पैदा कर सकते हैं। पीठ में शामिल जस्टिस के. विनोद चंद्रन के साथ सीजेआई गवई ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वह याचिका को तुरंत खारिज करवाना चाहते हैं या दो हफ्ते बाद सुनवाई चाहते हैं। इसके बाद अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की।

पेश की गई जनहित याचिका में कहा गया है, कि जनरेटिव एआई पारंपरिक एआई से भिन्न है, क्योंकि यह नए डेटा, नकली दस्तावेज़ या गैर-मौजूद केस लॉ भी तैयार कर सकता है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में भ्रम की स्थिति बन सकती है। इसमें सरकार से मांग की गई है कि वह एआई और जेनरेटिव एआई के उपयोग पर स्पष्ट नीतिगत ढांचा तैयार करे ताकि फर्जी या भ्रामक कंटेंट से न्याय प्रणाली की साख को नुकसान न पहुंचे। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी न्यायपालिका में डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के बीच एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखी जा रही है।

8वां वेतन आयोग की खुशखबरी...

लेकिन अब सरकार के दामाद नहीं सरकारी कर्मचारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जल्द ही 8वां वेतन आयोग लागू हो सकता है, इसके साथ सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बड़ा बदलाव दिख सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी टर्म्स ऑफ रेफरेंस के अनुसार, मोदी सरकार अब सरकारी नौकरियों की तनख्वाह को निजी क्षेत्र के बराबर लाने पर विचार कर रही है। इसका मुख्य मकसद है कि सरकारी नौकरियां भी उतनी ही आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बनें, जितनी निजी कंपनियों में होती हैं।

अगर मोदी सरकार इन नई सिफारिशों को मंजूरी दे देती है, तब कर्मचारियों को निजी कंपनियों जैसा सैलरी स्ट्रक्चर मिलेगा। इसमें खास जोर कार्यकुशलता, जवाबदेही और जिम्मेदारी पर होगा, ताकि हर विभाग में उत्पादकता बढ़े और काम का बेहतर तरीके से हो सके।

इस आयोग को ऐसा ढांचा तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है, जो कुशल और प्रतिभाशाली लोगों को सरकारी क्षेत्र में काम करने के लिए आकर्षित करे। अब मोदी सरकार चाहती है कि सरकारी नौकरी को सिर्फ 卐सुरक्षित रोजगार卐 नहीं, बल्कि एक ऐसा करियर माना जाए, जिसमें तरक्की, अच्छे वेतन और विकास के मौके हों।

वित्त मंत्रालय के निर्देशों के मुताबिक, आयोग यह मूल्यांकन करेगा कि सरकारी विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतनमान को किस तरह निजी क्षेत्र के लेवल के करीब लाया जा सकता है।

इसका मतलब यह हो सकता है कि आईटी, डेटा एनालिटिक्स, इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रशासन जैसे क्षेत्रों के कर्मचारियों की सैलरी में बड़ा इजाफा हो सकता है। इससे सरकार को न केवल कुशल कर्मचारियों को बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि युवा पेशेवरों को भी सरकारी नौकरियों की ओर आकर्षित कर सकती है।

रिजल्ट देने वालों को मिलेगा बड़ा इनाम

नया सैलरी स्ट्रक्चर ऐसा होगा जो रिजल्ट पर आधारित होगा, जिसमें कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन के अनुसार इनाम और पदोन्नति मिलेगी। इससे सरकारी कामकाज का कल्चर अधिक आधुनिक और पारदर्शी बन सकेगा। निजी सेक्टर में भी इसी आधार पर पदोन्नति होती और सैलरी में इजाफा होता है। सबसे खास बात यह है कि 8वें वेतन आयोग में परफॉर्मेंस-बेस्ड बोनस सिस्टम की सिफारिश की जा सकती है।यानी अब हर कर्मचारी को समान वेतन वृद्धि नहीं मिलेगी, बल्कि जो कर्मचारी मेहनत करेगा और इनोवेशन दिखाएंगे, उन्हें ज्यादा मिलने की संभावना होगी।

एयर पॉल्यूशन के खिलाफ विरोध करने वालों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों?

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन के खिलाफ विरोध कर रहे लोगों को हिरासत में लेने पर राहुल गांधी ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने एक्स पर कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से साफ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है?

बता दें दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ रविवार को इंडिया गेट पर सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम होते-होते पुलिस ने लोगों को इंडिया गेट से हटा दिया। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया था। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार ने प्रदूषण से निपटने की कोई प्लानिंग नहीं की है। इधर, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक रविवार सुबह दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्युआई) 391 दर्ज हुआ, जो गंभीर श्रेणी में आता है। कई इलाकों जैसे बवाना (436), पटपड़गंज (425), आरके पुरम (422) और आनंद विहार (412) में हालात बहुत ही खराब हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने एक्स पर प्रदर्शन का एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए लिखा- वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है। हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन वोट चोरी से सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने की कोशिश कर रही है। हमें स्वच्छ हवा की मांग कर रहे नागरिकों पर हमला करने के बजाय, वायु प्रदूषण पर अभी से निर्णायक कार्रवाई करने की जरूरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी ने कहा कि बच्चों की सेहत बिगड़ रही है। हर तीसरे बच्चे के फेफड़े प्रदूषण से प्रभावित हैं। एक और प्रदर्शनकारी ने कहा कि सरकारें एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगी हैं, जबकि लोगों को स्वच्छ हवा का बुनियादी अधिकार भी नहीं मिल रहा। इंडिया गेट पर कई महिलाएं अपने बच्चों के साथ प्रदर्शर में पहुंची थीं। लोगों ने केंद्र और राज्य सरकार से साफ हवा की मांग की। वहीं, पुलिस ने कहा कि विरोध करने वाले बिना परमिशन के इंडिया गेट पर जमा हुए थे।

हवा में खराब हुआ विमान का इंजन, देर रात कराई इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। मुंबई से कोलकाता जा रहे स्पाइसजेट के विमान की रविवार देर रात आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी, क्योंकि उसके एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई थी। 170 से ज्यादा यात्रियों को ले जा रही उड़ान एसजी670, पायलट ने पूर्ण आपातकाल घोषित करने के बाद रात करीब 11ः38 बजे नेताजी सुभाष चंद्रबोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गई। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री और क्रू-मेंबर्स के सदस्य सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट में कोलकाता हवाई अड्डे के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला यह विमान कोलकाता पहुंचने वाला ही था, तभी पायलट ने इंजन में खराबी की सूचना दी।

300 करोड़ के जमीन घोटाले की जांच शुरू, सच्चाई जल्द सामने आएगी

अजित पवार ने पुणे में उनके बेटे की कंपनी से जुड़े जमीन सौदे पर कहा

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि पुणे में उनके बेटे की कंपनी को सरकारी जमीन की कथित अवैध बिक्री की जांच शुरू कर दी गई है और सच्चाई जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी। पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख ने कहा कि यदि उनके करीबी सहयोगी या रिश्तेदार उनका नाम लेकर ऐसा बयान देते हैं जो नियमों का उल्लंघन है, तो अधिकारियों को उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

पुणे के मुंधवा इलाके में 40 एकड़ जमीन 300 करोड़ रुपए में एक ऐसी कंपनी को बेचे जाने पर सवाल उठे हैं, जिसमें अजित पवार के बेटे पार्थ पवार भी साझेदार हैं। मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं, हालांकि, उनमें पार्थ का नाम नहीं है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा था कि पुणे भूमि सौदा मामले में कार्रवाई कानून के मुताबिक की जा रही है और किसी को बचाने का सवाल ही नहीं उठता। जमीन सौदे के मुद्दे पर पूछे जाने पर अजित पवार ने कहा था पिछले कुछ दिनों से चल रहे कई मुद्दों पर मैंने अपना रुख साफ कर दिया है। जांच शुरू हो गई है और सच्चाई जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा है कि एक रुपए के लेन-देन के बिना भी कोई दस्तावेज कैसे पंजीकृत हो सकता है? हमें एक महीने के अंदर पता चल जाएगा कि जिस व्यक्ति ने यह पंजीकरण किया है, उसने वास्तव में ऐसा क्यों किया। उन्होंने कहा कि सीएम फडणवीस ने जांच समिति नियुक्त की है।

बड़ी आतंकी साजिशों का पर्दाफाश : दो डॉक्टर समेत 7 गिरफ्तार, जैश के सबसे बड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश

अहमदाबाद से केमिकल, फरीदाबाद से 350 किलो विस्फोटक सामग्री मिली

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जैश-ए-मोहम्मद और अंसर गजवात-उल-हिंद से जुड़े एक अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो डॉक्टर भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और करीब 2,900 किलोग्राम आईईडी बनाने का सामग्री बरामद किया है। जम्मू-कश्मीर और फरीदाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह ऑपरेशन अंजाम दिया गया।

सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता और सूझ-बूझ से देश में बड़ी आतंकी वारदात टल गईं हैं। एक तरफ गुजरात एटीएस ने देश में रसायनिक हमले की खतरनाक साजिश का भंडाफोड़ किया। वहीं जम्मू कश्मीर पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए यूपी के सहारनपुर से एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया। अब उस डॉक्टर से जुड़े एक व्यक्ति के फरीदाबाद स्थित घर से 350 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद होने की खबर है। अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल विस्फोटक बनाने में किया जाता है। गौरतलब है कि दोनों ही मामलों में गिरफ्तार लोगों में मेडिसिन की पढ़ाई करने वाले डॉक्टर शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

पुलिस के अनुसार, 19 अक्तूबर को श्रीनगर के बुनपोरा, नौगाम में कई जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगाए गए थे, जिनमें पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकाया गया था। इसके बाद एफआईआर संख्या 162/2025 दर्ज की गई और जांच शुरू हुई। जांच में यह सामने आया कि यह नेटवर्क शिक्षित और पेशेवर युवाओं से जुड़ा था और विदेशी संपर्कों के माध्यम से संचालित हो रहा था। जांच में पता चला कि यह समूह एन्क्रिप्टेड चैनलों के जरिए भर्ती, समन्वय, धन-संग्रह और लॉजिस्टिक्स का काम करता था। धनराशि पेशेवर और शैक्षणिक नेटवर्क के माध्यम से, सामाजिक या धर्मार्थ कारणों का बहाना बनाकर जुटाई जा रही थी। आरोपी आतंकवाद के लिए लोगों की पहचान, उन्हें कट्टर बनाने और हथियार/आइईडी बनाने के लिए सामग्री जुटाने में जुड़ा हुआ पाए गया है।

गुजरात एटीएस ने विफल किया रसायनिक हमला

गुजरात एटीएस ने देश में एक खतरनाक रसायनिक हमले की साजिश का भंडाफोड़ करते हुए तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आतंकी देश में रसायनिक हमले की साजिश रच रहे थे और इसके लिए खतरनाक जहर राइसिन को बनाने की कोशिश कर रहे थे। राइसिन का नाम, अंतरराष्ट्रीय रसायन और रसायनिक हथियारों की सूची में शामिल है। गिरफ्तार तीनों संदिग्धों का आतंकी कनेक्शन है।

लॉन्च हुआ नया आधार ऐप : अब क्यूआर स्कैन से शेयर होंगी डिटेल्स, फिजिकल कार्ड की जरूरत खत्म

नई दिल्ली। डिजिटल इंडिया को और आगे बढ़ाते हुए यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने सोमवार को आधार कार्ड का नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप अब यूजर्स को आधार कार्ड को फोन में सुरक्षित रखने और जरूरत पड़ने पर क्यूआर कोड स्कैन करके आधार डिटेल्स शेयर करने की सुविधा देगा। यानी अब आपको आधार की फिजिकल कॉपी साथ रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यूआईडीएआई के अनुसार, नए ऐप में एक ही फोन पर पांच परिवार सदस्यों तक के आधार प्रोफाइल स्टोर किए जा सकते हैं। इसके साथ ही यह ऐप ऑफलाइन मोड में भी काम करेगा, जिससे इंटरनेट न होने पर भी आधार देखा जा सकेगा।

नए आधार ऐप में हैं ये मुख्य फीचर्स

डिजिटल कैरी सुविधा- अब ई-आधार हमेशा फोन में रहेगा, पेपर कार्ड की जरूरत खत्म।

फेस स्कैन से शेयरिंग- किसी संस्था को आधार शेयर करते समय फेस स्कैन की अनुमति देनी होगी, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित रहे।

सिक्योर लॉगिन- बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से ऐप खुलेगा, जिससे डेटा सेफ रहेगा।

मल्टी-लैंग्वेज सपोर्ट- ऐप हिंदी, अंग्रेज़ी सहित कई भाषाओं में उपलब्ध है।

ऑफलाइन एक्सेस- इंटरनेट न होने पर भी आधार देखा जा सकता है।

पुराने ऐप से क्या है फर्क?

अब तक एमआधार ऐप का इस्तेमाल किया जाता था, जो केवल आधार डाउनलोड, अपडेट और पीवीसी कार्ड ऑर्डर करने तक सीमित था। नया ऐप इससे एक कदम आगे है— यह डिजिटल शेयरिंग और प्राइवेसी-केंद्रित डिज़ाइन पर आधारित है। इसमें सिलेक्टिव डिस्क्लोजर की सुविधा दी गई है, यानी यूजर्स तय कर सकते हैं कि किसे कौन-सी जानकारी दिखानी है।

फायदे क्या होंगे?

नए ऐप के आने से होटल चेक-इन, मोबाइल सिम एक्टिवेशन, बैंक केवायसी जैसी प्रक्रियाएं अब और तेज़ होंगी। परिवार के सभी सदस्यों के आधार एक ही फोन में रखने की सुविधा से फैमिली मैनेजमेंट आसान होगा। साथ ही, व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा भी बनी रहेगी।

आधार की अब तक की यात्रा

आधार योजना की शुरुआत 2009 में हुई थी और आज भारत में 130 करोड़ से अधिक लोगों के पास आधार है। पहले यह पेपर कार्ड के रूप में था, फिर डिजिटल रूप में एमआधार आया, और अब यह पूरी तरह प्राइवेसी-फर्स्ट डिजिटल ऐप बन चुका है। सरकार की मंशा है कि आने वाले समय में सभी सरकारी और निजी सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन और पेपरलेस बनाया जाए।

साइंस डेली जर्नल की एक स्टडी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

टीवी, गेम और मोबाइल से बच्चों का दिल हो रहा बीमार!

नई दिल्ली।आज के डिजिटल जमाने में बच्चे और टीनेजर्स हर वक्त किसी न किसी स्क्रीन के सामने रहते हैं। कभी फोन, कभी टैबलेट, कभी टीवी या गेमिंग कंसोल। लेकिन अब एक नई रिसर्च ने पैरेंट्स के लिए बड़ा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के सपोर्ट से डेनमार्क में हुई एक स्टडी ने बताया है कि बच्चों का ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिल और मेटाबॉलिक हेल्थ के लिए गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है।

रिसर्च के मुताबिक, 10 साल के बच्चों से लेकर 18 साल तक के किशोरों पर इस डिजिटल आदत का असर साफ देखा गया। जितना ज्यादा समय उन्होंने स्क्रीन पर बिताया, उनमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे रिस्क फैक्टर्स बढ़ते दिखे। यानी सीधी भाषा में कहें तो स्क्रीन पर हर अतिरिक्त घंटा बच्चों के दिल की सेहत पर भारी पड़ रहा है। स्टडी में ये भी सामने आया कि जिन बच्चों की नींद पूरी नहीं होती, उनमें ये जोखिम और ज़्यादा बढ़ जाता है। मतलब अगर बच्चा देर रात तक मोबाइल चला रहा है और नींद कम ले रहा है, तो उसके शरीर के अंदर एक मेटाबॉलिक फिंगरप्रिंट बन रहा है। एक ऐसा जैविक निशान जो आगे चलकर हार्ट डिजीज या डायबिटीज जैसी बीमारियों की वजह बन सकता है।

मेटाबॉलिक असंतुलन बढ़ रहा

रिसर्चर्स ने कहा कि ये सिर्फ एक व्यवहारिक समस्या नहीं है, बल्कि इसका सीधा जैविक असर पड़ रहा है। उन्होंने बच्चों के ब्लड सैंपल्स का विश्लेषण किया और पाया कि जिनका स्क्रीन टाइम ज्यादा था, उनके खून में ऐसे तत्व मिले जो मेटाबॉलिक असंतुलन की ओर इशारा करते हैं।

बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित करें

विशेषज्ञों का मानना है कि ये नतीजे पैरेंट्स के लिए चेतावनी हैं। आजकल बच्चे दिन का बड़ा हिस्सा फोन, टीवी या गेम्स में गुजार रहे हैं, लेकिन यही आदत धीरे-धीरे उनके दिल की सेहत के लिए खतरा बन रही है। इसलिए पैरेंट्स को अब बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित करने और नींद पर ध्यान देने की जरूरत है। स्टडी की लीड ऑथर ने कहा कि हमने पाया कि स्क्रीन टाइम और कार्डियोमेटाबॉलिक रिस्क के बीच सीधा संबंध है। यह ज़रूरी है कि बच्चे और किशोर स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, जिसमें संतुलित स्क्रीन टाइम, पर्याप्त नींद और शारीरिक गतिविधियां शामिल हों एक्सपर्ट्स का कहना है कि पैरेंट्स को अब बच्चों की डिजिटल आदतों पर नजर रखनी होगी। बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने के लिए परिवारिक गतिविधियां, आउटडोर गेम्स और किताबें पढने जैसी चीज़ों को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही, सोने से कम से कम एक घंटे पहले सभी स्क्रीन बंद कर देना सबसे बेहतर उपाय है, क्योंकि यही वक्त बच्चों के दिमाग और दिल दोनों को आराम देता है।

पंचायत और नगर निकाय चुनावों के लिए 1994 में लागू कानून हटाने की तैयारी

जयपुर। राजस्थान सरकार अब पंचायत, नगरपालिका और नगर निकाय चुनावों में दो बच्चों की शर्त खत्म करने जा रही है। 1994 में लागू किए गए इस कानून के तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लडने की अनुमति नहीं थी। अब सरकार इस नियम को हटाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। सूत्रों के अनुसार, आरएसएस के दबाव के बाद सरकार ने इस कानून पर पुनर्विचार शुरू किया है। विभाग ने अध्यादेश का मसौदा तैयार कर लिया है और उसे कैबिनेट के पास भेजने की तैयारी चल रही है। संभावना है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार इसे मंजूरी के लिए पेश करेगी। शहरी विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने संकेत दिए हैं कि सरकार को इस नियम को लेकर कई ज्ञापन मिले हैं।

न्यूज गैलरी

डीएफओ अधर गुप्ता और उनकी पत्नी नेहा श्रीवास्तव भोपाल स्थानांतरित

मप्र शासन वन विभाग ने देर शाम जारी की स्थानांतरण सूची, विधायक पर आरोप लगाकर सुर्खियों में आए थे डीएफओ

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। सोमवार को मप्र शासन वन विभाग ने प्रवर श्रेणी वेतनमान में कार्यरत राज्य वन सेवा अधिकारियों के स्थानांतरण की सूची जारी की है।

10 नवंबर की देर शाम जारी की गई इस स्थानांतरण सूची में बालाघाट के दो डीएफओ सहित प्रदेश के अन्य जिलों व स्थानो में पदस्थ 7अधिकारियों को भी इधर से उधर किया गया है ।जिसमें बाघ की रहस्यमयी मौत, के बाद सुर्खियों में आए डीएफओ अधर गुप्ता और विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे पर तीन से चार पेटी रुपए मांगने का आरोप लगाने वाली डीएफओ नेहा श्रीवास्तव के नाम का भी समावेश है। जारी की गई इस स्थानांतरण सूची के अनुसार उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट में पदस्थ डीएफओ श्रीमती नेहा श्रीवास्तव का स्थानांतरण मप्र राज्य लघु वनोपज संघ भोपाल किया गया है, तो वही डीएफओ नेहा श्रीवास्तव के स्थान पर, जिला नीमच में पदस्थ उपवन मंडलाधिकारी रेशम सिंह धुर्वे का स्थानांतरण प्रभारी वन मंडलाधिकारी उत्तर सामान्य बालाघाट किया गया है। तो वहीं दक्षिण वन मंडल सामान्य बालाघाट में पदस्थ मंडलाधिकारी अधर गुप्ता का स्थानांतरण ,कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बाल प्रमुख के रूप में भोपाल किया गया है। जबकि उनके स्थान पर जिला मंडला सामान्य पश्चिम में पदस्थ वन मंडलाधिकारी निथ्यानंतम एल. का स्थानांतरण आधार गुप्ता के स्थान पर दक्षिण वन मंडल डीएफओ बालाघाट के रूप में किया गया है।

मतदाता ऑनलाईन भी भर सकते है गणना पत्रक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एस आईआर) का कार्य 04 नवंबर से शुरू कर दिया गया है। जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार से अधिक मतदाताओं के घर घर जाकर गणना पत्रक का वितरण कर रहे हैं। यह काम 04 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को गणना पत्रक भरने के लिए ऑनलाईन सुविधा भी दी गई है।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को गणना पत्रक ऑनलाइन भरने की सुविधा दी गई है। इसके लिए मतदाता द्वारा https://voters.eci.gov.in/ पर लॉगइन करना होगा । इस वेबसाईट पर लागइन करने के लिए मतदाता को अपना मोबाइल नंबर या मतदाता पहचान पत्र क्रमांक भरना होगा। लागइन करने के बाद Fill Enumeration Form Online पर क्लिक करना होगा।

बालाघाट मंडी के उड़नदस्ता दल ने बनाया अवैध परिवहन प्रकरण

41 हजार 392 रुपये का मंडी शुल्क वसूला

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में कृषि उपज के अवैध परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बालाघाट मंडी के उड़नदस्ता दल ने 09 नवंबर को नैनपुर में मक्का का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर एक ट्रक को पकड़ा है और 41 हजार 342 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया है।

संयुक्त संचालक, मंडी बोर्ड जबलपुर श्री शाहिद खान तथा एसडीएम एवं भारसाधक अधिकारी बालाघाट गोपाल सोनी के मार्गदर्शन में कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के उड़नदस्ता दल द्वारा दिनांक 09 अक्टूबर 2025 की रात 11 बजे क्षेत्र निरीक्षण के दौरान नैनपुर रोड पर ट्रक क्रमांक सीजी-04एलएस-1529 में कृषि उपज मक्का का बिना मंडी शुल्क भुगतान किये बगैर ई-अनुज्ञा पत्र के परिवहन करते पाये जाने पर अवैध परिवहन प्रकरण तैयार किया गया। इस पर उड़नदस्ता दल द्वारा म.प्र. मंडी अधिनियम 1972 के उल्लंघन करने पर वैधानिक कार्यवाही करते हुए 41 हजार 362 रुपये दांडिक मंडी शुल्क वसूल कर सरकारी खजाने में जमा किया गया है। इस वाहन में 309 क्विंटल मक्का का परिवहन किया जा रहा था और अवैध रूप से केवलारी (सिवनी) से रायपुर (छग) के लिए परिवहन किया जा रहा था।

यह कार्यवाही उड़नदस्ता दल प्रभारी श्री मनीष मड़ावी मंडी सचिव, दल सदस्य स.उ.नि. भीमेन्द्र चौधरी, स.उ.नि. मनोज पटले एवं स.उ.नि. पवन इनवाती द्वारा की गई है। जिले की सभी मंडी समितियों के मंडी क्षेत्र में कृषि उपजों के अवैध परिवहन और अवैध भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्यवाही सतत जारी रहेगी। कृषि उपज के व्यापारियों से अपील की गई है कि किसी भी स्थिति में जिले का कोई भी व्यापारी एवं मिलर्स बगैर ई-अनुज्ञापत्र/बिल के अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन एवं अवैध भंडारण ना करें।

बैहर के सुदूर वनांचल गांवों में बढ़ा मलेरिया का भयंकर प्रकोप !!

नक्सल अभियान में लगे सीआरपीएफ और हॉक फोर्स के जवान भी अस्पतालों में, ग्रामीण सरकारी अस्पतालों के अलावा आरएमपी डॉक्टरों के भरोसे

पद्मेश विशेष। बालाघाट।

मध्यप्रदेश के दूरस्थ और आदिवासी बहुल बालाघाट जिले के बैहर में इन दिनों मलेरिया का भयंकर प्रकोप है. नक्सल अभियान के जवान और आम ग्रामीण दोनों इसके शिकार हो रहे हैं. यहाँ पर बेहद तेजी से इन दिनों मलेरिया का फैलाव हुआ है. सुदूर बीहड़ जंगल के गांवों में दहशत का आलम है वहीं इस बीमारी का नियंत्रण नहीं होता दिख रहा है।

मध्यप्रदेश प्रदेश के बालाघाट जिले के दक्षिण बैहर के दर्जनों आदिवासी गावों में मलेरिया का प्रकोप देखने को मिल रहा है। जहां बड़े पुरुष महिलाओं से लेकर छोटे बच्चे तक सभी बीमार हैं है। गरीब परिवार होने से उन्हें इलाज को लेकर भी दिक्कतें हो रही है।

बालाघाट में 6 अधिक जवान मलेरिया से बीमार

बालाघाट में 6 अधिक जवान मलेरिया से बीमार: बैहर में नक्सल मोर्चे पर तैनात थे, सिपाहियों को 3 दिन पहले सीआरपीएफ और हॉकफोर्स के आधा दर्जन से अधिक जवान मलेरिया से बीमार हो गए हैं। इन सभी जवानों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किये गए हैं.बालाघाट जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनातबैहर में नक्सल मोर्चे पर तैनात थे, सिपाहियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

3 दिन पहले बालाघाट जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात सीआरपीएफ और हॉकफोर्स के आधा दर्जन से अधिक जवान मलेरिया से बीमार हो गए हैं। इन सभी जवानों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डॉक्टरों के अनुसार, उनकी हालत में सुधार हो रहा है। नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों को दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर उन्हें नक्सलियों से निपटना होता है, वहीं दूसरी ओर जंगली इलाकों में मच्छर और मधुमक्खी जैसे कीटों के हमले से वे बीमार पड़ रहे हैं।

कुछ दिन पहले मधुमक्खी ने हमला किया था

हाल ही में, सर्चिंग के दौरान मधुमक्खी के काटने से कुछ जवानों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब शुक्रवार को, आधा दर्जन से अधिक जवानों को मलेरिया के लक्षण पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया है।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. निलय जैन ने बताया कि दक्षिण बैहर क्षेत्र के कई गांवों में भी मलेरिया का प्रकोप है, जिससे ग्रामीण भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की कि भर्ती किए गए सुरक्षाबलों के जवानों की स्थिति स्थिर है और वे स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

हालांकि, जवानों का इस तरह बीमारी की चपेट में आना नक्सल विरोधी सर्चिंग अभियानों को भी प्रभावित कर सकता है।

इन जवानों का चल रहा इलाज

अस्पताल में मलेरिया से पीड़ित जिन जवानों का इलाज चल रहा है, उनमें शिवशंकर यादव, अनेश उईके, गजानंद गोवारे, उमरकर धनंजय, शुभम, रवि कुमार और सचिन सिरसाठे शामिल हैं।

मामला दक्षिण बैहर क्षेत्र का है

यह घटना दक्षिण बैहर क्षेत्र की है, जहां पुलिस चौकी के साथ-साथ हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा जवानों के कैंप स्थापित हैं। यह इलाका धने जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ है। नक्सलियों की सूचना पर जवानों को अक्सर लंबी दूरी तक सर्चिंग अभियान पर जाना पड़ता है, जहां उन्हें भूख-प्यास के साथ-साथ मच्छरों के प्रकोप का भी सामना करना पड़ता है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बालाघाट के दक्षिण वैहर के आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांवों घुम्मुर, सोनगुडडा, डाबरी, कोदापार, अलना, विठली, चारघाट समेत दर्जनभर से अधिक गांवों में मलेरिया का प्रकोप इन दिनों चल रहा है। ग्रामीण अंचल में काफी समय सेइस बीमारी का प्रकोप बना हुआ है। जिसमें कई लोग प्रभावित है। इस बीमारी के होने के चलते पिछले दिनों अलग-अलग गांवों में कुछ सदस्यों की मौत हो गई है। कई, परिवार में कोई ना कोई, हर आयु वर्ग के लोग प्रभावित हैं गरीबी के चलते इलाज में उन्हें परेशानी हो रही है।

उधर, इससे स्वास्थ्य सेवा पर सवाल उठ रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि वे स्थानीय स्तर पर इलाज के लिये प्राथमिक केंद्र जा रहे है लेकिन उपचार सेवा से लाभ नहीं मिल रहा है। प्राइवेट चिकित्सक उपचार के लिए पहुंचते है तो उन्हे रुपये खर्च करने पड़ते है ।जिला प्रशासन द्वारा बीते दिनों शिविर आयोजित किया गया तो कौदापार में ही 8 लोगों की रिपोर्ट मलेरिया पॉजिटिव आयी थी। हालांकि बीएमओ का दावा है कि वे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा दे रहे है।

इस बीच ग्रामीणों को मलेरिया बीमारी से बचाव के लिये मच्छरदानी का वितरण किया गया और गमोजिया मछली भी पानी के जमाव वाले स्थल में डाली गई है। मच्छरदानी ग्रामीण लगा नहीं रहे है। हालांकि उन्होंने माना कि क्षेत्र में मलेरिया का प्रभाव बना हुआ है।

बीमारी की पहचान का अध्ययन

मध्य प्रदेश, मध्य भारत के बालाघाट जिले के दो घने वनाच्छादित और दूरस्थ प्रखंडों (बैहर और बिरसा) के बारहमासी संचरण क्षेत्रों में गर्भावस्था के दौरान मलेरिया का बोझ बना हुआ है।

एक एनजीओ ने मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा और बैहर ब्लॉकों में, जहाँ बारहमासी मलेरिया संचरण होता है, एमआईपी के बोझ (नामांकन और अनुवर्ती कार्रवाई के समय व्यापकता) का आकलन करने और एमआईपी के जोखिम कारकों की पहचान करने के लिए एक क्षेत्र-आधारित अध्ययन किया।

महिलाओं की आदिम गर्भावस्था स्थिति, गर्भावस्था की पहली और दूसरी तिमाही, स्वदेशी जातीय जनजातीय समूह से संबंधित महिलाएँ और पूरे वर्ष नकदी फसलों की कमी (एक सामाजिक-आर्थिक संकेतक) परिवार में मलेरिया के स्वतंत्र जोखिम कारक थे।

निष्कर्ष- इस अध्ययन का प्रभाविता का विश्लेषण यह रहा कि मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा और बैहर ब्लॉक की वन-आच्छादित जनजातीय बस्तियों में मलेरिया संक्रमण एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या है और इसके लिए तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

जेल में 'न्यायोत्सव' विधिक सेवा सप्ताह

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में जिले में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 09 से 14 नवम्बर तक ''न्यायोत्सव'' विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में विधिक सेवा सप्ताह के दुसरे दिन 10 नवम्बर को जिला जेल व सभी उपजेलों में बंदियों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला जेल बालाघाट में बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी श्री रघुबीर प्रसाद पटेल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम आदि उपस्थित रहे। जागरूकता शिविर में बंदियों के अधिकार, प्ली-बारगेनिंग, नि:शुल्क विधिक सहायता योजना एवं उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण दिशा निर्देषों के बारे में बंदियों को जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी श्री पटेल द्वारा बंदियों की समस्याए भी सुनी गई।

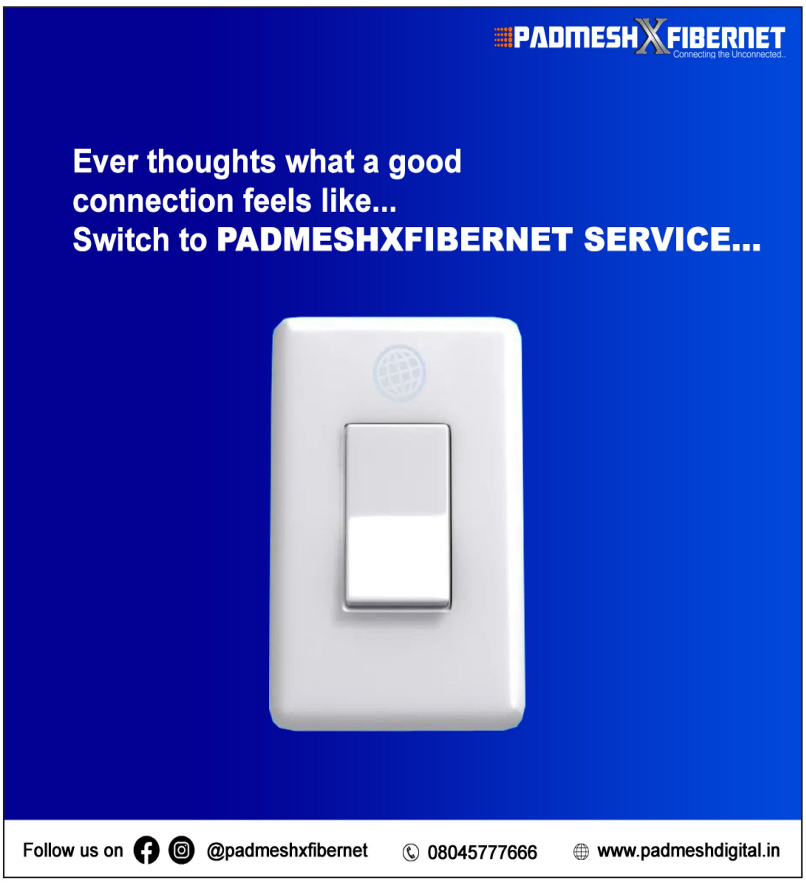

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट